सुविचार
खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दें, न कि साबित करने पर।

करगिल विजय दिवस आज

दैनिक भास्कर

कुल पृष्ठ 18, मूल्य ₹ 6.00 | वर्ष 19, अंक 11

नई दिल्ली, शनिवार 26 जुलाई, 2025 | श्रावण, शुक्ल पक्ष-द्वितीया, 2082 | 12 राज्य | 61 संस्करण

पॉजिटिव न्यूज़

बच्चों का सपना सच करने में एआई का इस्तेमाल

नई दिल्ली | राष्ट्रीय राजधानी के एक स्कूल ने बच्चों का भविष्य गढ़ने में एआई के इस्तेमाल का नायाब तरीका निकाला। कक्षा में हर बच्चे से पूछा जाता है कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। जैसे ही बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, एस्ट्रोनॉट, क्रिकेटर बनने की ख्वाहिश जताते हैं, वैसे ही बोर्ड पर उनकी उसी रूप में तस्वीर दिखने लगती है। इसे देखकर बच्चे प्रेरित होते हैं।

सफाई से भी नहीं हिचके, सीए बन साबित किया

भिवानी | हरियाणा के गौरव बांका ने महज 7 साल की उम्र में पिता को खो दिया था। जिम्मेदारी बढ़ी तो घर छोड़कर कंप्यूटर जॉब के लिए भिवानी पहुंचे, लेकिन सफाई का काम मिला। बिना संकोच किए उन्होंने महीनों झाड़ू लगाई। एक साथ तीन पार्ट-टाइम नौकरियां भी कीं। इस बीच पढ़ाई भी जारी रखी और कुछ ही समय पहले सीए परीक्षा में टॉप किया।

सुप्रीम फैसला • देशभर के स्कूल, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों के लिए गाइडलांइस जारी

छात्रों की आत्महत्या सिस्टम की नाकामी; अब अनदेखी नहीं: कोर्ट

सभी राज्यों में दो माह में हो कोचिंग का रजिस्ट्रेशन

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की आत्महत्या को देश की शिक्षा व्यवस्था की 'संस्थागत विफलता' बताया है। कोर्ट ने कहा, 'छात्रों की लगातार मौतें अक्सर ऐसी वजहों से होती हैं जिन्हें रोका जा सकता है। यह इस बात का सबूत हैं कि हमने मानसिक स्वास्थ्य, अकादमिक दबाव, सामाजिक कलंक और संस्थागत संवेदनहीनता जैसे पहलुओं को नजरअंदाज किया है। अब इस संकट को और अनदेखा नहीं किया जा सकता।'

जस्टिस विक्रम नाथ व जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने आंध्र प्रदेश की 17 वर्षीया नीट छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। पीठ ने देशभर के शिक्षण संस्थानों के लिए 15 दिशा-निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा, जब तक संसद या राज्यों की विधानसभा इस पर कानून नहीं बनातीं, ये गाइडलाइंस देशभर के लिए बाध्यकारी होंगी। कोर्ट ने राज्यों को दो माह में कोचिंग सेंटरों के पंजीकरण और शिकायत निवारण पर अधिसूचना जारी करने तथा हर जिले में डीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति बनाने का भी निर्देश दिया है।

- पीठ ने मानसिक स्वास्थ्य को अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग बताया। कहा, हर संस्था की जिम्मेदारी है कि मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करे।

शिक्षण संस्थानों के लिए 15 गाइडलाइंस...

हर शिक्षण संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य नीति और विशेषज्ञ नियुक्त हों; स्टूडेंट के प्रदर्शन के आधार पर बैच न बनाए जाएं

1. सभी शिक्षण संस्थानों को 'उम्मीद', 'मनोदर्पण' और राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति पर आधारित मानसिक स्वास्थ्य नीति अपनानी होगी। हर साल अपडेट कर वेबसाइट व सूचना बोर्ड पर लगाना होगा।
2. जहां 100 से अधिक छात्र हों, वहां प्रशिक्षित काउंसलर, मनोवैज्ञानिक या सोशल वर्कर नियुक्त हों; छोटे संस्थान बाहरी विशेषज्ञों से जुड़ें।
3. परीक्षा या कोर्स बदलाव के समय हर छात्र समूह को एक मेंटर या काउंसलर दिया जाए।
4. कोचिंग संस्थान प्रदर्शन के आधार पर बैच न बनाएं और न ही छात्रों को शर्मिंदा करें।
5. शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पतालों और हेल्पलाइन से संपर्क की व्यवस्था हो; हेल्पलाइन नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित हों।
6. संस्थान सभी शिक्षकों व स्टाफ को साल में दो बार मेंटल हेल्थ और आत्महत्या संकेतों की ट्रेनिंग दें।
7. कमजोर वर्गों जैसे-एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, एलजीबीटीक्यू+, विकलांग, अनाथ या मानसिक संकट से जूझ रहे छात्रों से भेदभाव न हो।
8. यौन उत्पीड़न, रैगिंग और भेदभाव के मामलों में कार्रवाई के लिए समिति बने, पीड़ित को सहायता और सुरक्षा मिले।
9. अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम हों ताकि वे तनाव पहचानें और दबाव न डालें।
10. संस्थान हर साल रिपोर्ट बनाएं, जिसमें काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य का विवरण हो। इसे यूजीसी जैसी नियामक संस्था को भेजा जाए।
11. पाठ्यक्रम के साथ खेल, कला और व्यक्तित्व विकास पर ध्यान हो, परीक्षा प्रणाली छात्रहित में हो।
12. छात्रों और अभिभावकों के लिए नियमित करियर काउंसलिंग हो। विविध विकल्पों की जानकारी दें। छात्रों को रुचि के अनुसार निर्णय में मदद करें।
13. हॉस्टल संचालक सुनिश्चित करें कि परिसर नशे, हिंसा या उत्पीड़न से मुक्त हो और छात्र-छात्राओं को सुरक्षित वातावरण मिले।
14. हॉस्टलों में छत, बालकनी, पंखे जैसी जगह सेफ्टी डिवाइस लगें ताकि आत्महत्या रोकी जा सके।
15. कोटा, जयपुर, चेन्नई, दिल्ली जैसे कोचिंग केंद्रों में नियमित काउंसलिंग और शिक्षण योजना पर निगरानी के विशेष प्रयास हों।

शिक्षा का उद्देश्य जानकारी देना ही नहीं, इसका मकसद जीने की कला सिखाना...

कोर्ट ने महान दार्शनिक जिद्दू कृष्णामूर्ति की किताब 'एजुकेशन एंड द सिगनिफिकेंस ऑफ लाइफ' का उद्धरण दिया। इसमें कहा गया है 'शिक्षा का उद्देश्य ऐसे मनुष्यों को गढ़ना है जो एकीकृत (इंटीग्रेटेड) हों और सच में बुद्धिमान हों।' इसका अर्थ बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास से है। शिक्षा केवल जानकारी नहीं, जीवन जीने की कला हो।

सिर्फ आंकड़े नहीं, ये अनमोल जिंदगियां हैं... यह सामूहिक आत्ममंथन का समय

कोर्ट ने एनसीआरबी की रिपोर्ट का जिक्र कर कहा यह केवल डेटा नहीं, अनमोल जिंदगियां और युवा सपनों की अकाल मौत है। यह सामूहिक आत्ममंथन का समय है। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों के मुताबिक उस साल देश में 1,70,924 आत्महत्या दर्ज हुईं, जिनमें 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें 2,248 छात्रों ने फेल होने पर जान दे दी।

- कोर्ट ने केंद्र सरकार से 90 दिनों में एक हलफनामा मांगा है। इसमें इन दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन, राज्यों के साथ समन्वय और राष्ट्रीय टास्क फोर्स की प्रगति रिपोर्ट का विवरण देने को कहा गया है।

झालावाड़ • चार साल से जर्जर स्कूल भवन मौत बनकर गिरा

राजस्थान का सरकारी स्कूल ढहा, सात मासूमों की मौत... 21 घायल

भास्कर न्यूज़ | झालावाड़ (राजस्थान)

राजस्थान के इतिहास में बच्चों की सबसे बड़ी त्रासदी शुक्रवार को झालावाड़ में हुई। यहां के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल भवन का हिस्सा भरभराकर गिर गया। इसमें 35 बच्चे थे, 21 घायल हो गए। जबकि 7 की मौत हो गई है और 9 गंभीर हैं। सूचना मिलते ही कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर मलबा हटाया, बच्चों को निकाला और अस्पताल पहुंचाया। गांववालों ने बताया कि सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना सभा के लिए बच्चों को स्कूल के मैदान की बजाय कक्षाओं में ही बैठाया गया था। गुस्साए लोगों ने प्रदर्शन भी किया। इसके बाद शिक्षा विभाग ने स्कूल की हेडमास्टर समेत 5 शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया।

बच्चे बोले- कंकड़ गिर रहे, टीचर्स ने अनदेखा किया: स्कूल के बच्चों ने बताया कि सुबह से ही छत से कंकड़ और पत्थर गिर रहे थे। बच्चों ने बाहर खड़े टीचर्स को जानकारी दी, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया और थोड़ी देर बाद ही हादसा हो गया। स्कूल के दो शिक्षक भवन के बाहर थे, इसलिए बच गए।

शोक जताया: हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है।

दर्द: स्कूल से अस्पताल पहुंचे बच्चे, 9 गंभीर

झालावाड़ हादसे में घायल बच्चों को अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन।

लापरवाह सिस्टम... देश में हर पांच में से एक सरकारी स्कूल जर्जर भवन में चल रहा है...

यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एज्युकेशन और राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल 10.17 लाख सरकारी स्कूल हैं। इनमें से लगभग 2.24 लाख सरकारी स्कूल भवन जर्जर या असुरक्षित हैं। यानी हर पांच में से एक स्कूल भवन जर्जर है। 31% स्कूलों की बिल्डिंग में दरारें देखी गईं, जो सुरक्षा के लिए खतरा है।

- **राजस्थान:** प्रदेश के 2256 स्कूल जर्जर हाल में हैं। इसके अलावा 49 हजार से ज्यादा पानी के स्ट्रक्चर, बिजली, फर्नीचर और स्विच बोर्ड तक खराब मिले। यह खुलासा संबल पखवाड़े में हुए निरीक्षणों में हुआ है।
- **मध्यप्रदेश:** राज्य में जर्जर स्कूलों की संख्या 221 है। इस साल भोपाल के महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल में छत का प्लास्टर गिरने से दो छात्राएं घायल हुई थीं।

अभिभावक गुहार लगाते रहे; शिक्षकों ने कहा-पैसे लाओ, छत डलवाओ

ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की छत आज से नहीं, चार साल से टपक रही थी। इसकी शिकायत कर चुके थे, लेकिन किसी ने नहीं सुना। ग्रामीणों का आरोप है कि इस बार भी बारिश से पहले छत की मरम्मत की मांग की गई थी। स्कूल के शिक्षकों ने अभिभावकों से ही कह दिया कि हर घर से दो सौ रुपए जमा कर लो, छत डलवा देंगे। गांव वालों का दावा है कि उन्होंने पैसे जुटा कर छत की थोड़ी बहुत मरम्मत भी करवाई थी।

कार्रवाई • केंद्र सरकार ने आईटी एक्ट के तहत कसा शिकंजा

अश्लीलता पर सख्ती... ऑल्ट, उल्लू सहित 25 ओटीटी ऐप्स पर प्रतिबंध

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अश्लील, अभद्र और कुछ मामलों में पोर्नोग्राफी कंटेट प्रसारित करने पर उल्लू और ऑल्ट सहित 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म बंद करने का आदेश दिया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गृह मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, विधि मंत्रालय, फिक्की, सीआईआई और बाल अधिकार विशेषज्ञों की सलाह पर यह कार्रवाई की। इन प्लेटफॉर्म्स को आईटी एक्ट, 2000 और आईटी नियम, 2021 के तहत नोटिस भेजे गए और उन्हें ब्लॉक करने का निर्देश दिया गया।

इन प्लेटफॉर्म्स पर आपत्तिजनक इशारे, यौन दृश्य, किसी सामाजिक संदर्भ या उद्देश्य के बिना कामुक व आपत्तिजनक सामग्री जारी होती थी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग सहित अन्य ने इनकी शिकायत की थी। केंद्र ने सितंबर 2023 में इन ऐप्स को आपत्तिजनक कंटेंट बंद करने की चेतावनी दी। पिछले साल मार्च में ब्लॉक ऐसे 5 ऐप ने डोमेन से दोबारा कंटेंट देना शुरू कर दिया था।

इन ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर लगाई गई रोक

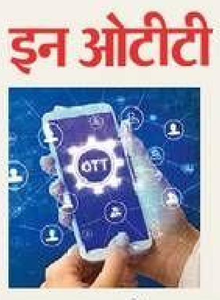

उल्लू, ऑल्ट, बिग शॉट्स ऐप, बूमेक्स, नवरसा लाइट, गुलाब ऐप, कंगन ऐप, बुल ऐप, जलवा, शोहिट, वॉव एंटरटेनमेंट, लुक एंटरटेनमेंट, हिट प्राइम, फेनीओ, शोएक्स, सोल टॉकीज, अड्डा टीवी, हॉटएक्स वीआईपी, देसीफ्लिक्स, हलचल, मूडएक्स, नीयनएक्स वीआईपी, फ्यूगी, मोजफ्लिक्स और ट्रिफ्लिक्स।

- ऑल्ट, एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स की सहायक कंपनी है।
- उल्लू ऐप, आईआईटियन विभु अग्रवाल की कंपनी संचालित करती है।

चिंता: इन पर महिलाओं का गलत चित्रण होता था

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने इन प्लेटफॉर्म्स के कंटेट को बच्चों के लिए नुकसानदेह बताया था। वहीं, कई आम नागरिकों ने भी इसे समाज-विरोधी और अश्लील बताया था। अभिभावकों और शिक्षकों ने ऐसे कंटेट को बच्चों के लिए नैतिक रूप से खराब बताया था। आरोप है कि इनमें महिलाओं का अभद्र और आपत्तिजनक चित्रण भी किया जा रहा था।

81% लोगों ने कहा था अश्लीलता हटनी चाहिए

इस साल फरवरी में लोकल सर्किल्स के सर्वे में शामिल यूजर्स ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट बढ़ने पर चिंता जताई थी। सर्वे में शामिल 81% लोगों ने ऐसे कंटेंट को लेकर आपत्ति जताई थी। 64% ने कहा था कि प्लेटफॉर्म खुद नहीं सुधरेंगे, सरकार सख्ती करे। सर्वे में देश के 24 राज्यों के 329 जिलों से 49,000 लोग शामिल हुए थे।

- सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल कहा था कि अश्लील सामग्री से युवाओं पर गलत असर पड़ता है। सरकार को गाइडलाइन बनाने पर सोचना चाहिए।

सैफ के हमलावर के खिलाफ पुख्ता सबूत, जमानत न दी जाए

मुंबई | मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमले के आरोपी बांग्लादेशी नागरिक शरीफ-उल-इस्लाम की जमानत याचिका का विरोध किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ उनके पास पुख्ता सबूत हैं। इस साल जनवरी में सैफ अली खान के घर पर चोरी के प्रयास के दौरान यह हमला हुआ था। पुलिस ने अदालत को बताया कि फोरेंसिक जांच में हमले में इस्तेमाल चाकू और आरोपी से बरामद चाकू के टुकड़े एक ही हैं। आरोपी फिलहाल जेल में है और पुलिस उसे जमानत नहीं देना चाहती। फोरेंसिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए पुलिस ने दोहराया कि हमले के दौरान अभिनेता की रीढ़ के पास लगे चाकू के टुकड़े और अपराध स्थल पर मिले चाकू के टुकड़े का मिलान आरोपी से बरामद हथियार से हो गया है।

ऐतिहासिक • पीएम मोदी मालदीव पहुंचे, आज स्वतंत्रता दिवस के मुख्य अतिथि होंगे

मालदीव से ट्रेड-डिफेंस एग्रीमेंट होगा: मोदी

भास्कर न्यूज़, माले | पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दो दिनी ऐतिहासिक मालदीव यात्रा पर माले पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, मालदीव के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, डिफेंस और इन्फ्रा के समझौते होंगे। पीएम मोदी शनिवार को होने वाले मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। बता दें कि दो साल पहले तक चीन के समर्थक रहे राष्ट्रपति मुइज्जू ने 'इंडिया आउट' जैसे कैंपेन छेड़े थे। लेकिन इस बार मुइज्जू प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी करने के लिए खुद एयरपोर्ट पहुंचे।

माले में पीएम मोदी के स्वागत लिए पहुंचे राष्ट्रपति मुइज्जू।

मालदीव को 5 हजार करोड़ रुपए का कर्ज

पीएम मोदी ने कहा, मालदीव के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने मालदीव को 5 हजार करोड़ रुपए की कर्ज के रूप में मदद देने का ऐलान किया। भारत की ओर से मालदीव को 72 सैन्य वाहन भी दिए जाएंगे। माले में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण भी किया।

डीडीए मुख्यालय को 6 साल की मशक्कत के बाद मिला एफएससी, 3 माह में अवैध निर्माण हटाना होगा

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के आईएनए कॉलोनी स्थित दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मुख्यालय को 6 साल की कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग ने कड़ी शर्तों के साथ सुरक्षा प्रमाणपत्र (एफएससी) मिल गया है। अग्निशमन विभाग ने एफएससी देते हुए कहा कि डीडीए को अगले 3 महीनों में बेसमेंट की अवैध संरचनाओं के हटाना होगा, नहीं तो प्रमाणपत्र रद्द हो सकता है। यह प्रमाणपत्र तीन साल के लिए वैध रहेगा।

डीडीए मुख्यालय विकास सदन परिसर में है। यह एफएससी इस परिसर के ब्लाक ए, बी और डी पर लागू होगा, जिनमें ग्राउंड और 3 मंजिलें शामिल हैं, जबकि ब्लाक बी का एक हिस्सा 7 मंजिलों तक फैला है। इस परिसर में एक बेसमेंट है, जिसमें अवैध निर्माण हो रखा है। इस कारण अग्निशमन विभाग ने 2018 से इस इमारत को प्रमाणपत्र देने से इनकार किया था और 11 बड़ी खामियों की ओर इशारा किया था। अग्निशमन विभाग ने डीडीए मुख्यालय को एफएससी देने में 20 बिंदुओं पर मूल्यांकन किया है, जिसमें निकास की व्यवस्था, अग्निशमन यंत्र, हॉज रील, स्वचालित अलार्म, स्प्रिंकलर नेटवर्क, जल भंडारण क्षमता, हाइड्रेंट व्यवस्था और लिफ्ट की सुरक्षा शामिल हैं। 2 जुलाई को हुए निरीक्षण में इमारत की स्थिति में सुधार पाया गया, जिसके बाद प्रमाणपत्र जारी किया गया।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी पहल

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में मिसाइल परीक्षण। फोटो : डीआरडीओ

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारत ने उड़ान भरते यूएवी ड्रोन से मिसाइल लॉन्च करने का सफल परीक्षण किया है। डीआरडीओ ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में नेशनल ओपन एरिया रेंज में अल्ट्रा लाइट प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम)-वी3 का परीक्षण किया। यह पहले विकसित यूएलपीजीएम-वी2 का अपग्रेड वर्जन है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और इंडस्ट्री पार्टनर्स को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस सफलता से यह साबित होता है कि भारतीय इंडस्ट्री अब महत्वपूर्ण डिफेंस तकनीकों को डेवलप करने और उत्पादन के लिए तैयार है। इसके गाइडिंग सिस्टम से लेकर, प्रोपल्शन और वॉरहेड मेकेनिज्म का डिजाइन और निर्माण भारत में ही किया गया है।

ये खासियतें

- मैदानी और ऊंचे पहाड़ दोनों इलाकों से दागी जा सकती है।
- दिन और रात दोनों में इसे इस्तेमाल किया जा सकता है।
- लॉन्चिंग के बाद भी टारगेट में बदलाव कर सकते हैं।
- इमेजिंग इंफ्रारेड से लैस है। इससे सटीक टारगेट लगाती है।
- आधुनिक टैंक, बख्तरबंद वाहन, बंकर उड़ाने में सक्षम।
- देश की टैंक रोधी युद्ध शक्ति में अहम इजाफा करेगी। लद्दाख जैसे क्षेत्र में तैनाती संभव।

12.5 किग्रा की फायर-एंड फॉरगेट मिसाइल दिन में 4 और रात में 2.5 किमी तक जा सकती है।

स्टार्टअप ने डीआरडीओ के साथ मिल बनाई मिसाइल

इस मिसाइल को बेंगलुरु के स्टार्टअप न्यूस्पेस रिसर्च टेक्नोलॉजी ने डीआरडीओ के साथ मिलकर बनाया है। ऐसे यूएवी और मिसाइल को कई भारतीय कंपनियां बना रही हैं। इनमें अदाणी डिफेंस, भारत डायनैमिक्स लि. समेत करीब 30 एमएसएमई और स्टार्टअप जुड़े हैं।

भास्कर खास करिश्मा कपूर के पूर्व पति की मौत पर मां रानी ने उठाए सवाल, सेबी से कंपनी की एजीएम टालने को कहा

संजय कपूर की 29 हजार करोड़ की कंपनी के हक पर विवाद... सबसे मजबूत दावा पत्नी प्रिया का, पर मां को ऐतराज; करिश्मा व उनके बच्चों को कुछ 'एक्स्ट्रा' नहीं मिलेगा

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

दिवंगत अरबपति और अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति संजय कपूर की मां रानी कपूर ने पिछले महीने लंदन में अचानक अपने बेटे की मौत के हालात पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा उन्होंने सेबी को पत्र लिखकर शुक्रवार को होने वाली ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनी सोना कॉमस्टार की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) तुरंत टालने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि संजय की मौत को अजीब दुर्घटना व हार्ट अटैक मानकर खारिज किया जा रहा है। इन आरोपों-दावों के चलते संपत्ति पर विवाद शुरू हो गया है। पढ़िए पूरा मामला...

विवाद क्या: संजय की मौत पोलो खेलते वक्त मधुमक्खी के डंक से हुए हार्ट अटैक के कारण हुई थी। वह सोना कॉमस्टार (सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स लि.) के नॉन एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट थे। संजय के निधन के बाद पत्नी प्रिया सचदेव को 'एडिशनल नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वहीं जेफरी मार्क ओवरली को नया चेयरमैन नियुक्त किया गया। जबकि विवेक विक्रम सिंह सीईओ हैं। संजय की मां का आरोप है कि बेटे की मौत के बाद दबाव में उनसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। बैंक खातों तक पहुंच से रोका व सहमति बिना बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति की जा रही है।

संजय और प्रिया

संजय और कंपनी की वैल्यू: ब्लूमबर्ग के अनुसार कंपनी का मार्केट कैप 29,000 करोड़ रुपए है। संजय के निधन के बाद कंपनी के शेयरों में 7% की गिरावट दर्ज हुई है। कंपनी की ईवी व हाइब्रिड गाड़ियों के ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स में विशेषज्ञता है। यह टेस्ला, जगुआर, लैंड रोवर जैसी कंपनियों को स्पेयर पार्ट्स सप्लाई करती है। संजय ने कंपनी की मौजदूगी अमेरिका, चीन, सर्बिया, मैक्सिको में दर्ज कराई। फोर्ब्स के अनुसार संजय की नेटवर्थ 10,300 करोड़ रुपए है। उनकी संपत्ति में सोना कॉमस्टार की शेयरधारिता, ऑरियस इन्वेस्टमेंट (कपूर परिवार की निवेश फर्म) प्रमुख है। इसके अलावा मुंबई के पाली हिल, दुबई के एमिरेट्स हिल्स और लंदन के मेफेयर में बंगले भी हैं। 25 करोड़ रु. की हाई एंड कारों का जखीरा भी है।

वसीयत में क्या: संजय की वसीयत की स्पष्ट जानकारी नहीं है। हालांकि, उनकी मां का दावा है कि उनके पति (संजय के पिता) स्व. सुरिंदर कपूर की वसीयत के अनुसार, वह (रानी) ग्रुप की संपत्ति की अकेली सबसे बड़ी लाभार्थी व बहुसंख्यक शेयरधारक हैं। लीगल एक्सपर्ट कहते हैं कि बिना वसीयत के संपत्ति संजय की मां, पत्नी (प्रिया) व उनके बच्चों के बीच बंटेगी। वहीं, पूर्व पत्नी करिश्मा को तलाक के वक्त 70 करोड़ रु. दिए गए थे। उनके बच्चों (समायरा व कियान) के लिए 14 करोड़ रु. के बॉन्ड खरीदे गए थे। करिश्मा को 10 लाख रु. मासिक भत्ता तय हुआ था। इस सेटलमेंट के चलते उन्हें संपत्ति से हिस्सा मिलने की संभावना कम है।

प्रमोटर समूह: कपूर परिवार (संजय, रानी व अन्य रिश्तेदार) के पास महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। संजय के निधन से पहले प्रमोटर ग्रुप की हिस्सेदारी 53% थी, पर व्यक्तिगत हिस्सेदारी का ब्रेकअप स्पष्ट नहीं है। चर्चा थी कि संजय की बहनें सुपर्णा व मंदिरा भी मैनेजमेंट में भूमिका निभा सकती हैं। पर जेफरी की नियुक्ति से यह संभावना खत्म हो गई।

कंपनी का पक्ष: सोना कॉमस्टार ने सेबी को भेजे पत्र में स्पष्ट किया है कि रानी 2019 से कंपनी की शेयरधारक नहीं रही हैं। कंपनी की शेयरधारिता मुख्य रूप से सार्वजनिक है। जिसमें प्रमोटर हिस्सेदारी (ऑरियस इन्वेस्टमेंट्स) दिवंगत संजय के लाभकारी स्वामित्व में थी। ऑरियस में प्रिया का डायरेक्टर बनना, सोना कॉमस्टार में प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी से उनका संबंध मजबूत करती है। यह रानी के बिना सहमति बोर्ड नियुक्ति के दावों का खंडन भी करता है।

तापमान / मौसम

दिन **34.0°** अधिकतम | रात **27.0°** न्यूनतम

आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ हल्की से बहुत हल्की बारिश हो सकती है।

शहर में आज

- **संगीतः सरस्वती कला संगम द्वारा रफी नाइट**
  कहांः प्यारे लाल भवन, आईटीओ के पास, शाम 5.30 से
- **कार्यशालाः वापसी-एक पवित्र विसर्जन**
  कहांः जोरबा द बुद्धा, घिटोरनी, सुबह 9.00 से

जेएनयूः प्रवेश यूजी और सीओपी की पहली मेरिट सूची जारी

नई दिल्ली | जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने जेएनयू प्रवेश स्नातक (यूजी) और प्रवीणता प्रमाणपत्र (सीओपी) की पहली मेरिट सूची जारी कर दी। आवेदक 26 जुलाई तक आवेदन संख्या और पासवर्ड का उपयोग कर आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी प्रवेश स्थिति देख सकते हैं। उम्मीदवारों को जेएनयू यूजी मेरिट सूची पर अपना नाम, श्रेणी, विश्वविद्यालय का नाम, प्रवेश परीक्षा के अंक और विषय के नाम मिलेंगे। जेएनयू प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार, यूजी कार्यक्रमों के लिए भौतिक सत्यापन और प्रवेश पंजीकरण 30 जुलाई से शुरू होगा और सीओपी के लिए 4 अगस्त से शुरू होगा। दूसरी मेरिट सूची 1 अगस्त को घोषित होगी।

पूर्व सीएम आतिशी ने झुग्गियों पर बुलडोजर एक्शन को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा

आप का दावाः इंदिरा कैंप, लालबाग बस्तियां उजड़ेंगी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने झुग्गियों पर बुलडोजर एक्शन को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि शालीमार बाग और शाहदरा में झुग्गी बस्तियों को ध्वस्त करने के नोटिस जारी किए गए हैं। आप ने दिल्ली सरकार पर गरीबों के साथ विश्वासघात करने और चुनावी वादों से मुकरने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने 'जहां झुग्गी-वहां मकान' देने की नहीं, बल्कि 'जहां झुग्गी वहां मैदान' बनाने की गारंटी दी थी। आप हमेशा गरीबों के साथ खड़ी है और इन झुग्गियों को बचाने के लिए सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर दावा किया कि गरीब विरोधी भाजपा सरकार का बुलडोजर अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के इंदिरा कैंप और रोहताश नगर के लालबाग की झुग्गियों पर चलेगा। इस दौरान आतिशी के साथ शालीमार बाग से आप की पूर्व विधायक वंदना कुमारी, शालीमार बाग से पार्षद जलज चौधरी और रोहताश नगर से पार्षद शिवानी पांचाल भी मौजूद थीं। आतिशी ने कहा, इंदिरा कैंप और रोहताश नगर के लाल बाग की झुग्गियों को 31 जुलाई तक खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार को शालीमार बाग के इंदिरा कैंप में दोपहर करीब 2 बजे अचानक अफरा-तफरी मच गई। यहां एक नोटिस चिपकाया गया, जिसमें लिखा था कि 15 दिन में मकान खाली कर लें। इससे लोग दहशत में और परेशान थे।

35 साल से लोग रह रहे हैंः आतिशी

आतिशी ने कहा, इंदिरा कैंप की झुग्गियों में लोग 1990 के दशक से रह रहे हैं। इन लोगों को तत्कालीन दिल्ली प्रशासन ने टोकन और कार्ड दिए थे। यहां लोग 35 साल से भी ज्यादा समय से लोग रह रहे हैं। लाल बाग में भी लोगों के पास दिल्ली प्रशासन द्वारा 1990 में दिए गए अलॉटमेंट कार्ड हैं। 35 साल तक किसी सरकार ने इन झुग्गियों को नहीं छूआ, लेकिन अब भाजपा की सरकार आई है और एक के बाद एक गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने की करवाई की जा रही है।

रेलवे ने चिपकाए नोटिस

भास्कर को शाहदरा क्षेत्र के शालीमार बाग में ऐसे नोटिस चिपके मिले, जिन पर 31 जुलाई तक झुग्गियां हटाने के लिए लिखा हुआ था, लेकिन ये नोटिस शाहदरा रेल प्रशासन की ओर से चिपकाए गए थे।

बेघर हुए झुग्गी वालों से मिले राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग और वजीरपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तोड़फोड़ का शिकार हुए झुग्गी-झोपड़ी वालों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। बेघर हुए झुग्गी-झोपड़ी वालों ने बताया कि उन्हें नोटिस दिए बिना ही उनके घरों को तोड़ दिया गया। इस पर राहुल गांधी ने झुग्गियां हटाने की कार्रवाई को लेकर भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि वे पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं और उनकी हर संभव मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनके साथ है। कांग्रेस यहां झुग्गी वालों को कोर्ट से न्याय दिलवाएगी।

दिल्ली सरकार 1 अगस्त से स्वच्छता अभियान चलाएगी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार 1 अगस्त से 'दिल्ली को कूड़े से आजादी-स्वच्छता अभियान' की शुरुआत करेगी। यह विशेष अभियान 31 अगस्त तक चलेगा।

सीएम ने दिल्ली वासियों से अपील की कि वे इस अभियान में शामिल होकर दिल्ली को स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाएं। इस अभियान को सघन रूप से चलाने के लिए दिल्ली सरकार के सभी विभाग अपनी भागीदारी निभाएंगे। अभियान को सफल बनाने के लिए आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन, स्कूली व कॉलेज के बच्चों व अन्य संस्थानों को शामिल किया जाएगा। अभियान में जन-भागीदारी को और पुख्ता करने के लिए एक पोर्टल भी शुरू किया जा रहा है।

इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 100 करोड़ की कोकीन जब्त, 5 अरेस्ट

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने एक बेहद सुनियोजित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए 100 करोड़ रुपये से अधिक की प्रतिबंधित ड्रग को जब्त किया है। बरामद मादक पदार्थों में 2.7 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन, 1 किलोग्राम एमडीएमए और 1 किलोग्राम गांजा शामिल है। यह वैश्विक सिंडिकेट भारत में फूड डिलीवरी एप की तर्ज पर काम करता था जिसमें व्हाट्सएप के जरिए ऑर्डर लेकर, स्थान और ग्राहक के हिसाब से डिलीवरी एजेंट तैनात किए जाते थे। एडिशनल सीपी मंगेश कश्यप ने बताया क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम में शामिल कांस्टेबल हेमंत को मिली गुप्त सूचना पर मोती नगर स्थित एक कोरियर सर्विस कंपनी पर रेड में जब 895 ग्राम एमडीएमए एक पार्सल में कपड़ों और जूतों के नमूनों के बीच छुपाकर भेजी जा रही थी, तब इस ऑपरेशन की शुरुआत हुई।

छह महीने में 7 किलो कोकीन दी

पकड़े गए अभियुक्तों में गॉडविन जॉन उर्फ एडोरे नाम का नाइजीरियन नागरिक शामिल है, जिसने कुबूल किया कि उसने दिल्ली में पिछले छह महीने में करीब 7 किलो कोकीन वितरित की। वहीं, आरोपी केलेची चिकवे उर्फ विक्टर और आइबे चिनेडु अस्टिन जैसे एजेंट्स दक्षिण दिल्ली, वसंत कुंज, किशनगढ़ और नोएडा में सक्रिय थे। आईबे के पास से 185 ग्राम कोकीन, 91,500 नकद और नकली आधार कार्ड बरामद हुए। यह सिंडिकेट कस्टमर डेटा को भारत में रह रहे डिलीवरी एजेंट से अलग रखता था ताकि अगर कोई गिरफ्त में आए तो पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश न हो। ग्राहकों से नकद राशि एक तय जगह और समय पर ली जाती थी और नया स्टॉक वहीं सौंपा जाता था। इस नेटवर्क का फंड हवाला बाजों के जरिए नाइजीरियन शेल कंपनियों तक पहुंचाया जाता था।

यमुना ने खतरे का निशान पार किया, बाढ़ का खतरा

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से 50 हजार क्यूसेक से भी अधिक पानी छोड़ने के कारण शुक्रवार को दिल्ली में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो गया। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, यमुना में पानी का प्रवाह चरम पर पहुंच गया है। शुक्रवार को यमुना का जल स्तर पुराना पुल के पास 204.5 मीटर के खतरे के निशान को पार कर 205 मीटर के करीब पहुंच गया है।

दिल्ली सरकार के बाढ़ नियंत्रण विभाग ने बताया कि हथिनीकुंड बैराज से 1 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने पर पहली चेतावनी जारी की जाएगी। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में कंट्रोल रूम सक्रिय हो जाएंगे और निगरानी शुरू होगी।

नावों को खतरे के लिए चिन्हित स्थानों पर तैनात किया जाएगा। यदि प्रवाह 3 लाख क्यूसेक से अधिक होता है, तो दूसरी चेतावनी जारी होगी, जिसमें यमुना नदी के खादर क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा।

एमसीडी में नेता विपक्ष ने भाजपा को घेरा

पूर्व मेयर पर सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण का आरोप

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने भाजपा के नॉर्थ एमसीडी के पूर्व मेयर जय प्रकाश पर सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण का आरोप लगाया है। नारंग ने शुक्रवार को दावा किया कि लोकायुक्त की जांच में खुलासा हुआ है कि जय प्रकाश ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की जमीन को बेटे के नाम ट्रांसफर कर करवाया है।

नारंग ने कहा, बहादुरगढ़ रोड स्थित गली विक्रम, सदर बाजार की संपत्ति संख्या 3231/13 डूसिब की है, जिसे पहले दो लोगों को केवल लाइसेंस फीस पर दिया गया था। यह जमीन न तो बेची जा सकती थी, न ही किसी को ट्रांसफर की जा सकती थी। इसके बावजूद जय प्रकाश ने इस संपत्ति को पहले अपने बेटे के नाम ट्रांसफर कराया और बहुमंजिला इमारत खड़ी कर दी। दिल्ली पुलिस ने चालान किया और डूसिब ने नोटिस भी जारी किया, फिर भी निर्माण कार्य नहीं रुका। उन्होंने सत्ता का दुरुपयोग कर न केवल सरकारी जमीन पर कब्जा किया, बल्कि उस पर अवैध तरीके से व्यावसायिक और आवासीय निर्माण करवाया। लोकायुक्त ने एलजी को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांच पुलिस, एसीबी या किसी अन्य जांच एजेंसी से कराने की सिफारिश की है।

जल बोर्ड ने 119 सोसायटी से 10% की छूट वापस ली

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को बताया कि उसने द्वारका में 119 सोसाइटियों से पानी के बिलों में दी गई 10% छूट वापस ले ली है। साथ ही पानी के कनेक्शन काटने के नोटिस भी जारी किए गए हैं, क्योंकि यहां रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम या तो गायब मिले या खराब पड़े थे। एनजीटी को जल बोर्ड ने बताया कि डीपीसीसी को भी पत्र लिखकर ग्राउंड वाटर को प्रदूषित करने वाली ऐसी सोसाइटियों पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति जुर्माना लगाने को पत्र भेजा है। एनजीटी फरवरी 2023 से एक याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें द्वारका के एक निवासी ने आरोप लगाया था कि द्वारका में रेनवाटर हार्वेस्टिंग गड्ढों के कारण भूजल प्रदूषित हो रहा है।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

नई दिल्ली, शनिवार 26 जुलाई, 2025 | श्रावण, शुक्ल पक्ष-द्वितीया, 2082

12 राज्य | 61 संस्करण

सेंसेक्स	81,463.09	↓	-721.08
डॉलर	86.52	↑	+0.12

देश में मानसून औसत बारिश 410.2 मिमी

आपके शहर में अब तक 171.1 मिमी | कम/ज्यादा -43.8 मिमी

दैनिक भास्कर जीतो सोना चांदी

क्विज - 83

आज अखबार में सोने के कितने सिक्के छपे हैं?

A:5 B:11 C:6

क्विज 81 का सही जवाब C है।

विजेताओं के नाम अंदर के पेज पर देखें।

आज के सवाल का जवाब देने के लिए QR कोड स्कैन करें।

न्यूज ब्रीफ

4 दशक में पहली बार इग्नू को मिली महिला कुलपति

नई दिल्ली| इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) को स्थापना के 40 साल बाद पहली महिला कुलपति मिली है। शिक्षा मंत्रालय ने प्रो. उमा कांजीलाल को संस्थान का नया कुलपति बनाया है। वे अभी यहां कार्यकारी कुलपति हैं। उन्हें ओपन और डिस्टेंस लर्निंग में 36 साल का अनुभव है।

रहमान-सैम आल्टमैन एआई प्रोजेक्ट पर साथ काम करेंगे

सैन फ्रांसिस्को| संगीतकार एआर रहमान ने हाल ही में ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन से मुलाकात की। रहमान ने बताया कि वे दोनों मिलकर एआई आधारित प्रोजेक्ट 'सीक्रेट माउंटेन' पर काम कर रहे हैं। यह एक वर्चुअल ग्लोबल बैंड है। इस मुलाकात में उन्होंने एआई का इस्तेमाल कर भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने और पीढ़ीगत चुनौतियों से निपटने के तरीके खोजने पर बात की।

थाइलैंड जाने वाले पर्यटकों के लिए एडवाइजरी जारी

बैंकॉक| थाइलैंड-कंबोडिया सीमा पर बढ़ती हिंसा के बीच बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास ने एडवायजरी जारी की है। इसमें भारतीय नागरिकों से थाइलैंड के सात संवेदनशील प्रांतों की यात्रा से बचने की अपील की गई है। दूतावास ने थाईलैंड टूरिस्ट प्राधिकरण की वेबसाइट टेट न्यूजरूम से अपडेट लेते रहने को कहा है। - विस्तृत देश-विदेश पर

पेट्रोल में 20% इथेनॉल का लक्ष्य 5 साल पहले हासिल

नई दिल्ली| भारत ने पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मूल रूप से 2030 तक के लिए तय किया गया था। इथेनॉल उत्पादन 2014 में 38 करोड़ लीटर था, जो जून 2025 तक बढ़कर 661 करोड़ लीटर हो गया। इससे किसानों को 1.18 लाख करोड़ रुपए और डिस्टिलरी को 1.96 लाख करोड़ रुपए की आय हुई है।

एसआईआर • पहला चरण पूरा, 98% मतदाताओं ने जानकारी दी

बिहार में 64 लाख मतदाता ड्राफ्ट सूची से बाहर होंगे : निर्वाचन आयोग

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली/पटना

बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का पहला चरण शुक्रवार को पूरा हो गया। निर्वाचन आयोग ने बताया है कि अब तक 22 लाख मृतकों, 7 लाख डुप्लीकेट वोटर्स का पता चला है। वहीं, 35 लाख मतदाता या तो स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं या 24 जून से उनका पता नहीं चल सका है। आयोग ने 64 लाख मतदाताओं की अलग सूची तैयार की है। ऐसे में, कुल 64 लाख नाम मतदाता ड्राफ्ट सूची से बाहर होंगे।

निर्वाचन आयोग के उप निदेशक पी पवन ने बताया, राज्य में कुल 7 करोड़ 89 लाख 69 हजार 844 मतदाता है। इनमें 7 करोड़ 23 लाख ने गणना प्रपत्र जमा कर दिए हैं। 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप सूची में इनके ही नाम आएंगे। बिहार के 99.8% मतदाताओं को कवर किया जा चुका है। इनका डिजिटलीकरण का काम पूरा हो गया है। 1.2 लाख मतदाताओं के गणना फॉर्म नहीं मिले हैं। फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 26 जुलाई है।

- जिन मतदाताओं ने फॉर्म नहीं भरे हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है और जो स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं, उनकी सूची 20 जुलाई को 12 दलों से साझा की गई है, ताकि 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मसौदा सूची में त्रुटि को सुधारा जा सके।
- आयोग ने कहा, 1 अगस्त से 1 सितंबर तक कोई गलती मिले तो आपत्ति दायर की जा सकेगी।
- 243 ईआरओ, 2,976 एईआरओ, 77,895 बीएलओ, 12 दलों के 38 जिला अध्यक्षों, 1.60 लाख बीएलए ने विशेष पुनरीक्षण काम किया।

मानसून सत्रः पहला सप्ताह हंगामे में ही बीता, अब 28 से संसद चलने की उम्मीद

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और ऑपरेशन सिंदूर सहित कई मामलों को लेकर विपक्ष का गतिरोध शुक्रवार को भी नहीं टूटा। इसके चलते कई स्थगन के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित कर दी गई। हालांकि, लोकसभा और राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समितियों में बनी सहमति के अनुसार सोमवार से दोनों सदन चलने की संभावना है।

इससे पहले लगातार पांच दिन से जारी हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विभिन्न दलों के वरिष्ठ नेताओं की बैठक बुलाई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में सोमवार से सदन सुचारु रूप से चलाने पर सहमति बनी। स्पीकर ने दलों से अपील की कि प्रश्नकाल में अनुशासन बनाए रखें और सार्थक चर्चा को प्राथमिकता दें। संसद में गरिमा और गंभीरता बनी रहे। बैठक में यह तय हुआ कि सोमवार को लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा होगी। दरअसल, मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई से हुई और तब से बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत-पाकिस्तान युद्धविराम संबंधी बयान और पहलगाम आतंकी हमले जैसे मुद्दों पर विपक्ष प्रदर्शन कर रहा है।

विपक्ष ने डस्टबिन में डाले एसआईआर के पोस्टर

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत गठबंधन के सांसदों ने एसआईआर लिखे पोस्टर फाड़कर डस्टबिन में फेंके। खरगे ने कहा, मोदी सरकार दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के वोट हटाकर संविधान को मनुस्मृति के अनुसार बदलना चाहती है।

> *क्या आयोग डरकर मृत, स्थायी प्रवासी, डुप्लीकेट और फर्जी/विदेशी वोटर्स के नाम पर फर्जी वोट डालने का मार्ग पहले बिहार और फिर पूरे देश में प्रशस्त कर दे? यह संविधान के विरुद्ध होगा। शुद्ध मतदाता सूची, निष्पक्ष चुनाव और सशक्त जनतंत्र के लिए नींव का पत्थर है।* - ज्ञानेश कुमार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त

रिजर्व बैंक की रिपोर्ट • पैसा घर में रखने का चलन बदला

घर की आधी नकदी अब बैंक और म्यूचुअल फंड में जा रही

भास्कर न्यूज | मुंबई

भारतीयों की वक्त जरूरत के लिए घर में पैसा रखने की सोच तेजी से बदल गई है। केवल एक साल में हमारे घरों में बचत के लिए रखा जाने वाला पैसा 50% तक घट गया है। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताजा रिपोर्ट में सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार, नोटबंदी और कोविड के बाद भी घरों में रखे नकद पैसे बढ़े थे। लेकिन अब देश की घरेलू बचत में घर में रखी नकदी की हिस्सेदारी घटकर 3.41% ही बची है। यह 2020-21 में 12.05% थी। हालांकि इस दौरान देश की कुल घरेलू वित्तीय एसेट 31.61 लाख करोड़ रुपए से 5.41% बढ़कर 34.31 लाख करोड़ रुपए हो गई।

जानकारों के अनुसार, घर में नकदी के रूप में जमा इस धन का एक बड़ा हिस्सा म्यूचुअल फंड में गया। 2020-21 में म्यूचुअल फंड में कुल निवेश महज 64,083.8 करोड़ रुपए था। यह बढ़कर 2.39 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। यानी करीब 274% तक बढ़ा है।

19 लाख करोड़ रु. के होम-ऑटो लोन

आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि भारतीयों में कुल घरेलू असेट्स दो साल में 31.35% तक बढ़ी है। इसकी तुलना में घरेलू देनदारियां 109% तक बढ़ गईं। नतीजतन कर्ज के बाद शुद्ध घरेलू एसेट्स दो साल में बढ़ने के बजाय 9.40% तक घट गईं। रिपोर्ट के अनुसार आम भारतीयों पर सबसे ज्यादा बकाया बैंक का बढ़ा। यह 2021-22 में 7.02 लाख करोड़ रुपए था। 2023-24 में यह बढ़कर 18.77 लाख करोड़ हो गया। यानी लोन बड़ा हिस्सा बैंकों से कर्ज के रूप में लिया गया। जानकारों के अनुसार यह बताता है कि ज्यादातर लोगों ने नया घर और कार खरीदने के लिए ऑटो और होम लोन लिए। इसी के चलते बैंकों का बकाया आम आदमी पर बढ़ता चला गया।

दो साल में घरेलू कर्ज 109% तक बढ़ा

मद	2023-24	2022-23	2021-22
घरेलू वित्तीय असेट	34.31	29.36	26.12
बैंक जमा	**14.35**	**10.26**	**7.83**
जीवन बीमा फंड	5.90	5.49	4.86
पेंशन, पीएफ	7.18	6.26	5.51
नकदी	**1.18**	**2.37**	**2.69**
म्यूचुअल फंड	**2.38**	**1.79**	**1.60**
शेयर बाजार	0.29	0.23	0.48
छोटी बचत	3.09	2.00	2.41
घरेलू कर्ज	18.79	15.96	8.99
कर्ज के बाद शुद्ध असेट	15.52	13.39	17.13

-राशि लाख करोड़ रुपए में

दिल्ली पुलिस की महिला एसआई ने आत्महत्या की

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की एक महिला सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ने शुक्रवार को रोहिणी स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी पहचान सविता (29) के रूप में हुई, जो हरियाणा के झज्जर जिले के गांव छारा की मूल निवासी थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया, सविता रोहिणी के सेक्टर-11 में रहती थीं। वे अमन विहार पुलिस स्टेशन में सब-इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थीं। वे साल 2021 बैच की सब-इंस्पेक्टर थीं। उनके घर का दरवाजा जब अंदर से बंद मिला तो उनके भाई ने दरवाजे की जाली तोड़कर उनके घर में प्रवेश किया। उनके भाई को सविता का शव छत के पंखे से लटका हुआ मिला। इसके बाद शव को नीचे उतारा गया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला लग रहा है।

जेपीएससी 11वीं-13वीं सिविल सेवा परीक्षा का रिजल्ट घोषित

झारखंड को मिले 342 नए अधिकारी, इनमें करीब हर तीसरी अफसर महिला

भास्कर न्यूज | रांची

झारखंड लोकसेवा आयोग (जेपीएससी) ने 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा-2023 का रिजल्ट शुक्रवार को जारी कर दिया। इस परीक्षा में 342 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। धनबाद के आशीष अक्षत झारखंड टॉपर रहे। टॉप-10 में दो बेटियों ने भी जगह बनाई। कुल 342 में से 96 महिलाओं को जगह मिली है, यानी 28 फीसदी। यानी हर तीन में से करीब एक पद पर महिलाओं को सफलता मिली। इसके साथ ही राज्य को 342 नए अधिकारी मिल गए। आशीष को दूसरे प्रयास में यह सफलता मिली है।

-शेष पेज 12 पर

बबीता पहाड़िया समाज की पहली अफसर बेटी; मिठाई के लिए पैसे नहीं थे, चीनी खिलाकर मुंह मीठा कराया

दुमका| आसनसोल गांव की बबीता पहाड़िया ने जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 337वां रैंक हासिल किया। वह पहाड़िया समुदाय की पहली महिला है, जिन्हें झारखंड प्रशासनिक सेवा में जगह मिली। एक निजी स्कूल में काम करने वाली बबीता की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। जब रिजल्ट आया तो मिठाई खरीदने तक के पैसे नहीं थे। परिवार ने चीनी खिलाकर उसका मुंह मीठा कराया। बबीता के सभी भाई-बहनों की शादी हो चुकी है। लेकिन बबीता ने यह कहकर शादी करने से इनकार कर दिया था कि जब तक कुछ बन नहीं जाती, शादी नहीं करेंगी।

पुणे की जमीन के अनुबंध मामले में वकील के बयान लिए

यूपीः छांगुर नेटवर्क की जांच में अब बाराबंकी पहुंची एटीएस

भास्कर न्यूज | बाराबंकी

बाराबंकी में हजारों हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराने वाले गिरोह के सरगना जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के नेटवर्क की जांच तेज हो गई है। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) की टीम शुक्रवार को बाराबंकी कचहरी पहुंची। एटीएस ने पुणे की जमीन के अनुबंध को नोटरी करने वाले वकील के बयान दर्ज किए। यह अनुबंध छांगुर ने बाराबंकी में बनवाया था। जांच में 8 जुलाई 2023 को कलेक्ट्रेट में इस एग्रीमेंट की नोटरी होने की पुष्टि हुई है। अब एटीएस अनुबंध पत्र तैयार करने वाले व्यक्ति की तलाश कर रही है। एटीएस के एक निरीक्षक अपनी टीम के साथ बाराबंकी कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने 2023 के नोटरी रिकॉर्ड रजिस्टर की फोटोकॉपी कराई। इसमें अनुबंध करने वाले मोहम्मद अहमद के साथ दो गवाहों के हस्ताक्षर भी मिले हैं।

अनुबंध कराने वाले गवाहों की तलाश

अब एटीएस अनुबंध तैयार करने वाले और गवाहों का पता लगाने में जुटी है। इससे छांगुर के बाराबंकी नेटवर्क का पर्दाफाश हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, एटीएस खबर प्रकाशित होने के बाद एक बार पहले भी आई थी। लेकिन सटीक जानकारी न मिलने पर वापस लौट गई थी।

मजीठिया मामले में अब 30 जुलाई को सुनवाई

मोहाली | आय से अधिक संपत्ति केस में शिअद नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के दो मामलों की शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान जमानत और बैरक बदलने के केस में मजीठिया के वकीलों व सरकारी वकीलों ने दलीलें रखीं। जमानत केस में विजिलेंस के रिप्लाई करने के बाद कोर्ट ने 30 जुलाई की तारीख डाल दी है। अब 30 जुलाई को बहस होगी। वहीं, नाभा जेल में मजीठिया की सिक्योरिटी को लेकर जो बैरक बदलवाने की याचिका दी गई थी, उस पर भी सुनवाई हुई। कोर्ट के आदेश पर जेल प्रशासन ने ऑरेंज कैटेगरी की सुरक्षा को लेकर सीलबंद लिफाफे में जवाब दिया। इस पर मजीठिया के वकील ने कोर्ट से जवाब की कॉपी मांगी। अब बैरक मामले पर अगली सुनवाई 2 अगस्त को होगी।

दैनिक भास्कर जीतो सोना चांदी

चांदी का कूपन 77

इस कूपन को काटकर फॉर्मेट में चिपकाएं।

हरियाणा • ग्रुप-सी की भर्तियों के लिए पात्रता परीक्षा आज व कल

अधूरे आवेदन वाले 21 हजार अभ्यर्थी नहीं दे सकेंगे सीईटी, हाई कोर्ट से 170 को ही छूट

एडमिट कार्ड जारी न होने पर जिन्होंने याचिका नहीं लगाई, उन्हें कोर्ट ने नहीं दी राहत

भास्कर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा में ग्रुप-सी की भर्तियों के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) शनिवार-रविवार को 2-2 सत्रों में होगा। इसके लिए सभी स्कूलों में शनिवार की छुट्टी की गई है। इस बीच अधूरे आवेदन पर एडमिट कार्ड जारी न किए जाने के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने शुक्रवार को अहम फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने याचिका दाखिल करने वाले सिर्फ 170 अभ्यर्थियों को प्रोविजनल रूप से परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी। जिन अभ्यर्थियों ने याचिका दायर नहीं की, उन्हें कोई राहत नहीं दी गई। ऐसे 21 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी हैं। ये अब परीक्षा नहीं दे सकेंगे। लगातार दो दिन चली सुनवाई में हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एडमिट कार्ड से जुड़े मुद्दों पर ही सुनवाई सीमित रखी जाएगी। अन्य विषयों पर निर्णय अगली सुनवाई में होगा।

बता दें कि भिवानी निवासी सुरेंद्र सिंह व अन्य ने याचिका दायर कर कहा था कि सीईटी के लिए आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेज अपलोड किए थे। शुल्क का भुगतान भी कर दिया। फार्म जमा हो गया था, पर एडमिट कार्ड जारी नहीं हुए। अधिकारियों ने आवेदन अधूरे बताए। ऐसे में वेबसाइट में कमी रही होगी, जिसका नुकसान उठाना पड़ रहा है।'

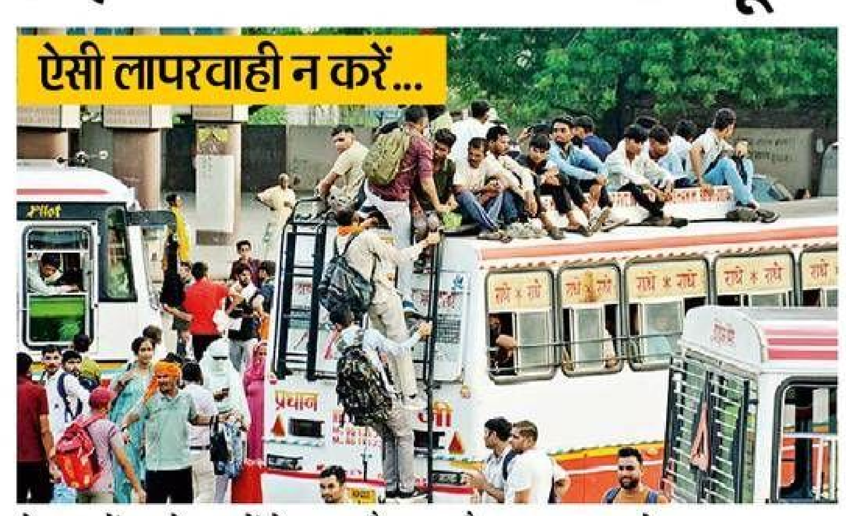

रोहतक में प्राइवेट बसों के ऊपर बैठकर और लटककर जाते छात्र।

आयोग ने कहा- शर्तों में छूट तो निष्पक्षता पर सवाल

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने हाई कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा, 'जिन्हें एडमिट कार्ड नहीं मिले, उन्होंने आवेदन प्रक्रिया पूरा नहीं की। उसी पोर्टल पर लाखों अभ्यर्थियों ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया है। अगर अधूरा आवेदन करने वालों को एडमिट कार्ड दिया तो यह ईमानदारी से प्रक्रिया पूरी करने वाले लाखों अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होगा। आवेदन की हस्ताक्षरित प्रति अपलोड करना अनिवार्य और अपरिहार्य शर्त है, जिसमें छूट नहीं दी जा सकती। इस पर हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राहत सिर्फ उन्हें को दी गई है, जिन्होंने कोर्ट की शरण ली। बाकी 21 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को राहत नहीं दी जा सकती, क्योंकि उन्होंने आवेदन की शर्तें पूरी नहीं कीं।'

मप्रः सहारा समूह ने 310 एकड़ जमीन बेचने में किया गबन

सहारा प्रमुख के बेटे समेत तीन पर एफआईआर

भास्कर न्यूज | भोपाल

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के खिलाफ जाकर 310 एकड़ जमीन की बिक्री में करीब 72.82 करोड़ का गबन करने के मामले में ईओडब्ल्यू ने सहारा समूह की सहायक कंपनियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। निवेशकों को दी जाने वाली यह रकम आपराधिक साजिश कर हड़प ली गई। ईओडब्ल्यू ने सहारा प्रमुख के बेटे सीमांतो रॉय, जेबी रॉय, ओपी श्रीवास्तव व अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया है। इनके खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जबलपुर, देवास और भोपाल की करीब 310 एकड़ जमीन को केवल 90 करोड़ रुपए में बेचना बताया है। जबकि वर्ष 2014 में खुद सहारा समूह ने ही मूल्यांकन के बाद भोपाल के मक्सी स्थित 110 एकड़ जमीन की कीमत सुप्रीम कोर्ट में 125 करोड़ रुपए बताई थी। हालांकि, बीती 22 जनवरी को ईओडब्ल्यू ने सहारा समूह के अफसरों और कटनी की विजय राघौगढ़ सीट से भाजपा विधायक संजय पाठक की कंपनियों के अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिक जांच रजिस्टर की थी। शुक्रवार को दर्ज एफआईआर में जमीन खरीदने वाले नामजद आरोपी नहीं बनाए गए हैं।ईओडब्ल्यू ने यह जांच आशुतोष दीक्षित (मनु), दीपेंद्र सिंह ठाकुर और हिमांशु पवैया की शिकायत के आधार पर शुरू की थी। जांच में सामने आया कि अचल संपत्तियों को बेचने के बाद मिले करोड़ों रुपए सेबी के खाते में जमा ही नहीं किए गए। यह रकम सहारा समूह की अलग-अलग सहायक कंपनियों के खातों में ट्रांसफर कर दी गईं।

इन आंकड़ों से समझें गड़बड़ी का खेल

जिला	भूमि क्षेत्रफल	विक्रय मूल्य	सेबी के खाते में जमा
भोपाल	110.10 एकड़	47.73 करोड़	00
सागर	99.76 एकड़	14.79 करोड़	00
कटनी	99.43 एकड़	22.00 करोड़	14.85 करोड़
जबलपुर	99.44 एकड़	20.60 करोड़	17.07 करोड़
ग्वालियर	99.76 एकड़	18.60 करोड़	आंशिक/नहीं

करगिल दिवस विशेष | देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में सजी टेबल पर अदम्य साहस के प्रतीक

यह है कैप्टन विक्रम बत्रा मेस

यहां शहीदों के लिए आज भी सजती है डायनिंग टेबल

ओमप्रकाश खिलेरी | देहरादून

देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए)...। यहां से देश की सीमाओं की रक्षा के लिए जांबाज अफसर तैयार होते हैं। अकादमी की कैप्टन विक्रम बत्रा मेस में एक ऐसी डाइनिंग टेबल (टेबल फॉर वन) लगी है, जिस पर सजी हर चीज एक कहानी कहती है। विजय दिवस पर यह टेबल फॉर वन' खास तौर पर उनके लिए ही सजाई जाती है।

यह टेबल करगिल युद्ध में शहीदों की अनगिनत कहानियों, अदम्य साहस और शहादत की प्रतीक है। यह संदेश है उन परिवारों के लिए, जो आज भी लापता प्रियजन की वापसी की राह देख रहे हैं। यह अपील है कि हम सब उन्हें याद रखें, जब तक वे लौट न आएं। 'टेबल फॉर वन' सिर्फ श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि अटूट संकल्प का प्रतीक है। यह मेज एक शाश्वत संदेश देती है कि हमारे शहीद हमेशा हमारे बीच रहेंगे...

टेबल पर रखी हर चीज जवानों के बलिदान की दास्तां, पीड़ा व चुनौतियों की गवाह

1. खाली टेबल का मर्मः अधूरी उम्मीद... खाली टेबल उन वीरों की याद में सजी है, जो ड्यूटी से कभी नहीं लौटे। यह प्रतीकात्मक रूप से एक जवान की पीड़ा को दर्शाती है। यह उन अनगिनत सैनिकों की याद दिलाती है, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी।

2. अकेला लाल गुलाब : प्रेम और प्रतीक्षा का प्रतीक
फूलदान में अकेला गुलाब वीरों के परिवारों के प्रेम और अटूट धैर्य का प्रतीक है। वे परिवार, जो आज भी घर के चिराग की वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

टेबल पर रखे कार्ड पर इन चीजों के बारे में बताया गया है।

3. लाल रिबन : एकजुटता और संकल्प का बंधन
फूलदान पर बंधा लाल रिबन, उन आवाजों की गूंज है, जो लापता जवानों का हिसाब मांग रही है, यह रिबन अटूट संकल्प का प्रतीक है... जो कहता है- हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक हर सैनिक का हिसाब नहीं मिल जाता।

4. बुझी लौ : जलता जज्बा
बुझी मोमबत्ती, अदम्य भावना की प्रतीक है, जो अंधेरे में प्रकाश की लौ जगाए रखती है। यह सैनिकों के ऊंचाई की ओर उठने का जज्बा दिखाती है। चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल हों। यह सिखाती है कि उनकी आत्मा आज भी जीवित है और वह दिन जरूर आएगा, जब ये लौ फिर से जलेगी।

5. नीबू का टुकड़ा : कड़वी नियति ... ब्रेड प्लेट पर रखा नीबू का टुकड़ा, कड़वी नियति की याद दिलाता है। उस पीड़ा और चुनौतियों का प्रतीक है, जिन्होंने इसे झेला और आज भी झेल रहे हैं।

भाजपा सांसद कंगना रनौत के 'उड़ता पंजाब' बयान से सियासत गरमाई

पंजाब के रास्ते पाक से ड्रग्स हिमाचल में आ रहीः कंगना पहले भाजपा शासित राज्यों में सर्वे करें सांसदः चीमा

भास्कर न्यूज | चंडीगढ़

हिमाचल प्रदेश की भाजपा सांसद कंगना रनौत के एक बयान ने पंजाब और हिमाचल के बीच सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। कंगना ने हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला के "उड़ता पंजाब" वाले बयान का समर्थन करते हुए कहा कि पंजाब के रास्ते पाकिस्तान से आने वाली ड्रग्स हिमाचल के युवाओं और परिवारों को बर्बाद कर रही है। इस बयान पर पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वे पहले बीजेपी शासित राज्यों में सर्वे करे। वहां नशे के ज्यादा समस्या है।

शुक्रवार को संसद के मानसून सत्र के दौरान सदन से बाहर मंडी से नवनिर्वाचित सांसद कंगना ने दावा किया कि पंजाब से आ रही ड्रग्स से हिमाचल के युवा प्रभावित हो रहे हैं। हिमाचल में ड्रग्स की स्थिति इतनी गंभीर है कि अगर जल्द सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो हमारा राज्य पंजाब के उन गांवों जैसा हो जाएगा, जहां अब सिर्फ विधवाएं और औरतें बची हैं।

पहली बार नहीं जब कंगना ने बेतुके बयान दिएः चीमा

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कंगना के बयान को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने कहा, कंगना को पहले बीजेपी शासित राज्यों में सर्वे करना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने बेतुके और बेबुनियाद बयान दिए हैं। चीमा ने सवाल उठाया कि कंगना गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल जैसे बीजेपी शासित राज्यों में नशे की समस्या पर चुप क्यों हैं। उन्होंने दावा किया कि इन राज्यों में पंजाब से ज्यादा नशे की समस्या है।

इम्पेक्ट फीचर

INDIRA IVF
FERTILITY & IVF CENTRE

8867741100
Call for consultation

successcalculator.indiraivf.in
/#/predictor/dashboard

आईवीएफ की सफलता अब आपके हाथ में...

इंदिरा आईवीएफ ने लॉन्च किया अपना पहला 'सक्सेस कैलकुलेटर' टूल

जिसे भरोसे के साथ अंजाम दिया इंदिरा आईवीएफ ने...

वर्ल्ड IVF डे पर इंदिरा आईवीएफ ने एक डिजिटल टूल लॉन्च किया है। यह IVF सक्सेस कैलकुलेटर टूल खासतौर पर उन दंपतियों के लिए तैयार किया गया है जो संतान की योजना बना रहे हैं और आईवीएफ विकल्प पर विचार कर रहे हैं। इच्छुक दंपति अपनी उम्र, हार्मोन स्तर (जैसे AMH), और शुक्राणु संख्या की जानकारी देकर यह जान सकते हैं कि उनके लिए आईवीएफ से सफलता की कितनी संभावना है। साथ ही यह टूल यह संकेत भी देता है कि उन्हें कितने IVF साइकिल्स की आवश्यकता पड़ सकती है। इससे दंपतियों को पहले दिन से ही एक वैज्ञानिक मार्गदर्शन मिलता है, जिससे वे सही समय पर सही निर्णय ले सकते हैं।

आईवीएफ में भ्रूणों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर ग्रेड दिया जाता है ,ग्रेड 1 से 4 तक के ग्रेड होते हैं जिसमें ग्रेड 1 सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला भ्रूण होता है।

आईवीएफ सफलता उम्र के साथ घटती है, लेकिन व्यक्तिगत मेडिकल प्रोफाइल भी उतनी ही अहम होती है।

आईवीएफ में इक्सी, क्लोज्ड वर्किंग चैम्बर, लेजर हेचिंग, ब्लास्टोसिस्ट कल्चर, एम्ब्रियो मॉनिटरिंग और इम्सी जैसे नए आविष्कारों ने इसकी सफलता दर बढ़ा दी है। एआरटी तकनीक आज नि:संतान दम्पतियों के लिए उम्मीद बन गई है।

IVF है भरोसे और समझदारी से भरा–सही जानकारी, सही फैसला।

जब कोई दंपति अपनी प्रजनन यात्रा की शुरुआत करता है, तो उन्हें जरूरत होती है सही जानकारी और आत्मविश्वास की। सक्सेस कैलकुलेटर टूल दंपतियों को यह समझने में मदद करता है कि IVF के माध्यम से उनकी सफलता की संभावनाएं क्या हैं, और उन्हें कितने IVF साइकिल्स की आवश्यकता हो सकती है। इस जानकारी के आधार पर न केवल समय, मेहनत और खर्च की बेहतर योजना बनाई जा सकती है, बल्कि मानसिक रूप से तैयारी करना भी आसान हो जाता है। इंदिरा IVF की यह पहल दंपतियों के सवालों का समाधान करने का एक प्रयास है, ताकि हर दंपति IVF की दिशा में अपना पहला कदम स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ उठा सके।

IVF की सफलता अनुभव और विज्ञान पर आधारित है।

यह टूल विशेष रूप से उन दंपतियों के लिए बनाया गया है जो अपनी प्रजनन यात्रा को लेकर सोच में हैं और शुरुआत से ही एक स्पष्ट दिशा चाहते हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है इसका कस्टमाइज़्ड अप्रोच — यानी यह टूल हर यूजर की उम्र, हार्मोन स्तर और शुक्राणु संख्या जैसी जानकारियों को ध्यान में रखते हुए IVF साइकिल में संभावित सफलता का दर बताता है। यह अनुमान वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित होता है, जो पेशेंट को उनके निर्णयों के लिए मानसिक रूप से तैयार करता है।

तकनीक से IVF का सफर हुआ आसान

IVF का रास्ता अपनाने से पहले सबसे ज़रूरी बात होती है — सही समय पर, सही दिशा में कदम उठाना। इंदिरा IVF का सक्सेस कैलकुलेटर दंपतियों को यही स्पष्टता देता है कि उन्हें कब, कितना और कैसे आगे बढ़ना है। यह टूल उनके प्रोफाइल के अनुसार — जैसे उम्र, हार्मोन स्तर और शुक्राणु संख्या — का वैज्ञानिक विश्लेषण करता है और IVF की सफलता की संभावना बताता है। इससे दंपति मानसिक और आर्थिक रूप से पहले से तैयार हो सकते हैं। जब निर्णय केवल भावनाओं पर नहीं, बल्कि टेस्ट डेटा और मेडिकल अनुभवों पर आधारित होता है, तब इलाज की प्रक्रिया भरोसेमंद लगती है। यही कारण है कि इस टूल के ज़रिए IVF की राह न सिर्फ आसान होती है, बल्कि उसमें आत्मविश्वास, आशा और सही दिशा भी जुड़ जाती है।

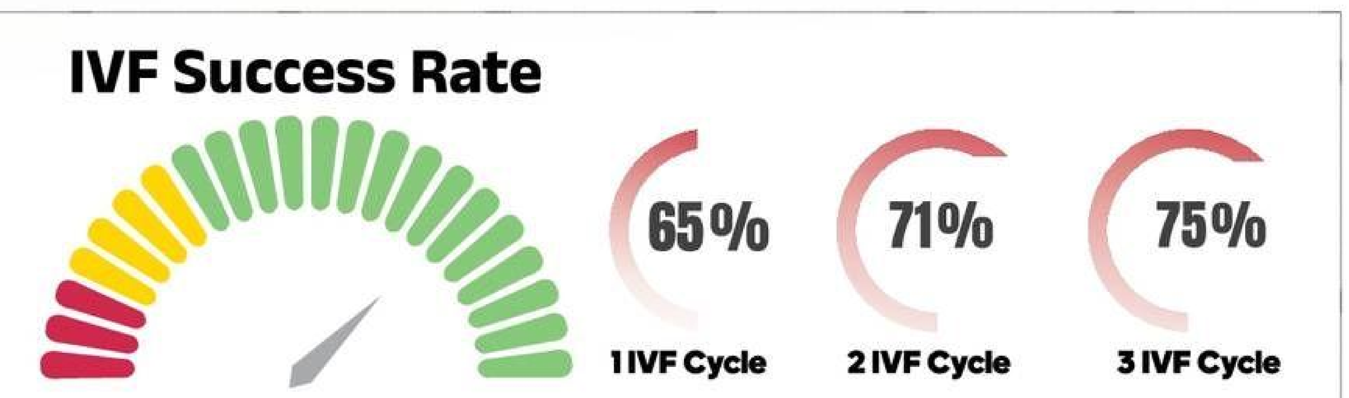

आईवीएफ क्या होता है?

जब प्राकृतिक रूप से गर्भधारण संभव नहीं होता जैसे कि अंडाणु, शुक्राणु, यूट्रस या फैलोपियन ट्यूब में कोई समस्या हो, तब डॉक्टर 'इन विट्रो फर्टिलाइजेशन' यानी आईवीएफ तकनीक का सहारा लेते हैं। इसमें महिला के अंडाणु और पुरुष के शुक्राणु को शरीर के बाहर लैब में मिलाया जाता है और फिर बने भ्रूण को महिला के गर्भ में स्थानांतरित किया जाता है।

आईवीएफ की मदद कब ली जाती है?

अगर लंबे समय तक प्रयासों के बाद भी गर्भधारण नहीं हो रहा हो, या महिला की उम्र अधिक हो, या पहले कई बार मिसकैरेज हो चुके हों, या पुरुष/महिला में से किसी में फर्टिलिटी की समस्या हो, तो ऐसे में आईवीएफ एक असरदार विकल्प होता है।

आईवीएफ की सफलता दर कितनी है?

अनुभवी संस्थानों में आईवीएफ की सफलता दर 70% तक पहुंचती है। हालांकि, यह दर हर व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य और स्थिति पर निर्भर करती है।

आईवीएफ एक चरणबद्ध प्रक्रिया है, जो सामान्यत: 6 से 8 हफ्तों में पूरी होती है।

शुरुआती परामर्श... फर्टिलिटी विशेषज्ञ आपकी मेडिकल हिस्ट्री और स्वास्थ्य का विश्लेषण करते हैं और यह तय करते हैं कि आईवीएफ आपके लिए उपयुक्त है या नहीं। इसी चरण में मनोवैज्ञानिक और शारीरिक रूप से उन्हें तैयार किया जाता है।

ओवेरियन स्टिम्युलेशन... महिला को हार्मोनल इंजेक्शन दिए जाते हैं ताकि एक बार में कई अंडे विकसित हो सकें। इससे भ्रूण बनने की संभावना बढ़ जाती है।

अंडाणु व शुक्राणु एकत्र करना... महिला के अंडों को अल्ट्रासाउंड गाइडेंस से निकाला जाता है और पुरुष से सीमेन सैंपल लिया जाता है। प्रयोगशाला में इनसे सर्वोत्तम शुक्राणु और अंडाणु चुने जाते हैं।

फर्टिलाइजेशन यानी निषेचन... चुने गए अंडाणु और शुक्राणु को विशेष वातावरण में मिलाया जाता है, जिससे भ्रूण (एंब्रियो) बनता है। यह प्रक्रिया अत्यंत सावधानी और प्रयोगशाला विशेषज्ञता के साथ की जाती है।

भ्रूण स्थानांतरण... 3-5 दिन तक भ्रूण को लैब में विकसित किया जाता है। फिर स्वस्थ भ्रूण को महिला के गर्भ में बहुत ही आसान प्रक्रिया द्वारा स्थानांतरित किया जाता है।

गर्भधारण की पुष्टि... भ्रूण स्थानांतरण के 14-15 दिन बाद रक्त परीक्षण या यूरिन टेस्ट के माध्यम से यह जांचा जाता है कि गर्भधारण हुआ है या नहीं। यदि टेस्ट पॉजिटिव आता है, तो गर्भावस्था का सफर एक सामान्य प्रेग्नेंसी की तरह चलता है।

आईवीएफ एक नई उम्मीद... आईवीएफ ने हजारों दंपतियों को संतान का सुख दिया है। यह एक वैज्ञानिक चमत्कार है जो भावनात्मक रूप से टूट चुके परिवारों में फिर से मुस्कान ला सकता है। सही समय, सही विशेषज्ञ और सही सुविधा केंद्र से यह प्रक्रिया आसान और सफल हो सकती है।

सिर्फ एक स्कोर नहीं, पूरी योजना के साथ IVF सक्सेस कैलकुलेटर

जब आप IVF सक्सेस कैलकुलेटर में अपना मेडिकल डेटा भरते हैं, तो इसके बदले में आपको एक डाउनलोड करने योग्य रिपोर्ट मिलती है। यह रिपोर्ट न केवल सफलता की संभावनाएं बताती है, बल्कि कुछ संभावित फर्टिलिटी चिंताओं जैसे PCOS या असामान्य शुक्राणु संरचना (abnormal sperm morphology) की जानकारी भी देती है। यह रिपोर्ट प्रारंभिक उपचार विकल्पों के साथ-साथ सामान्य जीवनशैली से जुड़े सुझाव भी प्रदान करती है.

बिना लंबी रिपोर्ट, दिशा–IVF के पहले कदम पर स्मार्ट शुरुआत

सिर्फ कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ जैसे आपकी उम्र, AMH (एंटी-म्यूलरियन हार्मोन) स्तर, और शुक्राणुओं की संख्या देकर आप IVF की सफलता का एक व्यक्तिगत और वैज्ञानिक अनुमान प्राप्त कर सकते हैं। यह टूल तकनीकी होते हुए भी जटिल नहीं है, बल्कि इसकी भाषा और इंटरफ़ेस दोनों ही सरल बनाए गए हैं, ताकि हर दंपति IVF की संभावना को पहले ही दिन समझ सके और एक सही दिशा में सोच-समझकर निर्णय ले सके।

जब प्राकृतिक गर्भधारण हो असंभव, तब देता है नई राह

हर दंपति का सपना होता है, अपनी संतान को अपनी गोद में लेना। लेकिन जब महिला या पुरुष में कोई जैविक समस्या आ जाती है, जैसे महिला की फैलोपियन ट्यूब बंद हो, बार-बार गर्भपात हो रहा हो, अंडाणु ठीक से विकसित न हो रहे हों तो प्राकृतिक गर्भधारण कठिन हो जाता है। ऐसे में आईवीएफ एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि विश्वसनीय समाधान बनकर सामने आता है। यह उन दंपतियों के लिए आशा की नई किरण लेकर आता है, जो बार-बार की असफलता के बाद भी माता-पिता बनने का सपना नहीं छोड़ते।

संतान प्राप्ति की गरिमामय और सामाजिक प्रक्रिया

आईवीएफ सिर्फ एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि भावनात्मक और मानसिक रूप से थके हुए दंपतियों के लिए एक नई उम्मीद होती है। जब बार-बार गर्भधारण न हो पाने से निराशा गहराने लगती है, तब आईवीएफ एक सहारा बनता है। इलाज के दौरान मनोवैज्ञानिक सलाह, पोषण संबंधी मार्गदर्शन, और लगातार मेडिकल निगरानी इसे और भी भरोसेमंद बनाते हैं। यही कारण है कि आईवीएफ को आज केवल एक इलाज नहीं बल्कि संतान प्राप्ति की सुरक्षित और सम्मानजनक प्रक्रिया माना जाता है।

रिपोर्ट बताएगी कौन-सी चुनौतियाँ आ सकती हैं आपके सामने...

रिपोर्ट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि यह आपके प्रोफाइल में मौजूद कुछ संभावित क्लिनिकल स्थितियों जैसे पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS) या शुक्राणुओं की असामान्य आकृति (Abnormal Sperm Morphology) को हाइलाइट करती है। जब ऐसी जानकारी समय पर उपलब्ध हो जाती है, तो न केवल उपचार की दिशा तय होती है, बल्कि आपको अपने परिणामों को बेहतर बनाने के लिए जीवनशैली से जुड़ी स्वस्थ आदतों जैसे आहार में सुधार, नियमित व्यायाम आदि के लिए भी सलाह मिलती है।

इंदिरा आईवीएफ का सक्सेस कैलकुलेटर, हर सवाल का स्मार्ट जवाब

अगर आप आईवीएफ के बारे में सोच रहे हैं, तो सही समय, सफलता की संभावना और सही दिशा जानना बहुत जरूरी होता है। इंदिरा आईवीएफ का आईवीएफ सक्सेस कैलकुलेटर इन्हीं सवालों का आसान, वैज्ञानिक और भरोसेमंद जवाब देता है – वो भी बिल्कुल मुफ्त और पूरी तरह ऑनलाइन। यह टूल वास्तविक पेशेन्ट्स के डेटा और क्लीनिकल अनुभव पर आधारित है, जिससे आपको मिलता है व्यक्तिगत रिज़ल्ट, जो आपकी उम्र, AMH स्तर और मेडिकल प्रोफाइल के अनुसार तैयार होता है। इसका इंटरफेस बेहद सरल है और इसमें आसान मार्गदर्शन शामिल है, जिससे बिना किसी मेडिकल बैकग्राउंड के भी आप अपनी आईवीएफ संभावना को आसानी से समझ सकते हैं। सबसे बड़ी बात – आपका डेटा पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रहता है, जिसका उपयोग केवल आपके विश्लेषण के लिए किया जाता है। यह टूल तुरंत परिणाम देता है, ताकि आपको इंतज़ार न करना पड़े।

हमारा IVF सक्सेस कैलकुलेटर एक ऐसा टूल है जो आपके द्वारा दी गई मेडिकल जानकारी के आधार पर अनुमान प्रस्तुत करता है। यह टूल IVF यात्रा की शुरुआत में अक्सर महसूस होने वाली अस्पष्टता और उलझन को दूर करने में मदद करता है, स्पष्ट दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करता है। जब IVF की यात्रा शुरू होती है, तब हर कदम नया और संकोच से भरा लग सकता है, लेकिन यह कैलकुलेटर आपके मेडिकल प्रोफ़ाइल के आधार पर एक संवेदनशील और वैज्ञानिक रूप से दिशा दिखाता है, जिससे आप अपने निर्णयों में विश्वास और स्पष्टता महसूस करते हैं।

-डॉ. क्षितिज मुर्डिया
CEO एंड होल टाइम डायरेक्टर
इंदिरा आईवीएफ

यह टूल व्यक्ति के व्यक्तिगत डेटा जैसे उम्र और AMH स्तर का विश्लेषण करता है, जिसके आधार पर दंपतियों को उनके IVF सफलता दर का एक तार्किक और वास्तविक अनुमान प्रस्तुत किया जाता है। जब IVF की यात्रा शुरू होती है, तब हर कदम नया, अनजाना और कभी-कभी संकोच से भरा लग सकता है। ऐसे समय में यह कैलकुलेटर एक संवेदनशील और वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया मार्गदर्शक बनकर सामने आता है, जो आपके मेडिकल प्रोफाइल के आधार पर आपको एक स्पष्ट दिशा दिखाता है।

-डॉ. सोनल दुबे, सेंटर क्लिनिकल डायरेक्टर एवं सेंटर हेड, इंदिरा आईवीएफ, रायपुर

वर्ल्ड IVF डे के अवसर पर, इंदिरा IVF को 'IVF सक्सेस कैलकुलेटर' लॉन्च करने की खुशी है — एक ऐसा टूल जो मरीजों को उनकी फर्टिलिटी यात्रा में बेहतर और जानकारी से भरपूर निर्णय लेने में मदद करता है।

- डॉ. तनु बत्रा,
कंसलटेंट, गायनेकोलॉजिस्ट,
जोनल क्लीनिकल डायरेक्टर,
Indira IVF, जयपुर

IVF सक्सेस कैलकुलेटर एक ऐसा टूल है जो व्यक्ति के डेटा जैसे उम्र, लंबाई, AMH स्तर, शुक्राणु संख्या और गतिशीलता के आधार पर व्यक्तिगत अनुमान प्रस्तुत करता है। यह मरीजों को अपनी संभावनाओं को समझने में मदद करता है और उन्हें सोच-समझकर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता है।

-डॉ. मंजू परमार,
क्लस्टर क्लिनिकल डायरेक्टर एवं सेंटर हेड,
इंदिरा आईवीएफ, उज्जैन

दैनिक भास्कर
जीतो सोना चांदी
अखबार शुरु करवाने के लिए
9292 91 9292
पर मिस्ड कॉल दें।
दैनिक भास्कर
सच्ची बात, बेधड़क

मौसमवाणी • दो जिलों में 13 मिमी बारिश, आज से 31 जुलाई तक फिर बारिश के आसार

हिमाचल में आपदा से ₹1439 करोड़ का नुकसान, 221 सड़कें बंद अब भी बंद

भास्कर न्यूज | शिमला

प्रदेश में शुक्रवार को मंडी और शिमला में बारिश हुई जबकि शेष जिलों में मौसम साफ रहा। शिमला में 8, मंडी में 24, कुफरी में 10 और नारकंडा में 13 एमएम बारिश हुई है। इस तरह देखा जाए तो प्रदेश में 2.3 मिमी बारिश हुई जो सामान्य से 73 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में जगह-जगह भूस्खलन की वजह से सड़कों की बहाली का काम प्रभावित हो रहा है। एनएच-70 सहित सूबे की 221 सड़कें वाहनों की आवाजाही के लिए बंद है। इसमें मंडी जिला में सबसे ज्यादा 144, कुल्लू में 48, कांगड़ा में 11, सिरमौर और ऊना में 3-3 और लाहौल स्पीति में 6 सड़कें बंद है। इधर राज्य के कई भागों में बारिश का दौर लगातार जारी है। शिमला में शुक्रवार दोपहर बाद बादल जमकर बारिश हुई। प्रदेश में कुछ दिन मानसून कमजोर रहने के बाद शनिवार से फिर एक्टिव हो रहा है जो 31 जुलाई तक एक्टिव रहेगा। मानसून सीजन में 20 जून से 25 जुलाई तक 1436 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। इस दौरान अलग-अलग हादसों में 153 लोगों की मौत हुई है, 252 लोग घायल हुए हैं। 34 लोग अभी भी लापता हैं।

कोलडैम से पानी छोड़ने पर सतलुज का जलस्तर बढ़ा

कोलडैम से पानी छोड़ने की फोटो।

एनटीपीसी ने शुक्रवार दोपहर 12:30 बजे कोल डैम से प्रति मिनट लगभग 1600 घन मीटर पानी छोड़ा गया, जिससे नदी का जलस्तर करीब 4 मीटर बढ़ गया। जलस्तर पहले 505 मीटर था, जो बढ़कर 509 मीटर तक पहुंच गया है। बोर्ड प्रबंधन के अनुसार, शाम 8 बजे भी 1600 घन मीटर पानी छोड़े जाने की संभावना है, जिससे नदी का जलस्तर और 4 मीटर तक बढ़ सकता है। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। आपदा प्रबंधन दल अलर्ट मोड में हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। कोल-डैम से निकलने के बाद सतलुज का पानी पंजाब के रोपड़ (रूपनगर) में प्रवेश करता है। यहां बता दे कि सतलुज नदी पंजाब में पश्चिम दिशा की ओर बहती हुई, लुधियाना जिले से होकर गुजरती है। इसके बाद, ब्यास नदी मे मिलती है। प्रदेश में बारिश के कारण इअन्य नदियों का जल स्तर बढ़ने लगा है। मंडी में ब्यास की सहायक सुकैती खड्ड में भी पानी का स्तर बढ़ गया है।

कहां कितना तापमान

जिला	अधि.	न्यून.
शिमला	25.4°	17.6°
सुंदरनगर	34.6°	22.8°
भुंतर	35.0°	22.6°
कल्पा	24.4°	13.6°
ऊना	36.0°	22.6°
सोलन	32.0°	20.4°
मनाली	28.9°	18.1°
मंडी	33.7°	24.2°
बिलासपुर	35.9°	24.3°

डीसी मंडी ने किया सिराज क्षेत्र का दौरा

वहीं मंडी के सिराज और अन्य क्षेत्रों में बचाव व राहत के कार्य जारी हैं। डीसी मंडी अपूर्व देवगन ने पैदल चलकर प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

दादा ने 8 वर्षीय पोती से की दुष्कर्म की कोशिश, अरेस्ट

श्री माछीवाड़ा साहिब|माछीवाड़ा थाना के अंतर्गत एक गांव में रिश्ते उस समय तार-तार हो गए जब एक दादा को 8 वर्षीय मासूम बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। गरीब परिवार की 8 वर्षीय बच्ची को रिश्ते में दादा लगने वाला एक व्यक्ति हवस मिटाने के लिए गांव के खंडहरों में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। जब वहां सैर करने आए चाचा के दोस्त ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो वह उक्त व्यक्ति को बच्ची के साथ अश्लील हरकतें करते देख दंग रह गया और उसने परिवार वालों से कपड़े मंगवाकर बच्ची को पहनाए। डीएसपी समराला तरलोचन सिंह ने बताया कि देर रात यह मामला उनके ध्यान में आया, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

हजारों एकड़ जमीन पर हुए जलभराव से राहत दिलवाने की तैयारी

नूंह | गांव रीठठ, मरोड़ा और उमरा की हजारों एकड़ जमीन पर हुए जलभराव के कारण इन गांवों के हालात खराब हो रहे हैं। जलभराव की स्थिति का एसडीएम ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों की टीम के साथ जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को जलनिकासी के लिए उपयुक्त बंदोबस्त करने के निर्देश दिए। फिरोजपुर झिरका के एसडीएम लक्ष्मीनारायण सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ गांव रीठठ, मरोड़ा और उमरा पहुंचे। उन्होंने स्थानीय किसानों से जलभराव के बारे में बातचीत की और इनके सामने पेश आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से जलनिकासी को लेकर शीघ्र योजनागत तरीके से काम करने के निर्देश दिए।

निकाह के लिए घर से निकले दुल्हे पर हमला, हमलावरों ने पैर तोड़े

नूंह| मोहदपुर तेड़ गांव के पास बोलेरो सवार होकर आए हथियारबंद हमलावरों ने दूल्हे की गाड़ी रोककर उसे बुरी तरह से पीट दिया। हमले में दूल्हे व उसका बचाव करने आए तीन लोगों को गंभीर चोट लगी है। हमला दूल्हा बने युवक की पहली बेगम के परिजनों द्वारा दूसरा निकाह करने से नाराज होकर किया गया बताया जाता है। पिनगवां थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। डाडोला गांव के रहने वाले अदीम अहमद का शुक्रवार को निकाह पढ़ा जाना था। वह बारात ले वरना कार में सवार हो वह कैराका सुड़ाका गांव की ओर जा रहा था। दोपहर के समय जब अदीम शिकरावा गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तो अचानक पीछे से आई बोलेरो ने उसकी गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया। बोलेरो से आधा दर्जन से अधिक लोग हाथों में लाठी-डंडे व दूसरे हथियारों के साथ उतरे और दूल्हे को कार से खींचकर बाहर निकाल लिया। हमलावरों लाठी डंडों से उसके ऊपर टूट पड़े और नीचे गिराकर बुरी तरह मारा।

रोपड़ में छिपकर बैठे बंबीहा गैंग के तीन शूटर मुठभेड़ में गिरफ्तार

भास्कर न्यूज|रोपड़

वीरवार देर रात 1:30 बजे रोपड़ पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान बंबीहा गैंग से जुड़े तीन शूटरों को काबू कर लिया। इस दौरान एक शूटर टांग में गोली लगने से घायल हो गया और वह पीजीआई में उपचाराधीन है। तीनों शूटरों की पहचान गुरविंदर सिंह उर्फ भोला निवासी गांव चंनणके (अमृतसर), नवतेज सिंह तेजी निवासी जब्बोवाल(अमृतसर), गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी गांव सरां जिला अमृतसर के रूप में हुई। इनमें से गुरविंदर सिंह उर्फ भोला की दाईं टांग में गोली लगी है। गोली लगते ही उसे सिविल अस्पताल रोपड़ ले जाया गया, जहां से उसे पीजीआई रेफर किया गया। तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 109 और आर्म्स एक्ट के तहत नूरपुरबेदी थाने में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी गुरविंदर सिंह से एक 9 एमएम पिस्टल, समेत मैगजीन, एक कारतूस और 3 खोल बरामद किए गए।

एसएसपी गुलनीत सिंह खुराना ने बताया कि सीआईए इंचार्ज मनफूल सिंह, एसएचओ नूरपुरबेदी सुनील कुमार को जानकारी मिली थी कि रोपड़ से नूरपुरबेदी जाने वाले रास्ते पर गांव भिंडरनगर में एक खंडहर इमारत में कुछ लोग छिपे हुए हैं। जब देर रात 1:30 बजे पुलिस मुलाजिम मौके पर पहुंचे तो उन पर तीन राउंड फायरिंग की गई। इसके जवाब में पुलिस ने सात राउंड फायरिंग की।

MOINUL HAQ STADIUM / INTERNATIONAL CRICKET COMPLEX BIHAR

NOTICE INVITING TO TENDER (NIT)

Redevelopment of New Moinul Haq Stadium at Patna, Bihar and maintenance during Defect Liability Period on Engineering, Procurement and Construction (EPC) basis.

Bihar Cricket Association invites tender from reputed entity having similar nature of work experience for Redevelopment of New Moinul Haq Stadium, Rajendra Nagar, premises at Patna in Bihar on EPC basis.

Interested Entities may visit our website **https://biharcricketassociation.com** / in "Tender" section for detailed information.

Date of Pre Bid Meeting: 30.07.2025 at 11:00 hrs at **BCA office 45/C, Patliputra Colony, Sahyog Hospital Lane, Patna-800013** & through online as notified by communication. Quarries/ Clarification may be submitted by **28.07.2025 at 14:00 hrs**

Time/ Date of Submitting Technical Tender: 11th August, 2025 latest by 15:00 hrs. (IST). bca@biharcricketassociation.com

Time/ Date of submitting Hard Copy: 14th August, 2025 latest by 14:00 hrs office of **Bihar Cricket Association, 45/C, Patliputra Colony, Sahyog Hospital Lane, Patna-800013**. Technical Bid & Sealed Envelope containing Financial Bid along with a Tender Document Fees of **Rs. 1,47,500/** (Including GST) in mode of DD in favour of **Bihar Cricket Association** payable at **Patna**. In case of any enquiry-contact **bca@biharcricketassociation.com** and/ or Neeraj Singh, Sr. G.M., Admin cell no.-**7766003399**

The Management of Bihar Cricket Association reserves the right of accepting or rejecting all the entity without assigning any clarification.

(फीचर इम्पैक्ट)

कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी का नया कदम

कानून का क्षेत्र केवल न्याय प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आज यह कॉर्पोरेट, बैंकिंग, मानवाधिकार और बौद्धिक संपदा जैसे अनेक क्षेत्रों में करियर की संभावनाएं प्रदान करता है। इन उभरती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी (OSGU), हिसार पिछले कई वर्षों से आधुनिक और उद्योगोन्मुख विधि कार्यक्रम संचालित कर रही है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण से भी सशक्त बनाना है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी अनुभवः

ओएसजीयू का विधि विभाग छात्रों को वास्तविक कानूनी अनुभव प्रदान करने के लिए नियमित रूप से **अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस और मूट कोर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।** इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को रियल-लाइफ एडवोकेसी ट्रेनिंग मिलती है, जिससे वे कोर्टरूम प्रक्रियाओं, विधिक तर्क-वितर्क और अनुसंधान कौशल में दक्ष बनते हैं। इसके साथ ही, **ओएसजीयू ज्यूडिशियरी कोचिंग और विशेषज्ञों द्वारा आयोजित लेक्चर भी उपलब्ध कराता है,** जिससे छात्र प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार हो सकें।

ओएसजीयू के प्रमुख विधि कार्यक्रम

- **LL.B (Professional)**

अवधि : 3 वर्ष, **पात्रता** : किसी भी विषय में स्नातक

- **B.A. LL.B (Hons.) / BBA. LL.B (Hons.)**

अवधि : 5 वर्ष, **पात्रता** : 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण

- **LL.M (विशेषज्ञताएँ)**

क्रिमिनल लॉ, ह्यूमन राइट्स, IPR, कॉन्स्टिट्यूशनल एवं एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ, कॉर्पोरेट एवं फाइनेंस लॉ, लेबर एवं इंडस्ट्रियल लॉ

अवधि : 2 वर्ष, **पात्रता** : LL.B, BA LLB

करियर अवसरः

इन कार्यक्रमों के बाद छात्र न्यायपालिका, कॉर्पोरेट सेक्टर, सरकारी विभाग, लॉ फर्म्स और एनजीओ में कार्य कर सकते हैं। प्रमुख करियर विकल्पों में एडवोकेट, लीगल एडवाइजर, कॉर्पोरेट लॉ ऑफिसर, ज्यूडिशियल सर्विसेज और लीगल एनालिस्ट शामिल हैं।

ओएसजीयू उद्योगोन्मुख शिक्षा और उत्कृष्ट प्लेसमेंट सहायता प्रदान करता है। आधुनिक सुविधाओं और कौशल-आधारित प्रशिक्षण के साथ, यह विधि शिक्षा में एक भरोसेमंद नाम बन चुका है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: 8607899999,
www.osgu.ac.in

■ B.Tech.Fire Safety
CSE - AI, Cyber Security, Electrical, Mech., Civil, ECE, P&P
■ Pharm.D ■ B.Pharma ■ D.Pharma
■ B.Sc./M.Sc. Yoga & Naturopathy
■ MPT ■ BFA/MFA
■ BA LLB/LLB/LLM
■ B.Plan/M.Plan
■ B.Sc./M.Sc. Forensic Sciences
■ B.Sc./M.Sc. Hotel Management
■ B.Sc./M.Sc. Paramedical
MLT, OPTOMETRY, OT & AT, Radiology & Imaging Tech.
■ B.Sc/ M.Sc. Agriculture
■ M.Pharma
(Pharmaceutical Chemistry, Industrial Pharmacy, Pharmaceutical Quality Assurance, Regulatory Affairs, Pharmaceutical Analysis Pharmaceutics)
RCI COLLEGE CODE HR 056
Special Education
■ B.Ed. (HI/VI/ID/LD/MD)
■ B.Sc. Hons
Clinical Psychology
■ B.A. B.Ed. Special Education
(ID-Middle Stage)
■ B.Ed. M.Ed.
Special Education (ID, SLD)
Upto 100% Scholarship Available
Hostel Facility For Boys
OSGU
OM STERLING GLOBAL UNIVERSITY
(Approved by UGC As per Section 2F of UGC Act - 1956)
NH-52, Hisar-Chandigarh Road, Hisar-125001
Website : www.osgu.ac.in
Contact No. 86078-99999, 82550-99999
FOLLOW US AT : YouTube f in

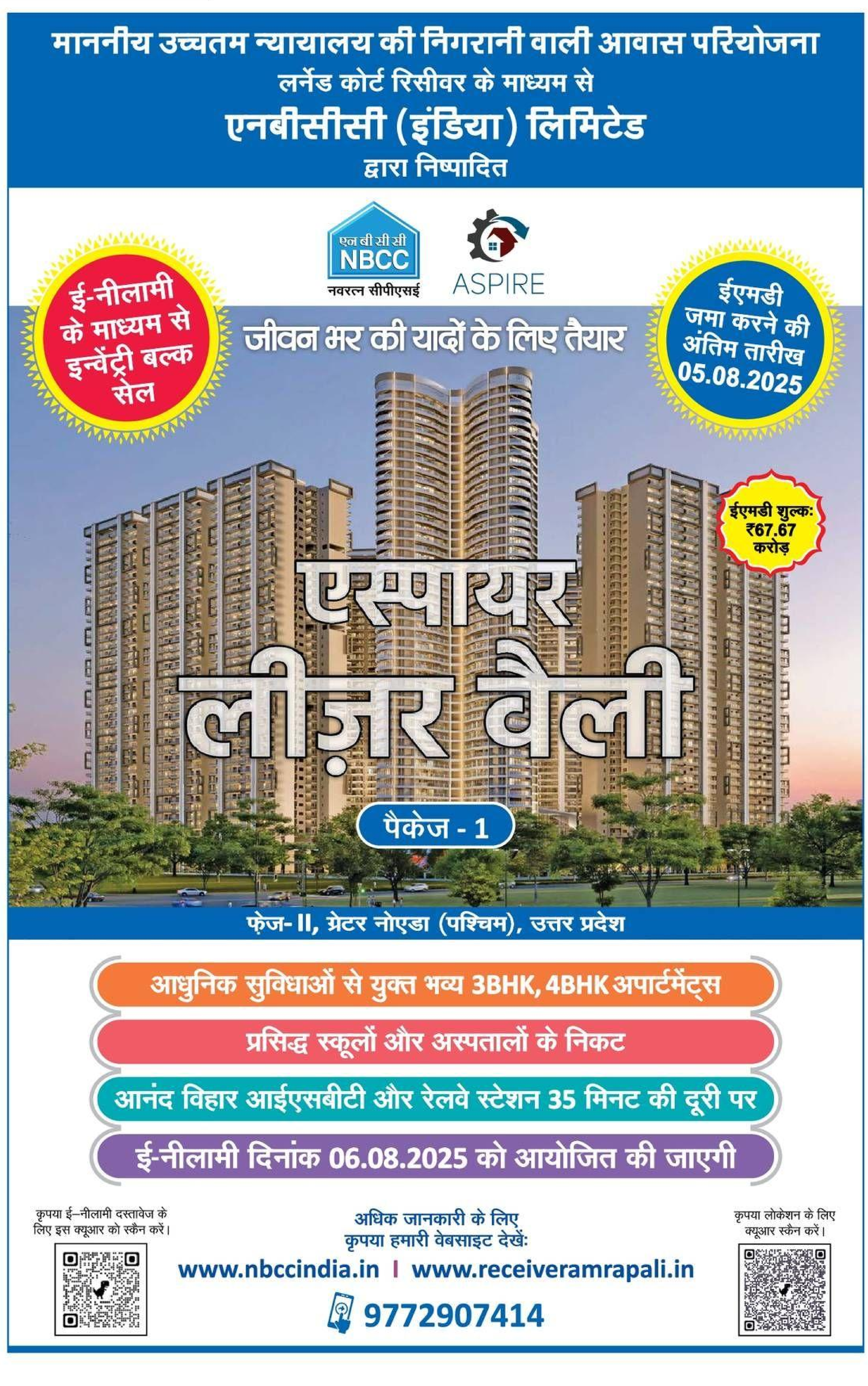

सीईटी परीक्षा • परीक्षार्थियों को लेकर की गई हैं व्यापक तैयारियां, प्रशासन सतर्क

अभ्यर्थियों के ठहरने के लिए 18 धर्मशालाएं आरक्षित, लगभग 470 शटल बसें लगाई गई

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद/पलवल

जिले में 26 व 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा होगी। इसके लिए 163 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सीईटी में 1.68 लाख परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा चार शिफ्ट में होगी। प्रत्येक में करीब 42 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। इस हिसाब से लगभग 1 लाख 68 हजार परीक्षार्थी सीईटी में शामिल होंगे। सबसे अधिक परीक्षार्थी झज्जर जिले से आएंगे। इसके साथ ही पलवल, नूंह, रोहतक और गुरुग्राम सहित अन्य राज्यों से भी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। डीसी विक्रम सिंह के अनुसार परीक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं।

डीसी के अनुसार अभ्यर्थियों को निशुल्क बस सर्विस मिलेगी। बाहरी जिलों से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए लगभग 470 शटल बसें लगाई गई हैं। अभ्यर्थियों के ठहरने के लिए 18 धर्मशालाएं आरक्षित की गई हैं। उन्होंने कहा अगर कोई बाहरी जिले से आने वाला परीक्षार्थी आता है तो उसके लिए फ्री बस सुविधा है। केवल उसे अपना एडमिट कार्ड दिखाना होगा। शहर के प्रमुख स्थानों से परीक्षा केंद्रों तक परीक्षार्थियों को पहुंचाने के लिए शटल बस सेवा चलेगी। पांच क्षेत्रों में पिकअप प्वाइंट्स निर्धारित किए गए हैं। जहां से परीक्षार्थी बस के माध्यम से अपने परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकेंगे। यह व्यवस्था विशेष रूप से बाहरी जिलों से आने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए की गई है। इन पिकअप प्वॉइंट्स से लगभग 470 शटल बसों की व्यवस्था की गई है, जो परीक्षार्थियों को समय पर उनके केंद्रों तक पहुंचाएंगी।

उन्होंने कहा ट्रैफिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी है। डीसी ने लोगों से आह्वान किया कि परीक्षा के दौरान यदि जरूरी कार्य न हो तो वे अपने घरों में ही रहें। अनावश्यक सड़कों पर न निकलें। परीक्षा के दौरान केन्द्रों के 500 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू रहेगी। 500 मीटर की परिधि में सभी फोटोकॉपी की दुकान, वाईफाई इंटरनेट हॉटस्पॉट, परिवहन से संबंधित यातायात भी बंद रहेगा। केवल अभ्यर्थियों व ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को ही प्रवेश की अनुमति रहेगी।

परीक्षा की दोनों शिफ्टों का यह टाइम रहेगा

फरीदाबाद. डीसी विक्रम सिंह शटल बस पिकअप प्वॉइंट्स का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लेते हुए।

26 व 27 जुलाई को दो शिफ्ट में परीक्षा होगी। सुबह 10 बजे से 11.45 की शिफ्ट निर्धारित की गई है। जबकि दोपहर की शिफ्ट 3.15 से शाम 5 बजे की है। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए सुबह की शिफ्ट के लिए 7.30 से 9.15 बजे तथा दोपहर की शिफ्ट के लिए 12.45 से 2.30 बजे का समय निर्धारित है। निर्धारित समय के बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 0129-2290010 और ट्रैफिक हेल्पलाइन 0129- 222 5999 जारी किया है।

सीईटी की परीक्षा के दौरान क्या करें

सीईटी परीक्षा के सफल, पारदर्शी एवं नकल रहित आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए परीक्षार्थियों को कुछ महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन करना जरूरी है। परीक्षार्थी प्रवेश पत्र लेकर आएं। साथ ही एक मूल फोटो पहचान पत्र जैसे कि ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर कार्ड, आधार कार्ड या पासपोर्ट लाना आवश्यक है। फोटोकॉपी या डिजिटल आईडी मान्य नहीं होगी।

परीक्षा के दौरान अपने साथ क्या न लाए

परीक्षार्थियों को मोबाइल फोन, सभी प्रकार की घड़ियां, बेल्ट, पेन-पेंसिल, रबर, शार्पनर, व्हाइटनर, स्याही द्रव, किसी भी प्रकार के आभूषण जैसे अंगूठी, चेन, झुमके, नाक की पिन, चूड़ियां, कड़ा आदि न लाएं। किसी भी इलेक्ट्रॉनिक या संचार उपकरण को साथ लाने की अनुमति नहीं है।

सीईटी के लिए पलवल में 32 केंद्र बनाए गए

पलवल में सीईटी के लिए 32 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यहां फरीदाबाद जिले से 21930 एवं नूंह जिले से 11978 परीक्षार्थी परीक्षा देने आएंगे। डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों के ठहरने के लिए प्रबंध किए गए हैं। इनके लिए ब्राह्मण धर्मशाला पलवल, पंजाबी धर्मशाला पलवल, जाट धर्मशाला पलवल, बघेल धर्मशाला पलवल और अग्रवाल धर्मशाला होडल में ठहरने की व्यवस्था की गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री के आदेश पर डीसी ने विधायक के साथ दौरा कर देखी हकीकत

विधायक ने टूटी सड़कें व जलभराव डीसी को दिखाया, समाधान का दिया निर्देश

भास्कर न्यूज | पलवल

ग्रीवांस कमेटी की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष पृथला से कांग्रेस विधायक ने क्षेत्र में टूटी सड़कें व जलभराव को लेकर शिकायत की थी। इस पर डीसी उनकी शिकायत को मानने को तैयार नहीं थे तो विधायक ने गुस्से में कहा था कि मौके पर कोई जाता नहीं, जाकर देखो तो पता चलेगा। इस पर मंत्री आरती सिंह राव ने डीसी को मौके पर जाकर विधायक के साथ दौरा करने का निर्देश दिया था। शुक्रवार को डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ संबंधित अधिकारियों को साथ लेकर पृथला क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे।

डीसी के साथ विधायक रघुवीर सिंह तेवतिया भी थे। विधायक ने डीसी को टूटी सड़कें, सड़कों पर जलभराव दिखाया। इसके बाद डीसी ने पानी निकासी, अवैध कब्जे हटवाने के साथ सफाई व्यवस्था को लेकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने जलभराव को दूर करने और जोहड़ से अवैध कब्जा हटवाने के लिए तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए। डीसी ने पृथला-दुधौला रोड, दुधौला से नगला भीकू, नगला भीकू से भुर्जा तथा नया गांव की सड़क का निरीक्षण कर जायजा लिया। इसके बाद सड़कों पर जलभराव समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पृथला क्षेत्र में जिन सड़कों पर पेंचवर्क की आवश्यकता है उन्हें जल्द दुरुस्त कराया जाए। इसके अलावा जिन सड़कों को नया बनाया जाना है उनके टेंडर करवाकर जल्द बनवाया जाए। उन्होंने गांवों के जोहड़ों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अवैध कब्जे हटाने के साथ ही साफ-सफाई दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा गांवों में गंदे पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण कराया जाए। दौरे के दौरान एसडीएम ज्योति, डीडीपीओ उपमा अरोड़ा, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता रितेश यादव सहित अन्य अधिकारी थे।

पलवल. पृथला विधानसभा के नंगला भीकू गांव में टूटी सड़क को डीसी को दिखाते विधायक।

चेक चोरी कर कंपनी के खाते से 20.57 लाख निकालने वाले 3 अरेस्ट

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

चेक चोरी कर कंपनी के खाते से 20.57 लाख रुपए निकालने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को इनसे छह लाख रुपए व चार चेक बरामद हुए हैं। पांच दिन के पुलिस रिमांड के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार इस मामले में कंपनी के निदेशक हरविन सिंह ने सेक्टर-31 थाने में शिकायत दी। उनका आरोप था कि उनकी कंपनी के किसी कर्मचारी ने कंपनी के चेक चुराकर उन पर फर्जी हस्ताक्षर कर खाते से 20.57 लाख रुपए रुपए निकाल लिए। इस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। इसके बाद सीआईए सेक्टर-30 की टीम ने सोनीपत निवासी आरोपी साहिल सरोहा, पलवल निवासी मोहित सौरोत व विनय को गिरफ्तार कर लिया।

तीज का शगुन देने जा रहे सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर की वाहन की टक्कर से मौत

भास्कर न्यूज | पलवल

सावन में बहन को तीज पर्व का शगुन देने जा रहे जीआरपी से सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर की पलवल-सोहना मार्ग पर मेघपुर गांव के निकट वाहन की टक्कर से मौत हो गई। शहर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी प्रकाशचंद के अनुसार सल्लागढ़ पलवल निवासी श्रीचंद ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनके 63 वर्षीय भाई जीआरपी से सेवानिवृत सब इंस्पेक्टर दुलीचंद तावडू में बहन को तीज पर्व का शगुन देने बाइक से जा रहे थे।

होटल के कमरे में मृत मिली युवती, साथी फरार, पुलिस कर रही तलाश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

सेक्टर-31 थाने के तहत आईपी कालोनी स्थित एक होटल के कमरे में शुक्रवार दोपहर 32 वर्षीय युवती का शव मिला। होटल कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवा दिया। साथ ही घटना की जानकारी मृतका के परिजनों को दी। शव का पोस्टमार्टम शनिवार को होगा। युवती के साथ कमरे में ठहरा युवक फरार है। आशंका है युवती की हत्या की गई है, क्योंकि उसका साथी फरार है। इसलिए पुलिस का शक उसी पर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बदरपुर के मोहन बाबा नगर में रहने वाली शिल्पा गुरुवार शाम आईपी कालोनी की एक बिल्डिंग में चल रहे होटल में युवक के साथ आई थी। दोनों ने यहां एक कमरा बुक कराया। शुक्रवार दोपहर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो होटल कर्मियों ने जैसे-तैसे दरवाजा खोला। अंदर देखा तो बेड पर युवती मृत पड़ी थी। उसके साथ ठहरा युवक कमरे में नहीं था। पुलिस के अनुसार युवती के शरीर पर चोट के निशान नहीं है। पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा कि उसकी हत्या किस तरह की गई है।

माइनिंग कंपनी के कर्मचारी पर फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पलवल | यमुना नदी से अवैध रेत खनन करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने पर माइनिंग कंपनी के कर्मचारी पर फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को सीआईए ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान बंटी सरपंच के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी दीपक गुलिया ने बताया कि घोड़ी गांव निवासी देवी सिंह ने चांदहट थाने में दी शिकायत में कहा था कि वह एमएम ट्रेडर्स माइनिंग कंपनी में नौकरी करते हैं। रात करीब ढाई बजे स्टाफ के साथ घोड़ी गांव के बस अड्डे पर अवैध रेत से लदे ट्रक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। यह ट्रक गुरुवाड़ी से पलवल जा रहा था।

नगर निगम अधिकारियों की बैठक में राज्यमंत्री ने दिए निर्देश

निगम में शामिल 24 गांवों में सामुदायिक भवन बनाए जाएं, कालोनियों में स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएं

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

फरीदाबाद. नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक करते राज्यमंत्री राजेश नागर।

हरियाणा सरकार के खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर ने शुक्रवार को तिगांव विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर निगमाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर-88 में एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जाए, जिससे युवा व बुजुर्गों को उसका लाभ मिल सके। इसके अलावा पल्ला व सेहतपुर से लगते एरिया की सभी टूटी सड़कों को नए सिरे से बनाया जाए। जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि निगम में शामिल सभी 24 गांवों में सामुदायिक भवनों का निर्माण कराया जाए। साथ ही कालोनियों में स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएं। इस दौरान उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि उनके क्षेत्र में अनेक विकास कार्य चल रहे हैं लेकिन अधिकारियों व ठेकेदारों की लापरवाही से ये समय पर पूरे नहीं हो रहे। ऐसे में यह लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उ

वर्क फ्राम होम का ऑफर देकर ठगी के मामले में दो आरोपी तीन दिन रिमांड पर

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

पुलिस ने ठगी के मामले में खाता उपलब्ध कराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। साइबर थाना सेंट्रल में भारत कालोनी निवासी व्यक्ति ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि मई में उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें वर्क फ्राम होम का ऑफर दिया गया। इसके बाद उन्हें लिंक के जरिए टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया। इसके बाद ठगों ने उ 110600 रुपए अपने खाते में डलवा लिए। इसके बाद पैसे निकालने चाहे तो नहीं मिले। इसके बाद उन्होंने थाने में केस दर्ज कराया।

डीटीपी ने पुलिस बल की मौजदगी में तीन अवैध कालोनियों पर चलाया पीला पंजा

गुरुग्राम | डीटीपी अमित मधोलिया ने शुक्रवार को सेक्टर-10ए थाना क्षेत्र में अवैध रूप से काटी गई तीन कालोनियों में पीला पंजा चलाया। इस दौरान पुलिस बल की मौजूदगी में कई घंटे तक कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन मकानों को ध्वस्त कर दिया। डीटीपी के अनुसार गांव हयातपुर में डेढ़ एकड़ में अवैध कालोनी काटी गई थी, जिसमें दो निर्माणाधीन बेसमेंट, तीन स्ट्रक्चर ढहाए गए। इसके अलावा साढ़राणा गांव में चार एकड़ में काटी गई अवैध कालोनी में दो निर्माणाधीन स्ट्रक्चर, चार डीपीसी को ध्वस्त किया गया। इसके अलावा गोपालपुर गांव के नजदीक पांच एकड़ में काटी गई अवैध कालोनी में कार्रवाई करते हुए तीन निर्माण ढहाए गए।

अवैध मादक पदार्थ मुहैया कराने का आरोपी धरा, पुलिस ने रिमांड पर लिया

गुरुग्राम | सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थ पॉपी हस्क (डोडा पोस्त) मुहैया कराने के एक आरोपी को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। दरअसल, सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच ने गुरुग्राम के सुभाष चौक से दो यवुकों को अवैध पॉपी हस्क सहित काबू किया था। जिनकी पहचान पलवल के मुहम्मद मुंफेद व नूंह के जाहिद के रूप में हुई थी। पुलिस ने आरोपियों से 160 ग्राम अवैध पॉपी हस्क बरामद कर उनके खिलाफ सदर थाना पुलिस में एनडीपीएस अधिनियम की सम्बन्धित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया। जिसके बाद सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच ने दोनों आरोपियों को अवैध पॉपी हस्क मुहैया कराने वाले आरोपी को राजस्थान के उदयपुर से काबू कर लिया।

फर्जी ऐप के जरिए आईपीओ में इन्वेस्ट करा ठगी करने वाले चार गिरफ्तार

गुरुग्राम | साइबर क्राइम वेस्ट थाना एरिया में फर्जी ऐप के जरिए आईपीओ में इन्वेस्ट करके अच्छा मुनाफा कमाने का प्रलोभन देकर ठगी करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।साइबर क्राइम वेस्ट थाना पुलिस में एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि जालसाजों ने उसके साथ फर्जी ऐप के जरिए कंपनियों के आईपीओ में इन्वेस्टमेंट का प्रलोभन देकर बैंक खाते से रुपए ट्रांसफर करवाकर ठगी कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। मामले में एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान के निर्देशन में साइबर क्राइम वेस्ट थाना प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप कुमार की टीम ने चार आरोपियों को राजस्थान व पंजाब से काबू कर लिया।

एक सोसायटी में सिपाही ने सैनिक की पत्नी की गला घोंटकर की हत्या

सोहना | सोहना एरिया की एक सोसाइटी में सिपाही द्वारा महिला की गला घोंटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। महिला का पति फौज में था, दो साल पहले उसकी मौत होने के बाद महिला अपने ननदोई सिपाही के साथ रह रही थी। सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव परिजनों को सौंप दिया। राजस्थान के झुंझनू निवासी संगीता सोहना में बनी स्पोर्ट्स विला सोसाइटी के फ्लैट नम्बर 408 में रह रही थी। उसका पति सेना में था, जिसकी दो साल पहले एक दुर्घटना में मौत ही गई थी। इसके बाद वह अपने ननदोई रविंद्र के साथ रह रही थी।

सीईटी 2025• डीसी और सीपी ने परीक्षा से जुड़ी तैयारियों का लिया जायजा

आज दो सत्रों में होगी परीक्षा, स्ट्रांग रूम से 145 परीक्षा केंद्रों में होंगे कड़े इंतजाम

भास्कर न्यूज | गुरुग्राम

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ग्रुप सी के पदों के लिए सीईटी परीक्षा को लेकर शुक्रवार को प्रशासन के लिए सुचारू ट्रैफिक व्यवस्था की चुनौती रहेगी। आज रोहतक, नूंह, सोनीपत तथा रेवाड़ी से प्रत्येक शिफ्ट में कुल 36 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा देने आएंगे। जबकि गुरुग्राम से 7 हजार 800 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए फरीदाबाद के लिए रवाना होंगे। गुरुग्राम में 145 परीक्षा केंद्रों पर दोनों दिन की चार शिफ्टों में कुल 1 लाख 45 हजार 488 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सामान्य पात्रता परीक्षा (कॉमन एलिजिबलिटी टेस्ट-सीईटी) के लिए जिला में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डीसी अजय कुमार और पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने शुक्रवार की देर शाम परीक्षा से जुड़े इंतजामों का स्वयं निरीक्षण किया। इससे पहले आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ ने भी जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ गुरुग्राम जिला में परीक्षा से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की।

परीक्षा से जुड़ी सामग्री के लिए राजकीय महिला महाविद्यालय, सेक्टर 14 में स्ट्रांग रूम बनाया गया है। जिला में प्रशासन की ओर से 64 डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त गए हैं वहीं 15 ड्यूटी मजिस्ट्रेट को रिजर्व में रखा गया है। स्ट्रांग रूम से परीक्षा केंद्रों तक ड्यूटी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी के साथ कड़ी सुरक्षा में परीक्षा सामग्री को पहुंचाया जाएगा। परीक्षा के लिए निर्धारित समय से 45 मिनट पहले परीक्षार्थियों का केंद्र में प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। पहले सत्र की परीक्षा 10 बजे से 11.45 बजे प्रातः व दूसरे सत्र की 3.15 अपराहन से 5 बजे शाम तक होगी। पहले सत्र के लिए 7.30 से 9.15 बजे तथा दूसरे सत्र के लिए 12.45 से 2.30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिलेगा। सभी परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी कैमरों से मॉनीटरिंग की जाएगी तथा जैमर भी लगाए गए है।

शटल पिकअप प्वाइंट का निरीक्षण करते डीसी अजय कुमार व सीपी विकास अरोड़ा।

पांच स्थानों से मिलेगी शटल बस की सुविधा

डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन ने रोहतक, सोनीपत, रेवाड़ी व नूंह जिला से गुरुग्राम आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पांच स्थानों से परीक्षा केंद्रों तक निःशुल्क शटल बस सेवा की व्यवस्था की है। यह स्थान आईएमटी चौक मानेसर, एसजीटी यूनिवर्सिटी बुढ़ेड़ा, ताऊ देवी लाल स्टेडियम, राजीव चौक पार्किंग व सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली होंगे। इन स्थानों से सभी परीक्षा केंद्रों के लिए 35 रूट निर्धारित किए गए हैं। पांच स्थानों पर लगेंगे हेल्प डेस्क, कंट्रोल रूम भी लगातार एक्टिव गुरुग्राम जिला में परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए गुरुग्राम बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मिलेनियम सिटी सेंटर मैट्रो स्टेशन, इफ्को चौक और राजीव चौक पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए है। किसी भी जानकारी या सहायता के लिए परीक्षार्थी कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0124-2972349, 2972351, 2973347, 2973348 और 2974350 पर संपर्क कर सकते हैं।

एएसआई ने पीजी में फंदा लगाकर की खुदकुशी

भास्कर न्यूज | गुरुग्राम

गुरुग्राम पुलिस के एएसआई ने सेक्टर-38 के पीजी में फंदा लगा आत्महत्या कर ली। नारनौल के रहने वाले एएसआई का हाल ही में पीओ स्टाफ में ट्रांसफर हुआ था। सुबह जब पुलिस स्टाफ ने उसे फंदे पर लटका देखा तो कमरे में पहुंचकर उसका शव नीचे उतारा और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, एएसआई सुनील मूल रूप से महेंद्रगढ़ का रहने वाला था। एक महीने पहले उसे सिटी थाने से पीओ स्टाफ में ट्रांसफर किया था ताकि वह कोर्ट से भगोड़े घोषित अपराधियों को पकड़ सके। पिछले कुछ दिनों से वह सेक्टर-38 के पीजी में ठहरा हुआ था। पुलिस की मानें तो अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं लग सकता है, लेकिन इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

एसजीटी विवि में जुटे देश के प्रमुख शिक्षाविद्

नई शिक्षा नीति के अमल में खामियों को दूर करने पर दिया गया जोर

भास्कर न्यूज | गुरुग्राम

एसजीटी यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को 'हायर एजुकेशन लीडर्स कान्क्लेव-2025' में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) पर गहन चर्चा की गई। पांच सत्रों में चर्चा में विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने नई ऊर्जा के साथ रोजगारपरक, तकनीकी और व्यावहारिक शिक्षा का आधार तैयार किया है। महज किताबी व क्लास रूम कल्चर से आगे बढ़कर इसने उन तमाम पहलुओं से साक्षात्कार करवाया है जो विद्यार्थी को सर्वगुण संपन्न, समाज व संस्कारी तथा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नितांत आवश्यक है। विशेषज्ञों ने माना कि एनईपी के अमल में अभी खामियां हैं। कान्क्लेव में देश भर से आए 35 से अधिक प्रमुख शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों और शीर्ष संस्थानों के प्रमुखों ने भाग लिया। एसजीटी यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं पद्म भूषण राम बहादुर राय ने कहा कि शिक्षा को अनावश्यक नियंत्रण से मुक्त रखा जाना चाहिए तभी सबको आदर्श, उपयोगी शिक्षा देने का लक्ष्य पूरा होगा।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते पद्म भूषण राम बहादुर राय।

डीएलएफ फेस-3 एरिया में बर्थडे पार्टी में चाकू से वार करने व युवक की आंख फोड़ने का आरोपी जिम संचालक गिरफ्तार

गुरुग्राम | डीएलएफ फेस-3 एरिया में बर्थडे पार्टी के दौरान मारपीट कर चाकू से वार करने व युवक की आंख फोड़ने के आरोपी जिम संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जा से वारदात में प्रयोग किया गया चाकू भी बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी को एक दिन के रिमांड के बाद अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। दरअसल, पुलिस चौकी नाथुपुर के इंचार्ज एसआई सुरेन्द्र कुमार को सूचना मिली कि झगड़े में घायल हुआ एक युवक मेदांता अस्पताल में उपचाराधीन है।

एसडीएम ने जांचा की कितना सुरक्षित है नौनिहालों का सफर

नूंह | एसडीएम जितेंद्र गर्ग ने तावड़ू के आधा दर्जन स्कूलों के वाहनों की जांच की। अधिकांश बसों में नियमों की पालना नहीं की जा रही थी। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के वर्णित नियमों की पालना के निर्देश दिए, साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा जांच में सुधार नहीं पाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

शुक्रवार को एसडीएम अचानक निजी स्कूलों के दौरे पर निकले। उन्होंने आधा दर्जन से अधिक स्कूलों की बसों का निरीक्षण किया। स्कूल बसों में मिली कमियों को दूर करने के लिए प्रबंधन को निर्धारित समय व चेतावनी भी दी। एसडीएम ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि दोबारा निरीक्षण में कमियां पाई गई तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सब डिविजन लेवल कमेटी को इस दिशा में सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

बिजनेस वीजा पर आया विदेशी अवैध मादक पदार्थ सहित धरा

गुरुग्राम | सिकंदरपुर क्राइम ब्रांच ने बिजनेस वीजा पर भारत आए अफ्रीका मूल के नागरिक को अवैध मादक पदार्थ सहित काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जा से 15.22 ग्राम एमडीएमए, 15.34 ग्राम कोकीन बरामद कर डीएलएफ फेस-3 थाना में केस दर्ज कर लिया। सिकंदरपुर क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि डीएलएफ फेस-3 थाना एरिया में एक युवक अवैध मादक पदार्थ की सप्लाई करने आया है। जिस पर टीम ने मौके पर दबिश मारते हुए एक विदेशी नागरिक को अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए व कोकीन सहित धर-दबोचा। आरोपी की पहचान अफ्रीका के डकार सेनेगल निवासी फाडिगा के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जा से 15.22 ग्राम एमडीएमए, 15.34 ग्राम कोकीन बरामद कर डीएलएफ फेस-3 थाना पुलिस में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया।

टीन शेड में चल रहे डिलीवरी केंद्र पर स्वास्थ्य विभाग की रेड, संचालिका गिरफ्तार

भास्कर न्यूज | नूंह

अलीपुर तिगरा गांव में डिलीवरी केंद्र की आड़ में चलाए जा रहे अवैध गर्भपात केंद्र का स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भंडाफोड किया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम जब पुलिस के साथ यहां पहुंची तो खून में सने वे उपकरण मिले जिनका इस्तेमाल गर्भपात में किया जाता है। इस अवैध केंद्र से टीम ने गर्भपात किट व प्रतिबंधित दवाईयां भी बरामद की हैं। डॉक्टर बनकर महिलाओं की जान से खिलवाड़ करने वाली जीएनएम को पुलिस ने गिरफ्तार कर केंद्र को सील कर दिया। टीम को देखते ही यहां मौजूद कर्मचारी मौके से फरार हो गए जबकि केंद्र की संचालिका सबीना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह तिगरा गांव की रहने वाली है। जांच में पता चला कि उसने जीएनएम का कोर्स कर रखा है लेकिन वह खुद डॉक्टर बनकर गर्भपात और डिलीवरी करती थी।

स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली थी कि बींवा रोड पर स्थित निदा नर्सिंग होम व जच्चा-बच्चा केंद्र में एक महिला का गर्भपात किया जा रहा है। इस पर डिप्टी सिविल सर्जन मनप्रीत के नेतृत्व वाली एक टीम पुलिस को साथ ले केंद्र की ओर कूच गई लेकिन जब तक टीम पहुंचती तब तक गर्भपात करवाकर महिला जा चुकी थी। हालांकि टीम ने मौके से वे उपकरण और अवशेष बरामद किए जो गर्भपात में इस्तेमाल किए जाते हैं। डिप्टी सिविल सर्जन डॉक्टर मनप्रीत ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया, 'शुक्रवार को जानकारी मिली कि उक्त केंद्र में महिला गर्भपात करवाने पहुंची है। हमने पूरी जानकारी फिरोजपुर झिरका पुलिस को देकर अपनी एक टीम बनाई और जब केंद्र पर पहुंचे तब तक गर्भपात करवाकर महिला जा चुकी थी।' उन्होंने कहा, 'टीम ने मौके से खून से सने वे उपकरण बरामद किए हैं जो सिर्फ गर्भपात में ही इस्तेमाल किए जाते हैं। प्रतिबंधित इंजेक्शन, एमटीपी किट और दूसरी दवाईयां भी मिली हैं।' टीम में मेडिकल आफिसर डॉक्टर सौरभ वर्मा भी शामिल रहे। केंद्र को सील कर दिया गया है।

निदा नर्सिंग होम व जच्चा-बच्चा केंद्र के अंदर व बाहर का दृश्य।

घर से दो लाख के नोटों की माला लेकर चंपत हुआ चोर

नूंह | गांव साकरस में एक व्यापारी के घर से नोटों की माला चोरी करने का मामला सामने आया है। व्यापारी नोटों की मालाएं शादी-विवाह में किराये पर देता है। चोरी की घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें चोर दिखाई दे रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे युवक की पहचान करने में जुटी है। पुलिस को दी शिकायत में जमशेद ने बताया कि उसने गांव में कॉस्मेटिक की दुकान खोल रखी है। शादी विवाह में दूल्हा-दुल्हनों को किराए पर देने के लिए एक-एक लाख की मालाएं बनवा रखी हैं। उसके अनुसार शाम को दुकान बंद करते समय मालाओं को घर ले आता है। 23 जुलाई को वह दोनों मालाओं को रोजाना की तरह घर ले गया और अंदर दीवार पर लगी कील के सहारे लटका दिया। उसके अनुसार सुबह करीब तीन बजे उसकी आंख खुली तो माला गायब मिली। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि नोटों की माला चोरी होने के बाद पूरे घर में छानबीन की।

मानसून सत्र खत्म • अंतिम दिन भी हंगामा, 24 मिनट सदन की कार्यवाही चली

सदन में राबड़ी बोलीं... हाय-हाय नीतीश ने कहा- ये खाएं-खाएं हैं

भास्कर न्यूज़ | पटना

विधान परिषद में विपक्ष और नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी सरकार के खिलाफ हाय-हाय का नारा लगा रही थीं। इसके जवाब में सीएम नीतीश कुमार ने कहा ये खाएं-खाएं हैं। ये खाएं है। इसके जवाब में राबड़ी देवी ने कहा कि जनता के सवालों का जवाब दें। सीएम नीतीश कुमार ने राबड़ी देवी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इनके कहने पर सभी एक तरह से कपड़े पहन करके आए हैं। विधान सभा से परिषद तक सब अनाप-शनाप कर रहे हैं। जब सुनना चाहिए तो सुनते नहीं है। आप को सुनना चाहिए और अपनी बात सदन में रखनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच विवाद को देखते हुए पहली पाली में सदन की कार्यवाही 11 मिनट के बाद 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

विपक्ष द्वारा नारेबाजी और हाय हाय के नारे के विरोध में सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि शांत होकर सीट पर बैठ जाए। लेकिन विपक्ष सभापति के आग्रह पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सभापति ने कहा कि ऐसे हाय हाय करिएगा, तो चुनाव के बाद हाय हाय करते रहिएगा। इस दौरान नवल किशोर ने कहा कि संविधान अपमान कर रहे है। साजिश के तहत काम कर रहे है। ये सदन को बाधित कर रहे है। मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि सरकार को काम करने दे। लेकिन इसके बाद भी विपक्ष हंगामा करते रहे।

सदन की पहली पाली में प्रतिपक्ष नेता राबड़ी देवी ने सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि आज बेमानी मत करिएगा। सभापति इसका विरोध किया और कहा कि वे बेमानी करते है। राबड़ी देवी ने कहा कि वे जनता के सवालों को लेकर आरोप लगाया है। सभापति ने कहा कि सवाल में त्रुटि रहती है। इसके बाद सदन की कार्रवाई शुरु हुई। दूसरी पाली में सदन की कार्रवाई शुरु होते ही विपक्ष एक बार फिर से प्रदर्शन करने लगा। विपक्ष उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कई बार विपक्ष से सीट पर बैठने का आग्रह किया। लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद दूसरी पाली में सदन की कार्यवाही 2.13 बजे अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। शुक्रवार को अंतिम दिन दोनों पाली में सदन की कार्यवाही केवल 24 मिनट चली। इसमें पहली पाली में सदन की कार्यवाही 11 मिनट और दूसरी पाली में 13 मिनट चली।

पहली पाली में बिहार खाद्य संरक्षा सेवा नियमावली, बिहार पॉलिटेक्निक शिक्षा सेवा (संशोधन) नियमावली, बिहार विद्युत विनियामक आयोग के वित्तीय वर्ष 2005-06 से 2013-14 और 2014-15 से 2021-21 तक वार्षिक लेखा विवरण, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 का वार्षिक प्रतिवेदन, वाणिज्य कर विभाग द्वारा प्रशासित अधिनियमों के तहत 15 अधिसूचनाएं सदन में रखी गई। जबकि दूसरी पाली में इस दौरान बिहार विनियोग (संख्या-3) विधेयक 2025 पारित किया गया।

विधानसभा-विधान परिषद की बैठक अनिश्चित काल के लिए स्थगित

बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों विधान सभा और विधान परिषद की बैठक अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई। दोनों सदनों में 5 दिनों के मॉनसून सत्र के दौरान 12 राजकीय विधेयक पारित हुए। विधानसभा स्पीकर नंदकिशोर यादव और विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने समापन भाषण देते हुए सत्र के सफल संचालन में सहयोग के लिए सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या

फिरोजाबाद| फिरोजाबाद में महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। वारदात के लिए उसने ऑनलाइन जहर मंगवाया।

जेपीएससी प्रथम-द्वितीय नियुक्ति घोटाला

पूर्व सचिव व इंटरव्यू बोर्ड के एक्सपर्ट पर चलेगा मुकदमा

भास्कर न्यूज़ | रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रथम और द्वितीय सिविल सेवा परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर सरकार ने अब दो और अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति दे दी है। विधि विभाग ने जेपीएससी की तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक सह सचिव एलिस उषा रानी सिंह और इंटरव्यू बोर्ड के विशेषज्ञ सोहन राम के खिलाफ यह स्वीकृति प्रदान की है। जल्द ही यह फाइल घोटाले की जांच कर रही एजेंसी सीबीआई को भेजी जाएगी। पहले भी एलिस उषा रानी सिंह के खिलाफ मुकदमा चलाने की स्वीकृति दी गई थी, तब उनके पदनाम में केवल परीक्षा नियंत्रक का उल्लेख था। वह सचिव भी थीं, इसलिए नए सिरे से दोनों पदनामों के साथ स्वीकृति दी गई है। इससे पहले जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद, सदस्य डॉ. गोपाल प्रसाद सिंह, राधा गोविंद नागेश व शांति देवी के खिलाफ मुकदमा चलाने की स्वीकृति दी जा चुकी है।

अब 20 परीक्षक और विशेषज्ञ भी राडार पर

उच्च शिक्षा विभाग ने भी जेपीएससी की अन्य परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी को लेकर 20 परीक्षकों और विशेषज्ञों के नाम विधि विभाग को अभियोजन स्वीकृति के लिए भेजे हैं।

अलीगढ़ में कारोबारी की कार में हत्या, 4 गोलियां मारी

अलीगढ़| अलीगढ़ में शुक्रवार को बीजेपी सांसद सतीश गौतम के करीबी ट्रांसपोर्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवारों ने उनकी क्रेटा कार को घेर लिया। इसके बाद ताबड़तोड़ 4 गोलियां मारीं। कार के शीशे को चीरते हुए गोलियां उनके सिर और सीने में जा लगीं। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायल प्रॉपर्टी डीलर सोनू चौधरी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फारेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। कार के अंदर से टीम को गोली के चार खोखे मिले हैं। घटना थाना हरदुआगंज क्षेत्र की है। गांव के बाहर रुकवाई कार, ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं कोडरा गांव के रहने वाले सोनू चौधरी (40) प्रॉपर्टी डीलर के साथ ट्रांसपोर्टर भी थे। वह प्रधानी के चुनाव की तैयारी कर रहे थे।

पुरानी रंजिश में ले ली जवान की जान

गयाजी: आईटीबीपी जवान को पीट-पीटकर मार डाला

भास्कर न्यूज़ | वजीरगंज

जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहियाइन गांव में गुरुवार की रात आईटीबीपी के जवान 34 वर्षीय संजय कुमार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। जवान संजय कुमार छुट्टी पर अपने गांव आए हुए थे और दो दिन बाद उन्हें ड्यूटी पर लौटना था। शुक्रवार को आईटीबीपी बटालियन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें अंतिम विदाई दी गई। संजय कुमार का कुछ दिनों पहले गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हुआ था। गुरुवार की रात करीब आठ बजे संजय कुमार अपने ड्राइवर को खाना पहुंचाकर बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में महेंद्र यादव के घर के पास उनकी बाइक फिसल गई। घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर खटिया की पाटी और लोहे के पउआ से सिर पर वार कर दिया। संजय को एएनएमएमसीएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

10 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए लेखपाल गिरफ्तार

मिर्जापुर| मिर्जापुर में एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को सदर तहसील के सारीपुर गांव में तैनात लेखपाल विवेक मिश्रा को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एक किसान ने एक बिस्वा जमीन पर कब्जा दिलाने के एवज में लेखपाल द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत एंटी करप्शन विभाग से की थी। शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। यह कार्रवाई शहर कोतवाली क्षेत्र के बीएलजे ग्राउंड में हुई। यहां किसान और लेखपाल की मुलाकात पहले से तय की गई थी। जैसे ही किसान ने लेखपाल को पैसे दिए। टीम ने मौके पर उसे धर दबोचा।

13 साल से फरार नक्सली चमरू कोड़ा गिरफ्तार

भास्कर न्यूज़ | मुंगेर

मुंगेर पुलिस और एसटीएफ ने विशेष ऑपरेशन में 13 साल से फरार नक्सली चमरू कोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। उसे जेल भेज दिया गया है। कोड़ा लड़ैयाटांड़ के पैसरा गांव का है। कई वर्षों से फरार था। उस पर पुलिस टीम पर हमला करने, अवैध हथियार रखने और देश विरोधी गतिविधि में शामिल होने के दो मामले दर्ज हैं। चमरू कोड़ा पर लड़ैयाटांड़ और धरहरा थाने में केस दर्ज हैं। कोड़ा को न्यू पैसरा गांव से एसटीएफ की टीम ने लड़ैयाटांड़ थाना पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया।

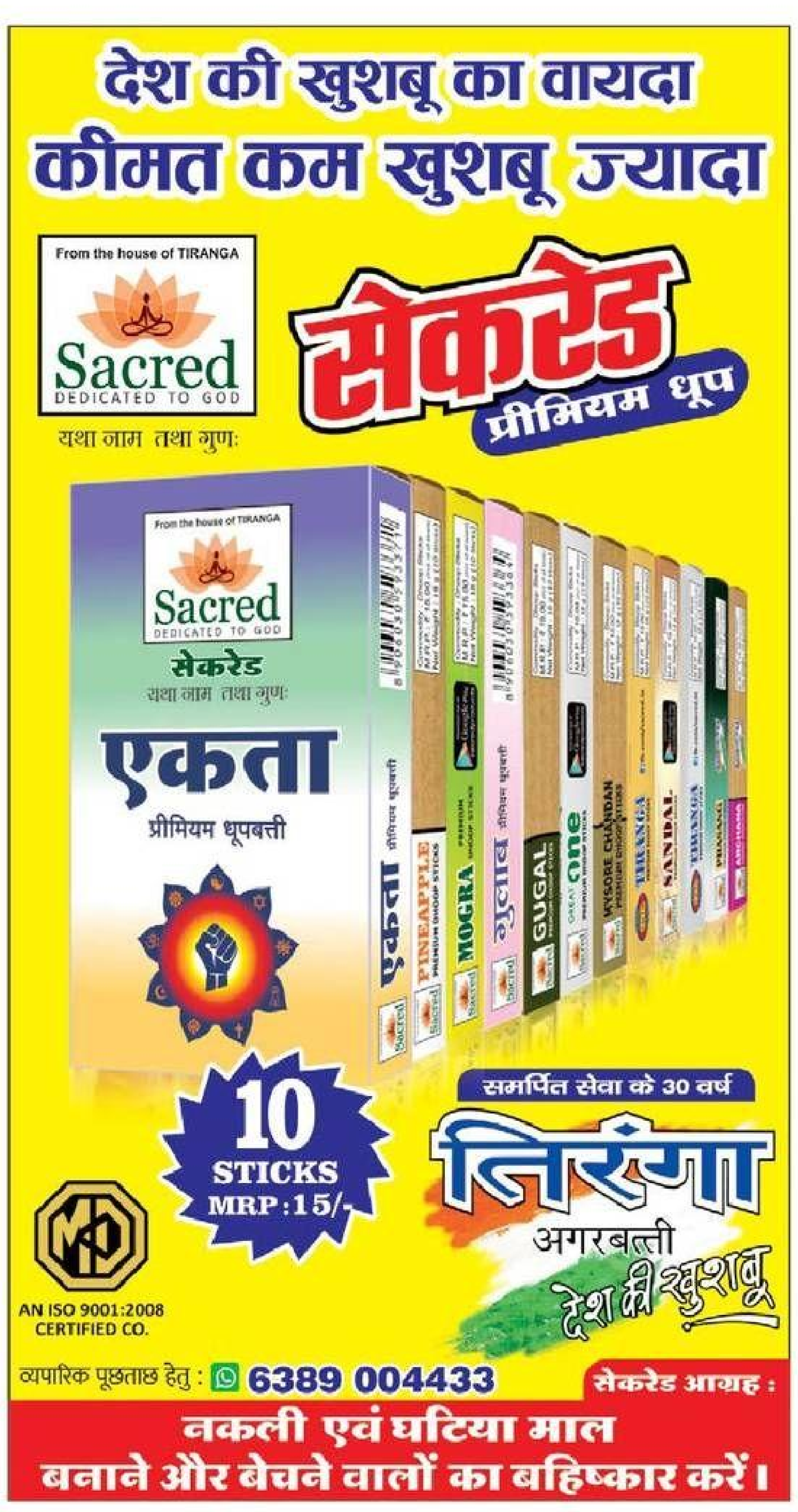

FARNAZ

स्मार्टफोन: छोटे साइज के फोन में पहले बैटरी-कैमरा कमजोर होते थे, अब नई तकनीक से इनमें सुधार

लंबी बैटरी-बेहतर कैमरे की वजह से डिमांड में कॉम्पैक्ट फोन

तुषार मेहता
को-फाउंडर athenil
व टेक एक्सपर्ट

स्मार्टफोन यूजर्स की एक शिकायत आम है कि फोन बहुत भारी है। लंबे समय से स्मार्टफोन कंपनियों का फोकस रहा है- बड़ी स्क्रीन, ज्यादा पावर। लेकिन अब बदलाव हो रहा है। भारत में खासतौर पर युवाओं में कॉम्पैक्ट फोन की मांग तेजी से बढ़ रही है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के 74% युवा यूजर्स छोटे स्क्रीन और हल्के फोन चाहते हैं। 88% यूजर्स का कहना है कि वो परफॉर्मेंस, कैमरा और बैटरी से कोई समझौता नहीं करेंगे। यानी लोग फोन का साइज भले ही छोटा हो, लेकिन टेक्नोलॉजी से समझौता नहीं करेंगे।

पहले कॉम्पैक्ट फोन में दिक्कतें थीं... कैमरा, बैटरी और हीटिंग में ये तीन सुधार हुए

1. पहले हीटिंग होती थी, अब नहीं!
छोटे फोन में प्रोसेसर-कंपोनेंट्स पास-पास होते हैं, जिससे पहले हीटिंग होती थी।

- **क्या बदला है?:** कंपनियां अब बड़े वेपर चेंबर कूलिंग सिस्टम का इस्तेमाल कर रही हैं। इससे फोन जल्दी गर्म नहीं होता है।
- **तकनीक:** अब 3nm-4nm साइज के प्रोसेसर आते हैं। यह कम गर्म होते हैं। कंपनियां 2nm प्रोसेसर भी आने वाले हैं।

2. बैटरी-कम जगह में ज्यादा पॉवर
पहले छोटा फोन मतलब छोटी बैटरी-यहीं सबसे बड़ा समझौता होता था।

- **क्या बदला है?:** कंपनियां सिलिकॉन-कार्बन बैटरी ला रही हैं। ये कम जगह में ज्यादा एनर्जी स्टोर कर सकती हैं।
- **तकनीक:** पहले 5,000mAh बैटरी के लिए जितनी जगह लगती थी, अब उतने में 5,750mAh Si-C बैटरी फिट होती है।

3. कैमरा-साइज छोटा, लेकिन रिजल्ट बेहतर
पहले कॉम्पैक्ट फोन में कैमरा क्वालिटी में कटौती होती थी, क्योंकि स्पेस कम होता था।

- **क्या बदला है?:** सोनी, सैमसंग-ओमनीविजन जैसे ब्रांड अब ऐसे कैमरा सेंसर बना रहे हैं जो छोटे आकार में ज्यादा लाइट कैप्चर करते हैं। डीएसएलआर जैसे फीचर फोन में आ रहे हैं।
- **उदाहरण:** AI इमेज प्रोसेसिंग ने भी स्मार्टफोन के कैमरा रिजल्ट को बेहतर बना दिया है।

कौन-कौन से कॉम्पैक्ट फोन चर्चा में हैं?

• विवो का X200 एफई
- 6.3 इंच की स्क्रीन, सिर्फ 178 ग्राम
- 5,000mAh Si-C बैटरी

• आईफोन 16ई

- 6.1 इंच सुपर रेटिना डिस्प्ले
- A18 चिप डुअल कैमरा से लैस
- 5 कलर।

• पिक्सल 9ए

- 6.3 इंच OLED स्क्रीन,
- टेंसर G4 चिप
- एआई कैमरा सिस्टम है।

• शाओमी 15

- 6.36 डिस्प्ले
- लिका ऑप्टिक्स
- स्नैपड्रेगन 8 जेन-4 प्रोसेसर आता है।

• वनप्लस 13एस

- कॉम्पैक्ट बॉडी, फ्लैगशिप चिप, हैसलब्लेड कैमरा सेटअप भी है इस फोन में।

बेस्ट ऑफ द वीक

1. वनप्लस की 2 इन 1 केबल

वनप्लस ने अपनी नई 2 इन 1 सुपरवूक चार्जिंग केबल लॉन्च की है। इस केबल की मदद से स्मार्टफोन और स्मार्टवॉच दोनों को एक साथ चार्ज किया जा सकता है। इस एक ही केबल से स्मार्टफोन को 80W तक और स्मार्टवॉच को 10W तक चार्ज करने की सुविधा मिल जाती है।

- **कीमत:** इसकी कीमत 2,577 रुपए है।

2. सैमसंग ने लॉन्च की नई स्मार्टवॉच

सैमसंग ने गैलेक्सी वॉच-8 और वॉच-8 क्लासिक लॉन्च की हैं। नई सीरीज में पतला डिजाइन, रोटेटिंग बेजल, 3एनएम प्रोसेसर, एमोलेड डिस्प्ले और जेमिनाए एआई असिस्टेंट मिलता है। नई तकनीक से स्वास्थ्य ट्रैकिंग और एआई-आधारित एनर्जी स्कोर जैसे फीचर शामिल हैं।

- **कीमत:** 32,999 रु. से शुरू।

3. सोनी की नई एआई टीवी लॉन्च

सोनी ने भारत में अपनी ब्राविया-5 मिनी एलईडी टीवी सीरीज में 98-इंच मॉडल लॉन्च कर दिया है। यह एआई-संचालित एक्सआर प्रोसेसर के साथ आती है। इसमें एक्सआर बैकलाइट है और डॉल्बी विजन सपोर्ट भी इसमें मिलता है।

- **कीमत:** 6,49,900 रुपए।

काम का हैक

डकडकगो: फोन में डुप्लीकेट तस्वीरें AI फिल्टर से हटाएं

डकडकगो एक प्राइवेसी-फोकस्ड सर्च इंजन है। इसमें कंपनी ने दो नए फीचर्स लॉन्च किए हैं। AI इमेज फिल्टर और स्कैम ब्लॉकर। इन दोनों का उद्देश्य यूजर्स को इंटरनेट पर सुरक्षित और क्लीन अनुभव देना है। एआई इमेज फिल्टर की मदद से यूजर अपनी सर्च में AI से बनी हुई नकली तस्वीरों को छांट सकते हैं। वहीं स्कैम ब्लॉकर फीचर उन वेबसाइट्स को रोकता है जो फिशिंग, धोखाधड़ी या नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती हैं।

यूटिलिटी: अब सिर्फ चैट नहीं, आपके लिए काम भी करेगा एआई

ओपनएआई का चैटजीपीटी एजेंट; शॉपिंग-मीटिंग जैसे काम खुद करेगा

अब तक चैटजीपीटी सवालों के जवाब देता था। अब यह आपके लिए सीधे काम करेगा। ओपनएआई ने नया चैटजीपीटी एजेंट लॉन्च किया है जो आपके कंप्यूटर के ब्राउजर, फाइल्स और ऑफिस सॉफ्टवेयर को खुद कंट्रोल कर सकता है। यह नया टूल आपकी तरफ से गूगल कैलेंडर पढ़ेगा, खाली समय पहचानकर रेस्तरां में बुकिंग करेगा, ऑनलाइन ऑर्डर देगा और जॉब कैंडिडेट्स की लिस्ट भी तैयार कर सकता है। यह एक मल्टीमॉडल है, यानी टेक्स्ट के अलावा इमेज, ऑडियो और वीडियो भी समझ सकता है। यह यूजर के इंस्ट्रक्शन पर काम करता है।

इन परीक्षाओं में भी बैठ चुका है चैटजीपीटी ब्राउजर

चैटजीपीटी एजेंट दुनिया की कुछ सबसे मुश्किल परीक्षाएं भी पास कर चुका है। ओपनएआई ने इसके नए मॉडल को कई अकैडमिक और रियल-वर्ल्ड टेस्ट्स पर परखा, जहां इसके रिजल्ट अच्छे आए हैं।

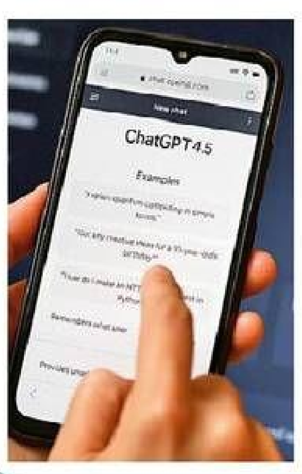

- **कॉलेज लेवल में 41% मिले:** ह्यूमैनिटीज लास्ट एग्जाम दुनिया की सबसे कठिन एआई परीक्षा है। इसमें एआई से कॉलेज-लेवल के सवाल पूछे जाते हैं। चैटजीपीटी ने 41.6% स्कोर किया, जो टॉप एआई परफॉर्मेंस में आता है।
- **एक्सेल समझने में 45% मिले:** स्प्रेड शीट बेंच टेस्ट एक्सेल जैसे स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर में एआई की समझ और प्रोडक्टिविटी जांचता है। यहां चैटजीपीटी ने 45.5% स्कोर किया।

ये सभी काम कर सकेगा नया एजेंट

- यह आपकी तरफ से वेबसाइट खोलकर खुद ब्राउज कर सकेगा।
- वर्ड और एक्सेल फाइल्स एडिट करने में सक्षम है यह नया एजेंट।
- जीमेल या अन्य मेल अकाउंट एक्सेस कर सकता है। वहां काम कर सकता है।
- गूगल कैलेंडर से समय देखकर आपके अपॉइंटमेंट भी बुक कर सकता है।

भविष्य की टेक्नोलॉजी: मेटा ला रहा नया रिस्ट बैंड, जेस्चर से गैजेट कंट्रोल

मेटा रिस्टबैंड; टच नहीं, इशारे से चलेंगे गैजेट

सोचिए, अगर आप बिना की-बोर्ड या माउस छुए सिर्फ हाथ हिलाकर कंप्यूटर या मोबाइल चला पाएं? न टाइपिंग की जरूरत, न स्क्रीन टच करने की समस्या। टेक कंपनी मेटा ऐसा ही कुछ बना रही है। एक स्मार्ट रिस्टबैंड, जो आपके हाथ की छोटी-छोटी हरकतों को पहचानकर उन्हें डिजिटल कमांड में बदल देगा। मेटा के रियलिटी लैब्स ने बताया है कि उन्होंने इस डिवाइस को अपनी आने वाली एआर चश्मे ओरियन के साथ टेस्ट भी कर लिया है। इससे आप बिना कीबोर्ड के टाइप कर सकते हैं और टेबल या घुटनों पर हाथ घुमाकर लिख सकते हैं।

कैसे काम करता है?

इसमें sEMG टेक्नोलॉजी लगी है। ये हाथ की नसों और मांसपेशियों में चल रहे सिग्नल्स को पकड़ती है। जब आप दिमाग से किसी चीज को क्लिक करने का सोचते हैं, तो जो नर्व सिग्नल हाथ तक जाते हैं, वही इसे समझ में आते हैं। इन्हीं सिग्नल्स को रिस्टबैंड डिजिटल कमांड में बदलता है। यानी इससे आप कीबोर्ड की तरह टाइप कर सकते हैं।

मस्क के न्यूरालिंक से इस तरह अलग
इलॉन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ब्रेन में चिप लगाने की तैयारी में है, पर मेटा का तरीका अलग है। इसमें सर्जरी की जरूरत नहीं है। हर उम्र और शारीरिक क्षमता वाला इंसान इस्तेमाल कर सकता है। कीमत 85,0001 रु. से शुरू होगी।

वायरल ट्रिक

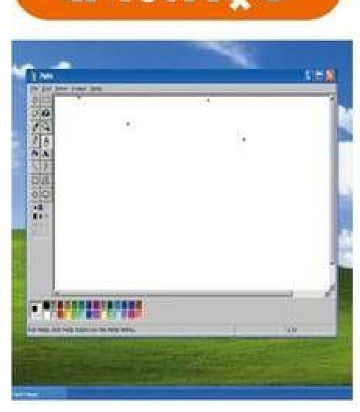

याद है विंडोज XP? अब ब्राउजर पर फिर से मिल सकेगा कंप्यूटर का वही पुराना अनुभव

अगर आपने कभी विंडोज XP इस्तेमाल किया है, तो आपको भी उसका इंटरफेस याद होगा। इंटरनेट पर एक वेबसाइट वायरल हो रही है जहां आप विंडोज XP को दोबारा चला सकते हैं, वो भी बिना इंस्टॉल किए। 2001 में लॉन्च हुआ विंडोज XP अब तक के सबसे पॉपुलर ऑपरेटिंग सिस्टम में से एक माना जाता है। अब एक डेवेलपर ने win32.run नाम की वेबसाइट बनाई है, जिसमें आप अपने ब्राउजर में विंडोज XP को एक्सपीरियंस कर सकते हैं। इसे एक्सपीरियंस करने के लिए अपने सिस्टम में किसी भी ब्राउजर (क्रोम या एज) में जाएं। वहां वेबसाइट खोलें और टाइप करें: https://win32.run। बस अब विंडोज एक्सप्लोर करें।

मनोरंजन: सलमान की सिकंदर को पछाड़ा

सिर्फ डेब्यू नहीं, इतिहास! सैयारा ने तोड़े 4 बड़े रिकॉर्ड

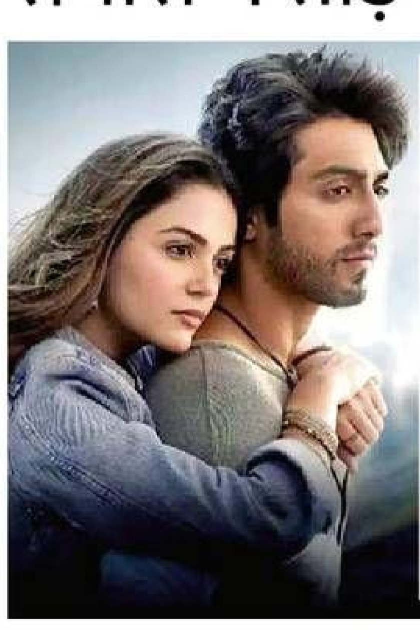

बॉलीवुड में दो नए चेहरों के साथ फिल्म हिट हो जाए, ये अक्सर नहीं होता। कहो ना प्यार है, स्टूडेंट ऑफ द ईयर और धड़क जैसी कुछ फिल्में ही हैं जिन्होंने ये कर दिखाया। पर 18 जुलाई को रिलीज हुई सैयारा ने इतिहास रच दिया। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने पहले हफ्ते में ही 172.50 करोड़ कमाई की। इस फिल्म ने एक सप्ताह में चार बड़े रिकॉर्ड तोड़े।

अब तक का सबसे बड़ा डेब्यू

पहले वीकेंड में ही सैयारा ने 83 करोड़ रुपए की कमाई की, जो डेब्यू करने वाले एक्टर्स वाली किसी भी हिंदी फिल्म की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। इसने स्टूडेंट ऑफ द ईयर (70 करोड़) और कहो ना प्यार है (44.28 करोड़) जैसे सुपरहिट डेब्यू को भी पीछे छोड़ दिया है।

- **सलमान की सिकंदर को पछाड़ा:** रिलीज के पांचवें दिन तक फिल्म की नेट कमाई 132 करोड़ रु. पहुंच गई। ये सलमान खान की सिकंदर (129.95 करोड़) के कलेक्शन से भी अधिक है।
- **मोहित सूरी की बेस्ट ओपनिंग:** सैयारा की पहले दिन की 21 करोड़ की कमाई ने मोहित सूरी की पुरानी फिल्में एक विलेन और आशिकी 2 को भी पीछे छोड़ा।
- **म्यूजिक ने तोड़ा रिकॉर्ड:** टाइटल ट्रैक सैयारा ने स्पॉटिफाई इंडिया पर 24 घंटे में 36.1 लाख स्ट्रीम्स के साथ नया रिकॉर्ड बनाया। ये स्पॉटिफाई ग्लोबल टॉप–50 में 5 तक पहुंची, अब तक की किसी भी हिंदी गाने की सबसे ऊंची रैंकिंग।

फैशन: वॉटरप्रूफ शर्ट्स की डिमांड, फुटवियर में क्लॉग्स; ये है मानसून फैशन गाइड

बारिश में भी दिखें स्टाइलिश!

पूर्वी सिंघल
लाइफस्टाइल
जर्नलिस्ट

बारिश का मौसम आते ही ज्यादातर लोग फैशन से समझौता कर लेते हैं। सोचते हैं भीगना तो तय है, फिर सजने-संवरने का क्या फायदा? अगर सही फैब्रिक और फुटवियर न चुना जाए तो बारिश में कपड़े देर से सूखते हैं, फंगल इन्फेक्शन एलर्जी तक हो सकती है। लेकिन बारिश का मतलब बोरिंग कपड़े नहीं होता। अगर स्मार्ट तरीके से चुनें, तो इस सीजन में भी स्टाइल को बनाए रख सकते हैं। जानिए मानसून की फैशन गाइड...

फुटवियर स्पोर्ट्स शू की जगह क्लॉग्स या फिशरमैन सैंडल

- **रबर क्लॉग्स** अब फैशन स्टेटमेंट बन गए हैं। क्रॉक्स, नाइकी और बिर्केनस्टॉक जैसे ब्रांड्स वाटर-प्रूफ और हील वर्जन में भी क्लॉग्स लॉन्च कर चुके हैं।
- **फ्लिप फ्लॉप्स** फ्रांस की बड़ी ब्रांड कॉपर्नी या भारत में बिर्केनस्टॉक जैसी कंपनी ने वॉटरप्रूफ फ्लिप फ्लॉप पेश किया है, जो बारिश के लिए परफेक्ट हैं!
- **फिशरमैन सैंडल्स** ये अब सिर्फ बीच के लिए नहीं, बल्कि शहरों में भी पहने जा रहे हैं। जेली रबर और मजबूत बकल के साथ ये शूज मानसून के विकल्प हैं।

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा कहती हैं कि वो मानसून में कैनवास शूज या स्लिपरी सैंडल नहीं पहनतीं। वो अक्सर एयरपोर्ट पर रबर स्लाइड्स या वाटरप्रूफ स्नीकर्स में नजर आती हैं।

गारमेंट वॉटर प्रूफ शर्ट्स भी पेश कर रहे ब्रांड्स

पुरुषों में पार्का जैकेट पॉपुलर
इस सीजन में लॉन्ग पार्का का ट्रेंड बढ़ा है। एच एंड एम और जारा के पार्का इस सीजन में खूब बिक रहे हैं। ये न सिर्फ बारिश से बचाते हैं बल्कि तेज धूप से सुरक्षा देते हैं।

- **कीमत:** पार्का लंबी जैकेट होती है जो कमर से नीचे तक जाती है। इसकी कीमत 2 हजार रु. से शुरू है।

फैशन में टेक्नोलॉजी भी शामिल
फैशन में टेक्नोलॉजी भी शामिल हो चुकी है। 'टर्म्स' जैसी कंपनियां वॉटर-रेपेलेंट और एंटी-ओडर फैब्रिक वाली शर्ट्स बना रही हैं, जो बारिश में भी फ्रेश और स्मार्ट दिखती हैं।

- **कीमत:** इनकी खासियत है कि इनमें पानी आसानी से सतह से फिसल जाता है। टर्म्स की वेबसाइट पर कीमत 1 हजार रु. से शुरू है।

सेलेब्स जो चर्चा में रहे

जेंसन हुआंग बोले- आज 20 साल का होता, तो फिजिक्स पढ़ता, कोडिंग नहीं

आज पूरी दुनिया जिसे एआई का मास्टर मानती है, वही कह रहा है कि अगर वो दोबारा कॉलेज जाता, तो कोडिंग नहीं करता। एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग का मानना है कि आज का समय फिजिकल साइंसेज (फिजिक्स-केमिस्ट्री) को समझने और उस पर काम करने का है। हुआंग का कहना है कि जो युवा आज साइंस-टेक्नोलॉजी या इंजीनियरिंग में जाना चाहते हैं, उन्हें कोडिंग से ज्यादा 'रियल वर्ल्ड लॉजिक' और फिजिकल सेंस समझना चाहिए, क्योंकि अगली पीढ़ी के एआई और रोबोट्स उन्हीं नियमों पर काम करेंगे।

नीता अंबानी की वायरल साड़ी 10 महीने में तैयार हुई

मुंबई में स्वदेश स्टोर की ओपनिंग पर नीता अंबानी पारंपरिक भारतीय साड़ी में नजर आईं। उन्होंने गुलाबी घरचोला साड़ी पहनी, जिसे राजकोट के श्री राजश्रुंदर ने 10 महीने में हाथ से बुना। इस साड़ी को मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने स्टाइल किया है। यह साड़ी अब सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है। खास बात है कि नीता ने इस दौरान अपनी नानी की मां का सोने का बाजूबंद पहना, जो नीता अंबानी ने अपनी शादी में भी पहना था।

ट्रैवल ट्रेंड

इंटरनेशनल ट्रैवल: 56% ट्रैवलर्स छोटे शहरों से जा रहे विदेश घूमने

Atyls की रिपोर्ट के मुताबिक अब इंटरनेशनल ट्रैवल करने वाले फर्स्ट टाइम टूरिस्ट्स में टियर-2 और 3 शहरों से हैं। लखनऊ, सूरत, जयपुर, इंदौर व चंडीगढ़ जैसे शहरों से लोग पहली बार दुनिया देखने निकल रहे हैं।

सबसे अधिक दुबई घूमने जा रहे

- **टॉप डेस्टिनेशन:** दुबई, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया घूमने जा रहे हैं लोग।
- सोशल मीडिया अब ट्रैवल इंस्पिरेशन का नया इंजन बन गया है। इंस्टाग्राम रील्स और व्लॉग्स देख लोग खुद भी प्लान बना रहे हैं।
- डिजिटल वीसा प्रोसेस, आसान फिनटेक लोन/ईएमआई प्लान्स ने भी विदेश यात्रा को पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है।

होम डेकोर: सिर्फ घर तक नहीं, स्मार्टफोन में भी यह कलर पॉपुलर

मोका मूस: साल का सबसे चर्चित रंग, स्टाइल और साइकोलॉजी दोनों में फिट

देवयानी सिंह
प्रिंसिपल
डिजाइनर-कोटड़ी

अमेरिका की शीर्ष कलर इंस्टीट्यूट पैंटोन ने Mocha Mousse (मोका मूस) को 2025 का रंग चुना है। ये एक भूरा रंग है। कॉफी या चॉकलेट जैसा। ये रंग देखकर सुकून आता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग ऐसे ही रंग पसंद कर रहे हैं, जो आंखों को आराम दें।

घर में इस शेड के कुशन या पर्दे लगाएं
शुरुआत के लिए इसे पूजा घर के पीछे बैकग्राउंड में लगाएं या टीवी यूनिट के पास ये रंग आजमाएं। अगर पेंट नहीं करना चाहते तो इसी शेड में कुछ कुशन, पर्दे या वॉल आर्ट ले आइए। कमरे की वाइब और मूड दोनों बदल जाएंगे।

देसी टच के साथ मॉडर्न कलर
राजस्थान की पुरानी हवेलियों में जो मिट्टी और चूने की दीवारें होती थीं, उनकी गर्माहट आज इस रंग में दिखती है। मॉडर्न स्टाइल में पुराने रूट्स को महसूस करना हो तो 'मोका मूस' पर भरोसा कर सकते हैं।

इंटरनेशनल ब्रांड्स में पॉपुलर
मोका मूस सिर्फ इंटीरियर तक सीमित नहीं है। स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने भी इस ट्रेंडिंग रंग को अपनाया है। मोटो का फोन एज न्यू 50 भी इसी रंग में लॉन्च हुआ है। फर्नीचर ब्रांड जोएब्रिड ने भी इस कलर के साथ पार्टनरशिप की है।

यह है 2025 का कलर ऑफ द ईयर मोका मूस

सरकारी तालाब • लोटिया और गोकलिया कुंड के तालाबों में भी गड़बड़ियां

तालाब अधूरा, किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचा पर भुगतान पूरा हो गया

भास्कर फॉलोअप

संजय रजक | इंदौर

महू क्षेत्र के बेका तालाब की तरह ही 2022 में खुड़ैल क्षेत्र के खंडेल और गोकलिया कुंड के तालाब भी अधूरे हैं। किसानों के खेतों तक पानी भी नहीं पहुंचा है, लेकिन ठेकेदारों को इनका पूरा भुगतान कर दिया गया है। भास्कर ने ग्राउंड रिपोर्ट के बाद अफसरों को सचाई बताई तो वे मेंटनेंस कराने की बात कह रहे हैं।

जल संसाधन विभाग द्वारा बनाए गए खंडेल गांव के लोटिया तालाब की पाल की पिचिंग लेयर में पेड़-पौधे उग आए हैं। भास्कर ने एक्सपर्ट के साथ ग्राउंड रिपोर्ट की तो पता चला स्टोन पिचिंग के नाम पर बेजोड़ पत्थर रख दिए गए हैं। टर्फिंग की जगह जंगली पौधे लगे हुए हैं। वेस्ट वियर के पास पत्थर और मुरम का ढेर है, जो भविष्य में पानी को अवरोध करेगा। पूर्व सरपंच निरंजन सिंह राणा बताते हैं, खुदाई नहीं की सिर्फ पाल बनाई। तालाब सरकारी जगह पर मंजूर हुआ था, लेकिन बाद में यहां बना दिया।

ये हाल हैं तालाब की पाल के।

गोकलिया कुंड तालाब

निर्माण....................2023-24
लागत ....3 करोड़ 32 लाख
सिंचाई ....130 हेक्टेयर

लोटिया नाला तालाब

निर्माण.............................2022
लागत...............2 करोड़ 95 लाख
सिंचाई ....125 हेक्टेयर

दोनों तालाब का निरीक्षण कर जरूरी सुधार कराएंगे

पिचिंग के लिए जो पत्थर उपलब्ध हो जाते हैं, उनका ही उपयोग किया जाता है। दोनों तालाबों का निरीक्षण कर जरूरत होने पर सुधार कार्य भी किए जाएंगे। **- कमल कुवल,** कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग

पिचिंग लेयर में डंप कर दी चट्टानें

मानपुर के समीप गोकलिया कुंड में बने बांध की पाल की दूसरी ओर जंगली पौधे उग आए हैं। वेस्ट वियर में कुछ जगहों पर ढलान नहीं है। स्लूज गेट को ओपन रखा है, जिससे हादसे का डर है। सिंचाई के लिए बनाई चैनल में पौधे उग आए हैं। स्टोन पिचिंग में चट्टाननुमा पत्थर डंप कर दिए हैं। ग्रामीणों के अनुसार सिंचाई का लाभ कुछ ही किसान ले रहे हैं।

नक्सलियों ने जवानों को उड़ाने लगाई थी आईईडी, 4 नक्सली पकड़े गए

भास्कर न्यूज | जगदलपुर

सुकमा के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में सक्रिय 4 नक्सलियों को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि गिरफ्तार चारों नक्सली 29 जून को बेदरे कैंप के पास जवानों को नुकसान पहुंचाने आईईडी प्लांट करने की घटना में शामिल थे। पकड़े गए नक्सलियों के कब्जे से एक टिफिन बम भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार नक्सली तामु जोगा (25), पुनेम बुधरा (24), मड़कम भीमा (23) व मिड़ियम आयतु (24) मिलिशिया सदस्य हैं, जो जगरगुंडा एरिया कमेटी के लिए काम कर रहे थे। पूर्व में उनके खिलाफ जगरगुंडा थाने में मामले दर्ज हैं। नक्सलियों को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पारंपरिक पोशाक में परीक्षा देने आने वालों को ढाई घंटे पहले पहुंचना होगा, केंद्र 10.30 बजे बंद हो जाएगा

दुर्ग | जिला प्रशासन ने रविवार को आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली है। धार्मिक-सांस्कृतिक पोशाक पहनकर परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ढाई घंटे पहले पहुंचना होगा, जिससे उनकी जांच अच्छे से की जा सके। परीक्षा केंद्रों के गेट सुबह 10.30 बजे बंद हो जाएंगे। भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (भेल) ने सभी सेंटर्स पर जैमर लगाने की व्यवस्था की है। जैमर के साथ एक कर्मचारी भी तैनात रहेगा। प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्रों में एक अधिकारी की ड्यूटी लगाई है। इसके साथ हर सेंटर पर तीन पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। इनमें दो पुलिसकर्मी मैटल डिटेक्टर से अभ्यार्थियों की जांच करेंगे।

हमारी पुलिस पता नहीं लगा पाई कि बब्बर खालसा का आतंकी यहां कहां रह रहा था

इंदौर | दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम दो दिन पहले बब्बर खालसा के एक सक्रिय आतंकी को हीरानगर स्थित एमआर-10 इलाके से पकड़कर ले गई। उसके खिलाफ इसी साल गंभीर धाराओं में केस दर्ज था। उसका नाम पंजाब में थाने पर रॉकेट लांचर हमले में शामिल है। उसके पकड़ाने के दो दिन बाद भी हमारी पुलिस यह पता नहीं लगा पाई कि इंदौर में वह कहां रह रहा था। अफसरों ने पल्ला झाड़ लिया कि ये दिल्ली का मामला है।दिल्ली की स्पेशल टीम आरोपी आकाशदीप उर्फ बाज (विक्की) को मंगलवार दोपहर आईएसबीटी के पास से पकड़कर ले गई।

U.T. ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

DEPARTMENT OF HEALTH & FAMILY WELFARE, SILVASSA

No. DMHS/NH-MEDICAL.EDU/ADV/STC/2025/2025/124/2128
Date : 24/07/2025

ADVERTISEMENT

NAMO Medical Education & Research Institute & NAMO Hospital, Silvassa Invites application from eligible candidates for below mentioned posts to be filled on Short Term Contract basis under NAMO Medical Education & Research Institute, NAMO Hospital, NAMO College of Nursing and NAMO College of Allied Health Sciences till the vacancies are filled up

For details please scan QR code
E-mail ID:
Medical College : establishment@namomeri.in
Allied Health Science : svbips.sil@gmail.com
Shri Vinoba Bhave College of Nursing: est.dmhs@gmail.com
Tel: 0260 - 2642940

O/o Director, Medical & Health Department, Silvassa, DNH
No. IP/DMN/2/5/2025-26/647 dated : 25/07/2025

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

1.The Executive Engineer,HPPWD Jubbal,Distt. Shimla, H.P. on behalf of Governor of H.P. invites the online bids on percentage rate, in electronic tendering system, in 2 Cover System of the under mentioned work from the eligible and approved contractors / firms registered with HPPWD Department.

Sr. No.1 Name of works : Construction of 55.00 mtr. Span Motorable Bridge over river Pubbarat Chamshu in Tehsil Jubbal Dist. Shimla (HP) (SH: - C/O well foundation, Sub-structure and Super- structure etc.) **Estimated cost :**42434871 **Earnest Money :**848700 **Cost of Form :**7000/- **Time :** 18 Months

Tender document and other instruction scan be downloaded or viewed online from the portal https://hptenders.gov.in by the firm / individual registered on the website which is free of cost.

Key Dates:-

1. Date of Online Publication	25-07-20251500 HRS
2. Document Download Start and End Date	25.07.20251530 HRS upto 31.07.2025 1730 HRS
3. Bid Submission Start and End Date	25.07.20251530 HRS upto 31.07.2025 1800 HRS
4. Physical Submission of EMD and Cost of Tender Document	Online Mode
5.Date of Technical Bid Opening	01.08.2025 1100 HRS
6. Evaluation of Technical Bid flowed by Opening of Financial Bid.	Date to be announced

Executive Engineer,
(B&R) Division HPPWD, Jubbal.
On behalf of Governor of Himachal Pradesh

Him Suchna Avam Jan Sampark**2046/2025-26**

विज्ञापन

पैरा वेटरनरी साइंस संस्थान, लुवास, हिसार

प्रवेश सूचना

वीएलडीडी और डीवीएलटी कार्यक्रमों के लिए 2025-26

पैरा वेटरनरी साइंस संस्थान, लुवास, हिसार में पशु चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा और पैरा वेटरनरी साइंस संस्थान, लुवास, हिसार और संबद्ध निजी महाविद्यालयों के संस्थान में पशु चिकित्सा एवं पशुधन विकास डिप्लोमा वीएलडीडी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र http://admission.eluvas.in पर 24.07.2025 से 14.08.2025 तक (बिना शुल्क के) और 18.08.2025 तक (600/- रुपये के शुल्क के साथ) उपलब्ध होंगे। अधिक जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.luvas.edu.in पर उपलब्ध डिप्लोमा प्रॉस्पेक्टस 2025-26 पढ़ें।

हस्ता/-
निदेशक, आईपीवीएस

1305/11/98/2026/36962/C/10/6

भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु

सं.: IASc/Gen/Admin/2025/32 दिनांक : 25 जुलाई 2025

रिक्ति सूचना

भारतीय विज्ञान अकादमी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्त संस्थान सीधी भर्ती के आधार पर निम्न पद भरने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है |

पद का नाम :	पदों की संख्या:	7वे केंद्रीय वेतन आयोग स्तर :	आयु सीमा : आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 40 वर्ष से कम
लेखा अधिकारी	01 (अना.)	वेतन स्तर 11	

पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन निम्नलिखित पते पर भेजा जाना चाहिए: **कार्यकारी सचिव, भारतीय विज्ञान अकादमी, सी.वी. रामन एवेन्यू, सदाशिवनगर, बेंगलुरु - 560 080 । आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 02 सितंबर 2025 है ।** शैक्षिक योग्यता / अनुभव आदि के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, और निर्धारित आवेदन प्रारूप डाउनलोड करने के लिए, **भारतीय विज्ञान अकादमी की वेबसाइट : www.ias.ac.in/positions देखें** ।

हस्ता /- कार्यकारी सचिव
भारतीय विज्ञान अकादमी

RANI DURGAVATI VISHWAVIDYALAYA, JABALPUR (M.P.)
(Formerly University of Jabalpur)
FAX: 0761-2603752, Tele.: Office: 2600785 Resi.: 2602606, EPABEX: 2600567, 8, 9, E-mail ID:- Storerdvv@gmail.com

S.no/Store/2025/124 Jabalpur dt 24.07.2025

E Tender Notice

Rani Durgavati Vishwavidyalaya Jabalpur invites a Request for bid for the Procurement of Goods-supply, Installation Testing and Commissioning of differemt Lab EQUIPMENTS on a turnkey basis. Interested bidder are requested to view the e-Procurement portal https//mpetenders.gov.in for bid information. The last date for bid submission is 08.08.2025.

Registrar
Rani Durgavati Vishwavidayala Jabalpur

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि-पत्र

ई-निविदा सूचना सं०-DYCE-CON-LJN-EPC-04-2025 जिसकी टेण्डर क्लोजिंग दिनांक: 30-07-2025 को 11:00 बजे थी, वह अब दिनांक: 14-08-2025 को 11:00 बजे होगी। इस सूचना का शुद्धिपत्र *http://ireps.gov.in* वेबसाइट पर भी लोड कर दिया गया है।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I
मुजाधि/डब्लू-177 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र Bank of Maharashtra भारत सरकार का उद्यम

क्षेत्रीय कार्यालय, इरकॉन इंटरनेशनल टावर, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-32, गुरुग्राम, हरियाणा - 122001

ई-नीलामी बिक्री सूचना

बयान राशि सहित बोली जमा करने की अंतिम तिथि 06.09.2025 है।

ई-नीलामी की तिथि और समय 08.09.2025, सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच है।

अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना (परिशिष्ट - IV A)

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के साथ पठित।

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को, तथा विशेष रूप से ऋणी (ऋणियों) एवं जमानतदार (ऋणियों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति/संपत्तियाँ, जो सुरक्षित ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पास बंधक/प्रभारित हैं, और जिनका कब्जा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्राधिकृत अधिकारी, सुरक्षित ऋणदाता द्वारा ले लिया गया है, "जहाँ है जैसी है", "जो है जैसी है" और "ऋणी (ऋणियों) एवं जमानतदार (ऋणियों) से बैंक ऑफ महाराष्ट्र को देय राशि की वसूली हेतु जो भी आधार हो, जैसा कि तालिका में उल्लिखित है, के आधार पर बेची जाएँगी। ऋणी और जमानतदार/गारंटियों का विवरण, देय राशि, अचल संपत्ति और उस पर ज्ञात भार, कब्जे का प्रकार, आरक्षित मूल्य और बयाना राशि और वेतन वृद्धि भी नीचे दी गई है-

क्र. सं.	उधारकर्ताओं और गारंटरों का नाम और पता	देय राशि	अचल संपत्ति का विवरण / कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य / ईएमडी मूल्य / बोली वृद्धि
1.	**उधारकर्ता:** मेसर्स टेकवुड होम्स मालिक श्री अमित रावत के माध्यम से पहला पता: दूसरी मंजिल, 5045/9, नेता जी सुभाष नगर, दरियागंज, दिल्ली, नई दिल्ली-110002 दूसरा पता: 9/52, श्याम ब्लॉक, कैलाश नगर, गांधी नगर, पूर्वी दिल्ली, दिल्ली-110031 **गारंटर:** श्रीमती स्वाति रावत पत्नी श्री अमित रावत पता: दूसरी मंजिल, 5045/9, नेता जी सुभाष नगर, दरिया गंज, दिल्ली, नई दिल्ली 110002 (शाखा गुरुग्राम मुख्य सेक्टर-15 शाखा - 1189)	₹ 2,96,23,534/- **(केवल दो करोड़ छियानवे लाख तेईस हजार पाँच सौ चौंतीस रुपये)** + भविष्य का ब्याज, व्यय और अन्य शुल्क, **30.01.2025** से प्रभावी, 30.01.2025 के बाद की वसूली, यदि कोई हो, घटाकर।	आवासीय फ्लैट संख्या 5045/9, संपूर्ण तृतीय तल, क्षेत्रफल 173.90 वर्ग मीटर, नेता जी सुभाष मार्ग, दरियागंज, श्री अमित रावत पुत्र श्री कुशल रावत के स्वामित्व में, दिनांक 26.10.2021 के पंजीकृत उपहार विलेख, पंजीकरण संख्या 9141, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 19014, पृष्ठ 178 से 188 तक, बिना छत/छत के अधिकार के, निम्नानुसार सीमाबद्धः पूर्वः - 40 फीट। चौड़ी सड़क पश्चिमः - नेताजी सुभाष मार्ग उत्तरः - प्लॉट संख्या 8 दक्षिणः - प्लॉट संख्या 10 **भारः ज्ञात नहीं कब्जे का प्रकारः प्रतीकात्मक**	**आरक्षित मूल्य** 211,00,000/- (केवल दो करोड़ ग्यारह लाख रुपये) **ईएमडी मूल्य - :** 21,10,000/- (केवल इक्कीस लाख दस हजार रुपये) **बोली वृद्धि राशि:** 1,00,000/- (केवल एक लाख रुपये)
2	**उधारकर्ता:** मैसर्स दृष्टि फैब्रिक पार्टनर्स श्रीमती सरिता पत्नी श्री मनीष कुमार और श्री तरूण विकल पुत्र श्री बिट्टू विकल के माध्यम से पहला पता: 31, मेन रोड, शेरपुर, करावल नगर, दिल्ली-110094 दूसरा पता: संपत्ति नंबर 5, खसरा नंबर 554 में से, ग्राम सभापुर, असर मोहल्ला, सरकारी पशु अस्पताल के पास, दिल्ली-110094 **गारंटर:** श्रीमती सरिता पत्नी श्री मनीष कुमार पता: म.नं. 31, गली नंबर 1, शेरपुर, नॉर्थईस्ट, दिल्ली-110094, श्री तरुण विकल पुत्र श्री बिट्टू विकल, पता: एचएफ श्रीमान पता: ए-127, गली नंबर 5, पार्ट-6, पुस्ता-1, सोनिया विहार, नॉर्थ ईस्ट, दिल्ली-110094, (शाखा-गुरुग्राम, सेक्टर-9ए-1455)	₹ 1,70,78,736.00 **(केवल एक करोड़ सत्तर लाख अठत्तर हजार सात सौ छत्तीस रुपये)** + उस पर **03.02.2025** से लागू होने वाला ब्याज, खर्च और अन्य शुल्क, 03.02.2025 के बाद होने वाली वसूली को घटाकर।	सोनिया विहार पॉकेट संख्या 6, ग्राम सादतपुर गुजरान शाहदरा, दिल्ली में स्थित खसरा संख्या 356, खतौनी संख्या 23, गली संख्या 5 के भाग संख्या A-143 वाली अचल संपत्ति का समतामूलक बंधक द्वारा अनन्य प्रभार, जिसका क्षेत्रफल 425 वर्ग गज [355.34 वर्ग मीटर] है, श्रीमती सरिता पत्नी श्री मनीष कुमार के नाम पर, उपहार विलेख संख्या 3723 दिनांक 09.12.2022 द्वारा उप-पंजीयक-IV, सीलमपुर, दिल्ली के कार्यालय में पंजीकृत है और इसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्वः गली 20 फीट रोड पश्चिमः गली 10 फीट रोड उत्तरः श्री की संपत्ति। हीया सिंह दक्षिणः सर्कुलर रोड **भारः ज्ञात नहीं कब्जे का प्रकारः प्रतीकात्मक**	**आरक्षित मूल्य** 271,00,000.00/- (केवल दो करोड़ इकहत्तर लाख रुपये) **ईएमडी मूल्य - :** 27,10,000/- (केवल सत्ताईस लाख दस हजार रुपये) **बोली वृद्धि राशि:** 1,00,000/- (केवल एक लाख रुपये)
	निरीक्षण तिथि और दोनों संपत्तियों ति थ लिए समय : 21.08.2025 से 05.09.2025 तक सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे के बीच			

नोट: संबंधित सोसाइटी द्वारा रखरखाव शुल्क आदि का दावा करने के लिए कुछ बकाया राशि हो सकती है, इसलिए बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे नीलामी में रखी गई संपत्ति के लिए संबंधित सोसाइटी से बकाया राशि, सरकारी अधिकारियों से कोई सरकारी बकाया राशि या बिल्डर द्वारा भुगतान न किए गए किसी भी बकाया राशि की पुष्टि कर लें। संबंधित संपत्ति पर यदि कोई शुल्क देय है, तो बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।

ई-नीलामी ई-बकराय पोर्टल के माध्यम से आयोजित की जाएगी। बोलीदाताओं को वेबसाइट https://ebkray.in/eauction-psb पर लॉग इन करना होगा और अपना पंजीकरण कराना होगा। इस संबंध में कृपया ध्यान दें कि केवाईसी दस्तावेजों के सत्यापन में 2-3 दिन का समय लगता है। इसलिए बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम समय की चिंता/हड़बड़ी से बचने के लिए पहले से ही पंजीकरण करा लें और केवाईसी दस्तावेज अपलोड कर दें। पंजीकरण संबंधी प्रश्नों के लिए संपर्क विवरण 8291220220 supportebkray@psballiance.com हैं।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया बैंक की वेबसाइट (**https://www.bankofmaharashtra.in**) (**और ebkray पोर्टल** (**www.ebkray.in**) पर दिए गए लिंक "**https://ebkray.in/eauction-psb**" पर जाएँ। बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के इस ई-नीलामी को स्थगित/स्थगित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

स्थानः गुरुग्राम क्षेत्र
दिनांक 26.07.2025

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र,
गुरुग्राम क्षेत्र

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY
(Under the Ministry of Education, Govt. of India)
KURUKSHETRA-136119

Advt. No. 16/2025

Walk-In Interview for Guest Faculty

NIT, Kurukshetra requires Guest Faculty in the disciplines of Electrical Engineering, Physics, Mathematics, Chemistry, Humanities & Social Sciences (Economics/ English) and Computer Applications with **PhD in the relevant discipline.** Interested candidates may report for interview to the Heads of the concerned Departments on **01.08.2025** at **09:00 AM** along with application (format available on Institute website), all originals & one set of attested copies of certificates, a recent Passport size photograph and an original Identity proof for verification.

For more details, please visit our website **www.nitkkr.ac.in.**

Registrar I/c

दूसरा प्रयत्न
सार्वजनिक नीलामी सूचना

सर्प अनुसंधान संस्थान. गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण विभाग के अधीन गुजरात फॉरेस्ट्री रिसर्च फाउंडेशन के तत्वावधान में कार्यरत है। इस संस्थान का उद्देश्य क्षेत्र-विशेष के लिए उपयुक्त एंटी-स्नेक वेनम के विकास हेतु लाइसेंस प्राप्त एंटी-स्नेक वेनमनिर्माताओं को लायोफिलाइज्ड (शुष्कीकृत) सर्प विष उपलब्ध कराना है। गुजरात के विषैले सर्पों के विष से तैयार किये गए लायोफिलाइज्ड विष की सार्वजनिक नीलामी की प्रक्रिया दिनांक 29/07/2025 (मंगलवार) को ऑनलाइन पोर्टल http://e-auction.nprocure.com के माध्यम से शुरू की जाएगी।

इस नीलामी में भाग लेने हेतु सभी इच्छुक और अधिकृत एंटी-स्नेक वेनमनिर्माताओं को इस माध्यम से सूचित किया जाता है और आमंत्रित किया जाता है। नीलामी से संबंधित विस्तृत नियम एवं शर्तें तथा अन्य आवश्यक जानकारी उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। अधिक जानकारी के लिए आप ०२६३२-२५४१५१ पर संपर्क कर सकते हैं या कार्यदिवसों में प्रातः १०.३० बजे से शाम ०६.१० बजे के बीच नियामक. सर्प संशोधन संस्थान तथा. डी.सी.ऍफ़ वलसाड (उत्तर). जिला सेवा सदन-२. प्रथम तल. तिथल रोड. वलसाड - ३९६००१ गुजरात के कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं।

ता। २६/०७/२०२५
स्थल : वलसाड

नियामक सर्प संशोधन संसथान
एवं
डी.सी.ऍफ़, वलसाड (उत्तर)

No. INV/Valsad/350/2025

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
फोन: 0755-2526821, 2526822, 2526819

क्र. यो. वा. वि. भो./कु.स./विज्ञा./2025-26/07 दिनांक: 26/07/2025

एस.पी.ए. भोपाल में पोस्ट गेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश के लिए स्पेशल राउंड

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न पोस्ट गेजुएट डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट spabhopal.ac.in देखें। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 02 अगस्त, 2025 है।

कुलसचिव

LALA LAJPAT RAI UNIVERSITY OF VETERINARY AND ANIMAL SCIENCES, HISAR
(Established by Haryana Legislature Act No. 7 of 2010)

ADMISSION NOTICE

Application form for admissions to Under Graduate programmes (B.V.Sc.& A.H. and B.Tech. Dairy Technology) and Post-Graduate (M.V.Sc., M.Tech. & Ph.D.) Programmes- 2025-26 will be available on University website as per details given below :-

Name of Programme	Date of Availability of Application form on University website w.e.f.	Last date for submission of Application Form: Without late fee	Last date for submission of Application Form: Wfth late fee	Mode of submission of Application
B.V.Sc.&A.H B.Tech. (Dairy Technology)	26.07.2025	14.08.2025	20.08.2025	ONLINE
M.V.Sc. M. Tech. Ph.D.	25.08.2025	16.09.2025	20.09.2025	OFFLINE

For more details please read Prospectus 2025-26 which is available on the University website i.e. **https://admission.eluvas.in**

1305/11/99/2026/36968/C/10/6 **Registrar**

निविदा

खेल विभाग, हरियाणा द्वारा जिला फरीदाबाद मे राज्य स्तरीय खेल महाकुम्भ-2025 के अंतर्गत शूटिंग तथा ताईकवाण्डो खेल का आयोजन 2 से 4 अगस्त, 2025 तक कराया जा रहा है। इसमे भाग लेने वाले लगभग 800 खिलाड़ियों हेतु बिस्तर (फोम गद्दा, तकिया, चद्र) किराये पर देने की निविदा आमंत्रित की जाती हैं । बिस्तर अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए तथा दी गई संख्या कम-ज्यादा की जा सकती है। सफल फर्म को बिस्तर खिलाड़ियों के ठहराव स्थल पर पहुंचाने होंगें ।

इच्छुक फर्म बिस्तर किराये पर देने की दरें (सभी कर,खर्च सहित) बंद लिफाफे मे समयाभाव के कारण दिनांक 30.07.2025 दोपहर 1 बजे तक इस कार्यालय मे जमा करवा दें तथा उसी दिन ही सायं 3.00 बजे सभी निविदा कमेटी द्वारा खोल दी जायेंगी । सफल निविदकर्ता को मौके पर ही 50000/-रू0 बतौर सिक्योरिटी का डिमांड ड्राफट द्वारा जमा करानी अनिवार्य होगी।

जिला खेल अधिकारी, फरीदाबाद।

हरियाणा लोक सेवा आयोग
बेज नंबर 1-10, ब्लॉक-बी, सेक्टर -4, पंचकूला

घोषणा

सभी अभ्यर्थियों की जानकारी के लिए यह घोषणा की जाती है कि आयोग ने दिनांक 18.07.2025 की अपनी घोषणा के माध्यम से राजनीति विज्ञान विषय में सहायक प्राध्यापक (कॉलेज संवर्ग) के पद के लिए विषय ज्ञान परीक्षा, जो 20.07.2025 को निर्धारित थी, स्थगित कर दी थी। अब, आयोग ने राजनीति विज्ञान विषय में सहायक प्राध्यापक के पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार आयोजित करने का निर्णय लिया है:-

क्र. सं.	पद एवं विभाग का नाम	विज्ञापन संख्या	परीक्षा का प्रकार	परीक्षा की तिथि एवं समय
1.	उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा में राजनीति विज्ञान विषय में सहायक प्रोफेसर (कॉलेज कैडर)	62/2024	विषय ज्ञान परीक्षा	08.08.2025 प्रातः 10:00 बजे से दोप. 01:00 बजे तक

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे दिनांक 04.08.2025 से आयोग की वेबसाइट http://hpsc.gov.in पर दिए गए लिंक से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड करें।

यह भी स्पष्ट किया जाता है कि उपर्युक्त पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा हेतु अर्हता प्राप्त सभी उम्मीदवारों को विज्ञापन के अनुसार सभी पात्रता शर्तों को पूरा करने के अधीन, अनंतिम रूप से परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जा रही है।

नोट:

1. अभ्यर्थियों को निर्देश दिया जाता है कि वे अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड करें और उसका A-4 आकार के कागज पर प्रिंट ले लें ताकि उनकी तस्वीरें और अन्य विवरण आसानी से देखे/सत्यापित किए जा सकें। जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र छोटे आकार के हैं और जिन पर तस्वीरें/हस्ताक्षर अस्पष्ट हैं, उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। 20.07.2025 को होने वाली परीक्षा के लिए डाउनलोड किए गए प्रवेश पत्र अब मान्य नहीं होंगे।
2. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश पत्र पर दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

दिनांकः 25.07.2025

सचिव,
हरियाणा लोक सेवा आयोग,
पंचकूला

1156/13/339/2026/36984/10/6

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	बंद होने की तिथि खोलने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रुपये में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/संपर्क विवरण/ईमेल
1	लोनिवि भ एवं म, सिरसा	4 अदद सड़कों की सीसीबी, आईपीबी/20 एमएम पीसी बिछाना और रेजिंग, चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण प्रदान करने द्वारा विशेष मरम्मत हेतु विनिआसू अर्थात 1.सिरसा-नत्तर-मोदिया खेड़ा रोड किमी.0 से 0.30 (रोड आईडी-5830)पर सीसीबी को ऊपर उठाना/रिलेइंग प्रदान करना, 2.सलारपुर लिंक रोड किमी.0 से 1.01 (रोड आईडी-5878) पर 20एमएम पीसी प्रदान करना, 3. खाजा खेड़ा से नत्तर रोड किमी. 0 से 0.85 (रोड आईडी-10990) तक सड़क पर एसटीजी/आईपीबी प्रदान करना, 4. सिरसा जिले में सिरसा निर्वाचन क्षेत्र में सलारपुर से मंगला-ऐलनाबाद रोड किमी.0 से 2.90 (रोड आईडी-2193) तक सड़क का सुधार। शीर्ष-5054 (डब्ल्यू.पी. 2024-25) (ग्रुप-3) (जीएसटी के बिना) के अंतर्गत।+ 1 कार्य	23.07.2025 02.08.2025	405.88 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01666-222959 pwd-eepd2-sirsa@hry.nic.in
2	बागवानी सीओईएसएएच, गिग्नाओ, भिवानी	सीओईएसएएच, गिग्नाओ में जॉब रोल आधार पर मेनियल एवं अन्य कार्यों हेतु दर अनुबंध के लिए ई-निविदा।	25.07.2025 24.08.2025	1.30 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416379680 coesahgignow@gmail.com
3	पंचायती राज, ब्लॉक बाढड़ा	गांव कारी रूपा में व्यायाशाला को पूर्ण करना।	27.07.2025 01.08.2025	20.55 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9812347814 xenprcharkhidadri@gmail.com
4	पंचायती राज ब्लॉक चरखी दादरी	गांव मकराना ब्लॉक एवं जिला चरखी दादरी में शिव धाम की चारदीवारी का निर्माण +2 कार्य।	22.07.2025 30.07.2025	35.24 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9812347814 xenprcharkhidadri@gmail.com
5	पंचायती राज ब्लॉक चरखी दादरी	गावं संतोर ब्लॉक एवं जिला चरखी दादरी में जनरल चौपाल को पूर्ण करना। डी-प्लान +1 कार्य।	22.07.2025 30.07.2025	13.41 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9812347814 xenprcharkhidadri@gmail.com
6	पंचायती राज, भिवानी	गांव अहमदवास खेड़ा लोहारू में योगा एवं व्यायामशाला का निर्माण करना। योजना सीएम घोषणा	23.07.2025 29.07.2025	35.47 LACS	https://etenders.hry.nic.in	01664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, रोहतक	जेएलएन एवं बीएसबी के साथ विभिन्न पीएच पर रिटेनिंग वॉल प्रदान करना और आईपीबी से प्रोटेक्टेड डीआई डिलीवरी पाइपें बिछाने हेतु अनुमान।	CLOSING DATE 30.07.2025	16.85 LACS	https://etenders.hry.nic.in	8901388296 rohtakxenmech@yahoo.com
8	पंचायती राज, झज्जर	गांव छप्पार, ब्लॉक मचरौली, जिला झज्जर में स्टेडियम का विकास।	23.07.2025 30.07.2025	14.99 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416721433 prexeengjjr@hry.nic.in
9	पंचायती राज, झज्जर	गांव मदाना खुर्द, ब्लॉक बेरी में पंचायती दीवार से बन्नी सिंह तक गली का निर्माण।	22.08.2025 28.07.2025	17.25 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416721433 prexeengjjr@hry.nic.in

PRDH-11/2026/180/36992/I/10/6 — आगामी जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट पर जाएं : or www.etenders.hry.nic.in

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/कॉर्पो/ऑथ. का नाम	कार्य का नाम निविदा सूचना	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (अनु.) रु. में	बोर्ड /कॉर्पो/ऑथ. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/संपर्क विवरण/ ईमेल
1.	हरियाणा राज्य सहकारी चीनी मिल संघ लिमिटेड, पंचकूला	कास्टिक सोडा फ्लेक्स की खरीद	22.07.2025 07.08.2025	रु. 70,00,000/-	www.haryanasugarfed.com	9888455724 haryanasugarfed@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in देखें। 13/2026/40/36972/I/10/6

HSIIDC — न्यायालय सूचना

न्यायालय भा0प्र0से0, मण्डल आयुक्त, अम्बाला मण्डल, अम्बाला छावनी।

कार्यकारी निगरानी संख्या: 120 वर्ष 2015 — तिथि दायरा 03.07.2015

एच.एस.आई.डी.सी.लि0 मानकपुर बनाम खरैती लाल आदि

नोटिस उत्तरवादीगण न0:-

01- खैराती लाल पुत्र मुनशी राम निवासी वाईपी-2, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, यमुनानगर, जिला यमुनानगर।

02- ओसोन प्लास्टिक प्लाट न0 1, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, यमुनानगर, मै0/ऑफ श्रीमति निर्मल मेहता पत्नी श्री कृष्ण मेहता जिला यमुनानगर।

03- जनता धर्म कांटा, प्लाट न0 1, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, यमुनानगर, मै0/ऑफ प्रीतम सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी किसान आयरन स्टोर, बाई पास चौक, यमुनानगर, जिला यमुनानगर।

04- केवल अभियंता कार्य प्लाट न0 1, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, यमुनानगर, मै0/ऑफ सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री जगत सिंह निवासी यमुनानगर, जिला यमुनानगर।

उपरोक्त वर्णित अनुवान वाद में उपरोक्त लिखित उत्तरवादीगण की तलबी सामान्य प्रक्रिया से की जानी सम्भव ना है। अत: एतद तलबी पत्र द्वारा उक्त उत्तरवादीगण को सूचित किया जाता है कि वह इस न्यायालय में निश्चित तिथि 29.07.2025 को पूर्वाहन 11.00 बजे स्वयं या उनके द्वारा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम् से उपस्थित होना सुनिश्चित करे अन्यथा अनुपस्थित पक्षकारों के विरूद्ध विधि अनुसार एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लाते हुए उनकी अनुपस्थित में वाद का निर्णय कर दिया जायेगा।

आज मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मोहर सहित दिनांक 06.05.2025 को जारी किया गया।

मण्डल आयुक्त, अम्बाला मण्डल।

Haryana State Industrial & Infrastructure Development Corporation Ltd.
Regd. Office: C-13 & 14, Sector-6, Panchkula, Ph. 0172-2590481-83
e-mail: contactus@hsiidc.org.in, web: www.hsiidc.org.in
CIN: U29199HR1967SGC034545

1050/11/274/2026/36999/C/10/6

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY
(Under the Ministry of Education, Govt. of India)
KURUKSHETRA-136119

Advt. No. 16/2025

Walk-In Interview for Guest Faculty

NIT, Kurukshetra requires Guest Faculty in the disciplines of Electrical Engineering, Physics, Mathematics, Chemistry, Humanities & Social Sciences (Economics/ English) and Computer Applications with **PhD in the relevant discipline.** Interested candidates may report for interview to the Heads of the concerned Departments on **01.08.2025** at **09:00 AM** along with application (format available on Institute website), all originals & one set of attested copies of certificates, a recent Passport size photograph and an original Identity proof for verification.

For more details, please visit our website **www.nitkkr.ac.in.**

Registrar I/c

SHRI VISHWAKARMA SKILL UNIVERSITY
(State University enacted under the Government of Haryana Act 25, 2016)
Campus: Village Dudhola, District Palwal (Haryana) Pincode - 121102
Website : www.svsu.ac.in

Open Counselling for category-wise vacant seats will be conducted on July 30th, 2025 and August 01st, 2025.

Category Wise Open Counselling Admission Schedule

S. No.	Skill Faculty Name	Skill Program Name	Venue (Building Name)	Reporting Time
1.	SFASH	UG Certificate/UG Diploma/B.Voc./B.Sc. (Yoga, Clinical Psychology)	Pushpgiri Bhawan (3W)	09:00 A.M. to 12:00 Noon
2	SFMSR	UG Certificate/UG Diploma/D.Voc./BBA/ BHM/B.Voc./B.Com.	Ratnagiri Bhawan (2 W)	
3	SFET	UG Diploma/D.Voc./Diploma/B.Voc./B.Tech	Lalitgiri Bhawan (1E)	
4	SFA	D.Voc./B.Voc.	Odantapuri Bhawan (2E)	

All Eligible candidates who wish to take admission in above above-listed skill programmes of SVSU may report with all necessary documents (Photocopy and original), photographs and prescribed fees as per the above venue and schedule.

2208/11/126/2026/36983/C/10/6

Maharshi Dayanand University Rohtak
(A State University established under Haryana Act No.XXV of 1975)

ADMISSION NOTICE (Advt. No. PR-11 of 2025)

APPRENTICESHIP EMBEDDED DEGREE PROGRAMMES (AEDP) 2025-26

M.D University Rohtak, invites applications for admissions to the following Apprenticeship Embedded Degree Programs (AEDP) for the session 2025-26:

1. **BBA (Hospitality & Services Management) – AEDP Mode (30 Seats)**
2. **BBA (Tourism, Travel & Events Management) – AEDP Mode (30 Seats)**

- Programme Type: Full-Time | Employability-Oriented | Industry Integrated | SFS
- Students from 10+2 in any stream are eligible with 45% Marks (42.75 % in case of SC/ST/Blind/Visually and Differently Abled candidates of Haryana only)
- Admission: Through merit of 10+2 exams and applicable weightage(s).
- Industry Involvement: Mentor-based evaluation, viva voce, structured work logs, Paid Apprenticeship with Industry Partners (Classic Golf & Country Club –Land Base India Limited, A Wholly Owned Subsidiary of ITC Hotels Limited)
- UGC-Compliant | Industry Mentored | Paid Apprenticeship| Future-Ready Curriculum | Tripartite Agreement
- Integrated learning with BOAT and sectoral experts
- Real-time exposure to Hospitality, Tourism & Events Sector
- Last Date to apply: 18 August, 2025

Note: These programmes are designed in accordance with UGC AEDP Guidelines (2025), allowing maximum 4 semesters (2 years) of structured apprenticeship-based learning.

Join India's first-of-its-kind Apprenticeship Embedded Degree Programmes in Hospitality and Tourism at Institute of Hotel & Tourism Management (IHTM), MDU Rohtak.

Empowering you for the real world — from Classroom to Career!

(Interested applicants may also apply for our other regular UG & PG Programmes BTTM/MHMCT/MTTM)

Contact for Admission & Details:
Institute of Hotel & Tourism Management (IHTM)
Maharshi Dayanand University, Rohtak – 124001 (Haryana)
Admission Helpdesk: +91-9992015656, +91-9416350585
Apply Online: www.mdu.ac.in Email: dir.ihtm@mdu.ac.in

1235/11/163/2026/36985/C/10/6

हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर, सेक्टर-26, पंचकूला
(hsbte.org.in)

सार्वजनिक सूचना

सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि एचएसबीटीई ने एचएसबीटीई मई-जून 2025 परीक्षा के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अनुचित माध्य मामलों पर निर्णय लिया है। जिन उम्मीदवारों के यूएमसी मई-जून 2025 परीक्षा के दौरान बनाए गए थे, उनके यूएमसी के निर्णय एचएसबीटीई वेबसाइट, अर्थात hsbte.org.in पर उपलब्ध हैं।

यदि कोई अभ्यर्थी यूएमसी समिति के निर्णय से संतुष्ट नहीं है, तो वह 29.07.2025 तक पंजाब नेशनल बैंक में 250/- रुपए की राशि जमा करके अपीलीय समिति के समक्ष उपस्थित और अपील कर सकता है। इसके लिए चालान लिंक पर उपलब्ध पीएनबी बैंक चालान का उपयोग करें। शुल्क कोड UMCFE चुनें और बैंक चालान HSBTE की वेबसाइट hsbte.org.in से डाउनलोड कर सकते हैं। ऐसे सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे यूएमसी के निर्णयों को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार यूएमसी अपीलीय समिति के समक्ष अपीलीय समिति में उपस्थित और अपील कर सकते हैं:-

क्र. सं.	सुनवाई का स्थान	समय	वेबसाइट hsbte.org.in पर दी गई सूची के अनुसार क्रमांक	सुनवाई की तिथि
1	हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड, राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर, सेक्टर-26, पंचकूला	सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक	क्रमांक 1 से 592	30.07.2025 (बुधवार)

अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे एचएसबीटीई वेबसाइट अर्थात hsbte.org.in पर उपलब्ध 'दिनांक 30.07.2025 को होने वाली अपीलीय समिति की बैठक के संबंध में सूचना' को देखें तथा उपरोक्त निर्धारित तिथि, समय और स्थान के अनुसार अपीलीय समिति के समक्ष अपील कर सकते हैं तथा उपस्थित हो सकते हैं।

सचिव
एचएसबीटीई

2232/11/29/2026/36954/C/10/6

हरियाणा सरकार

"आज हमारी सरकार का हर निर्णय, हर नीति विकसित भारत को समर्पित है और विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार हमारे किसान हैं।"
- नरेन्द्र मोदी

हरियाणा में वातानुकूलित इकाइयों को स्थापित करने का सुनहरा अवसर

वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित मदों के अन्तर्गत 35% - 50% अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित

• कोल्ड स्टोरेज इकाई • एकीकृत पैक हाउस • फल पकाने वाला चैम्बर
• फार्म गेट पैक हाउस • सोलर रुफटॉप • वातानुकूलित वैन आदि

- इकाइयों पर कृषि अवसंरचना कोष के अन्तर्गत ब्याज दर पर 3% तक छूट।
- फसल तुड़ाई उपरांत प्रबंधन इकाइयों/मदों के लिए ₹ 5457 लाख का लक्ष्य निर्धारित है।
- योजना का लाभ 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर।
- इच्छुक प्रार्थी http://hortnet.hortharyana.gov.in पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं व पूर्ण प्रोजेक्ट रिपोर्ट सभी सम्बंधित दस्तावेजों के साथ अपने जिले के जिला उद्यान अधिकारी के कार्यालय में जमा करवाएं।

सोलर रुफ टॉप

कोल्ड स्टोरेज

अधिक जानकारी के लिए

अपने जिले के जिला **उद्यान अधिकारी** से सम्पर्क करें — अथवा — कॉल करें (टोल फ्री नंबर) **1800-180-2021** — अथवा — क्यू आर कोड स्कैन करें

बागवानी मिशन
Horticulture Mission

उद्यान विभाग हरियाणा
सैक्टर –21, पंचकूला –134116
वेबसाइट :- www.hortharyana.gov.in ई-मेल :-horticulture@hry.nic.in

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @dipharyana

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा के WhatsApp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

फीचर इम्पेक्ट

VPower
Power Efficient
A Dialouge With VPS

Vishwakarma Power Solutions - पॉवर सेविंग सोल्यूशन के प्रति हरियाणा में बना मिसाल

जोश-होश में चलो, जुनून से आगे बढ़ो, कामयाबी जरूर मिलेगी, यही है हमारा सक्सेस मंत्रा : संजीव जाँगड़ा

संजीव जाँगड़ा
Director
Vishwakarma Power Solutions, Hisar
Since 2009
(MSME No. UDYAN-HR-06-0027842)

पत्नी : श्रीमती सुनीता देवी (गर्वमेंट टीचर)
जन्मतिथि व स्थान : 3 नवंबर 1974, हिसार
शिक्षा : इलैक्ट्रिोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियंरिंग, बैंगलोर
पिता जी : स्व. श्री सी.एम. जाँगड़ा
माता जी : श्रीमति चमेली देवी
परिवार : पुत्र - तुषार जाँगड़ा, बी. टेक मैकेनिकल
पुत्री - भूमिका जाँगड़ा, बीकॉम, सीए प्रेपरेशन
Channel Partners : • moseta® RENEWABLE LUXURY - 2023
• **Solar Power Tree - 2025**

संजीव जाँगड़ा का जन्म 3 नवंबर 1974 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री सीएम जाँगड़ा पब्लिक हेल्थ (वॉटर सप्लाई) में कार्यरत थे। उनकी माता श्रीमति चमेली देवी एक सरल हृदय और धार्मिक प्रवृति की महिला है। संजीव जाँगड़ा की शिक्षा हिसार में हुई। उन्होंने अपनी इलैक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की डिग्री बैंगलोर से प्राप्त की। एक साधारण परिवार होने के बावजूद उन्होने अपनी मेहनत व जुनून के बल पर काफी कामयाबी पाई।

उनका शुरुआती जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा। शुरुआत में उन्होने अपने करियर की शुरुआत **HCL Infosystem** में ट्रेनी कस्टमर स्पोर्ट इंजीनियर से शुरू की। **2** साल तक वहां उन्होंने अपने पुरे जोश व जुनून को काम किया। सभी प्रकार के कम्पयुटर सोल्यूशन का कार्य बड़ी बखूबी से निभाया। उन्होंने कुछ समय तक मीडिया अखबार में सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर कार्य किया। लेकिन **2008** में एक दुर्घटना के बाद काफी समय तक घर पर रहे। तब उनके दिमाग में **Power Saving** सोल्यूशन की तरफ जाने का जुनून जागृित हुआ और एक नई सोच को जन्म दिया।

2009 में संजीव जाँगड़ा ने **V Power Solutions** की शुरूआत की ओर **LED Light** व **Solar** के साथ अपने व्यवसाय की शुरुवात की और **Power Saving Concept** को बढ़ावा दिया। शुरुआत में उनको काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लेकिन वे अपना सपना पूरा करने चाहते थे। जिसमें वे रात-दिन लगे रहते थे। अपने परिवार को भी पूरा समय भी नही दे पाते थे। उनका कहना था कि कस्टमर को **Power Saving** के बारे में ही नहीं बताना चाहिए ब्लकि उनको जरूरत के हिसाब से अलग-अलग सोल्यूशनभी देने चाहिए। उन्होने **Power Saving Soler** के क्षेत्र में अपने क्लाइंट की जरूरत के हिसाब से उनको सोल्यूशन दिया।

उन्होने हिसार व आस-पास के क्षेत्र में कई **Events** करके सोलर के बारे में लोगों को जागरूक किया और **Solar Water Heating System** के विषय में लोगों को बताया जोकि काफी सफल रहा।

सामजिक कार्य : अपनी दुर्घटना से प्रेरित होकर उन्होने समय-समय पर ब्लड डोनेट करते रहते हैं। वे भारत विकास परिषद के साथ भी जुडे हुए हैं।

Power Saving के प्रति इनका जुनून आज हिसार क्षेत्र के लिए मिसाल बन गया है। उनका कहना है कि ने बीते 16 सालों से **Power Saving** के क्षेत्र में काम करते आ रहे है। वो ना केवल सोलर पैनल लगाते हे ब्लकि लोगों को उनके अनुकुल पावर सोल्यूशन प्रदान करते है। संजीव ने अपनी मेहनत से से साबित किया की कठिन संघर्षों के बावजूद ही सफलता हासिल की जा सकती है।

पत्नी सुनीता देवी, पुत्र तुषार व पुत्री भूमिका के साथ संजीव जाँगड़ा

V Power Solutions प्रणाली क्यों चुनें

1. बिजली बिल में कमी

सौलर पैनल स्थापित करने से आपकी बिजली की आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा सूर्य से प्राप्त होता है, जिससे बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आती है। कुछ मामलों में, अतिरिक्त उत्पन्न ऊर्जा को ग्रिड में वापस भेजकर क्रेडिट भी प्राप्त किया जा सकता है।

2. पर्यावरण संरक्षण

सौर ऊर्जा प्रणाली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन नहीं करती, जिससे यह पर्यावरण के लिए अनुकूल है। यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम करती है।

3. ऊर्जा स्वतंत्रता

सौर प्रणाली अपनाने से आप ऊर्जा के लिए ग्रिड पर निर्भर नहीं रहते, जिससे आप ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करते हैं, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ बिजली की आपूर्ति अनियमित है।

4. लंबी अवधि में निवेश पर लाभ

सौर पैनलों का जीवनकाल आमतौर पर 25-30 वर्षों का होता है। इस अवधि में, यह प्रणाली अपनी लागत से कहीं अधिक बचत प्रदान करती है।

V Power Solutions प्रणाली के प्रकार

1. ग्रिड-टाई (Grid-Tie) प्रणाली

यह प्रणाली सीधे बिजली ग्रिड से जुड़ी होती है। जब सौलर पैनल ऊर्जा उत्पन्न करते हैं, तो ऊर्जा ग्रिड में जाती है, जिससे उपभोक्ता को क्रेडिट मिलता है।

2. ऑफ-ग्रिड (Off-Grid) प्रणाली

यह प्रणाली पूरी तरह से ग्रिड से स्वतंत्र होती है और बैटरियों के माध्यम से ऊर्जा संग्रहित करती है। यह उन क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है जहाँ बिजली की आपूर्ति नहीं है।

3. हाइब्रिड (Hybrid) प्रणाली

यह प्रणाली ग्रिड-टाई और ऑफ-ग्रिड दोनों का संयोजन है। यह ग्रिड से जुड़ी होती है, लेकिन बैटरियों के माध्यम से बैकअप भी प्रदान करती है।

विकल्प

1. रूफटॉप सोलर (Rooftop Solar)

यह सबसे सामान्य और लोकप्रिय विकल्प है, जहाँ सौर पैनल भवन की छत पर स्थापित किए जाते हैं। यह स्थान की बचत करता है और स्थापना में सरलता प्रदान करता है।

2. ग्राउंड-माउंटेड सोलर (Ground-Mounted Solar)

यह प्रणाली जमीन पर स्थापित की जाती है, विशेषकर तब जब छत पर पर्याप्त स्थान न हो। यह बड़े पैमाने पर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयुक्त है।

3. फ्लोटिंग सोलर (Floating Solar)

यह प्रणाली जलाशयों या तालाबों पर तैरती हुई सौर पैनलों का उपयोग करती है। यह भूमि की बचत करती है और जल वाष्पीकरण को भी कम करती है।

लागत और सब्सिडी

भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारें सौर ऊर्जा प्रणाली की स्थापना के लिए सब्सिडी प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा योजना के तहत, पात्र उपभोक्ताओं को 78,000/- से 1,10,000/- तक की सब्सिडी मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, कुछ राज्यों में अतिरिक्त प्रोत्साहन भी उपलब्ध हैं।

V Power Solutions ने 2024-25 में सोलर पावर ट्री को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के साथ टाईअप किया जिससे कि गर्वमेंट सैक्टर व कंपनियों में कम स्पेस में सोलर पैनल लगाया जा सके। सोलर ट्री द्वारा इनोवेटिव तरीके से, कम जगह पर सोलर एनर्जी सोल्यूशन प्रदान करती है। जिन्हें प्राकृतिक वृक्षों के समान डिज़ाइन किया गया है और ऊर्जा उत्पादन को अधिकतम किया गया है। ये पेटेंट प्राप्त संरचनाएँ कार्यक्षमता और सौंदर्य का संयोजन करती हैं, जो नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एक भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। प्रत्येक सौर वृक्ष को पारंपरिक सौर ऊर्जा संयंत्रों की तुलना में न्यूनतम भूमि स्थान (98% तक कम) की आवश्यकता के लिए डिज़ाइन किया गया है - **जो उन्हें शहरी वातावरण, पार्कों, सार्वजनिक स्थानों आदि के लिए आदर्श बनाता है।** इसमें पारंपरिक सौर पैनलों की तुलना में 98% कम भूमि क्षेत्र की आवश्यकता होती है। जहां लगाते हैं वहां सौंदर्य बढ़ाते हैं। सरकारी सब्सिडी और नेट मीटरिंग विकल्पों के साथ उच्च ROI। अनुकूलन योग्यः विशिष्ट ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित डिज़ाइन और क्षमताएँ।

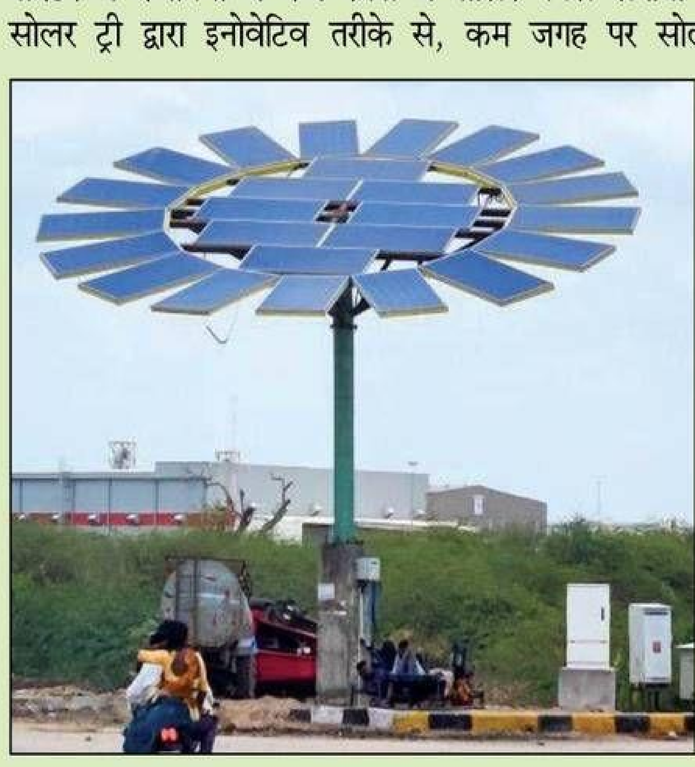

Solar Tree at Sanand GIDC Footpath which can make light bill zero of 150+Street Light

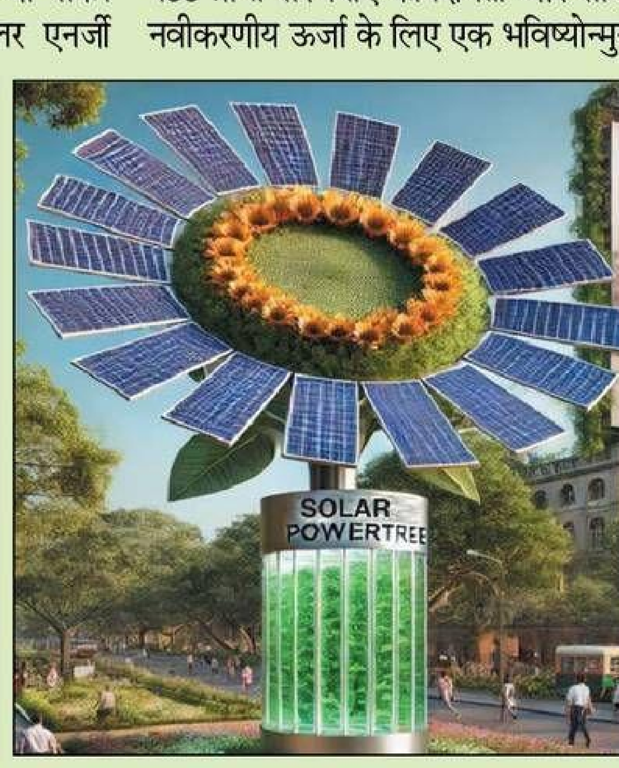

Solar Oxygen Tree- Worlds First Solar Tree with Air Purification and Oxygen Generation Capabilities - Upcoming

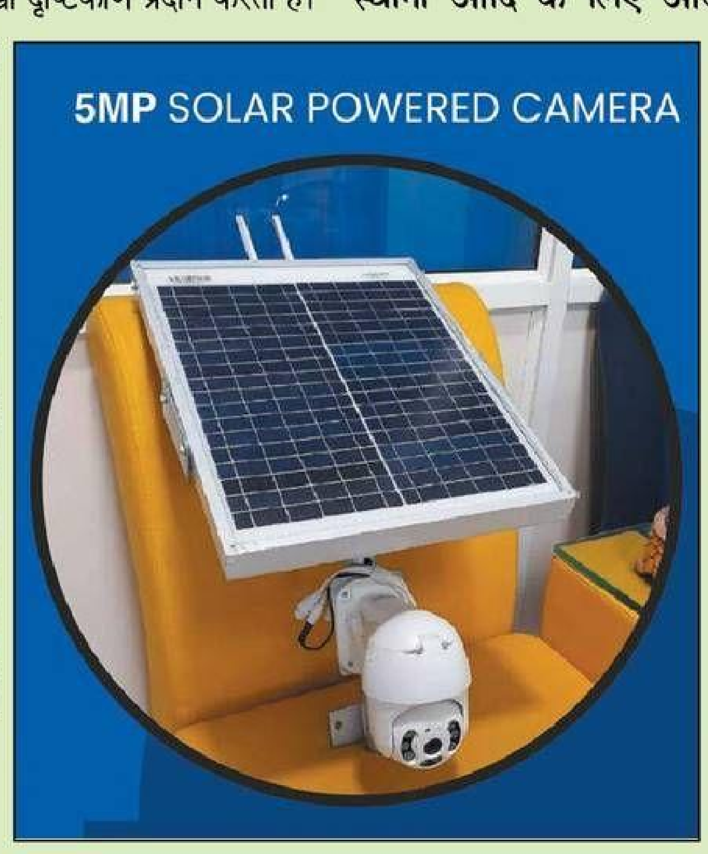

IEC Certified: Ensures international safety and performance standards. **Weatherproof Design**: Certified for wind and water resistance. **Smart Monitoring**: loT-enabled monitoring system for real-time performance tracking.

भारतीय Technology के साथ AC के Field मे क्रन्तिकारी शुरुआत (Made in India)

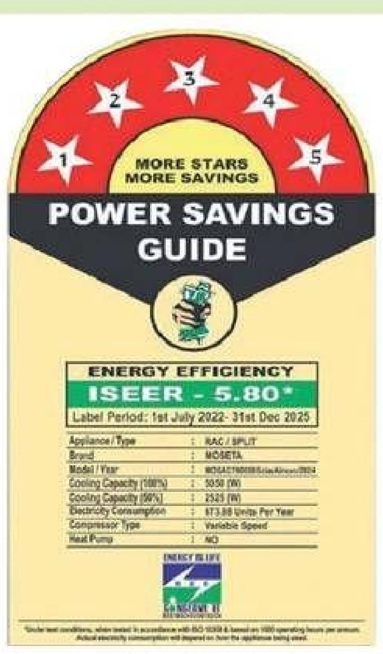

Benefits of Solar AC

1. Approved from BEE with 5.8* Rating.
2. Patient Technology.
3. 1st AC which can be run on double battary inverter.
4. Same AC run on both **Electricity** as well as **Solar.**
5. Consume only 6-7 unit per 12 hrs.
6. Hybrid AC 1.5 Ton run on 550 W Solar Pannel.
7. Warranty* 10 years on compressor with 5 years on PCB

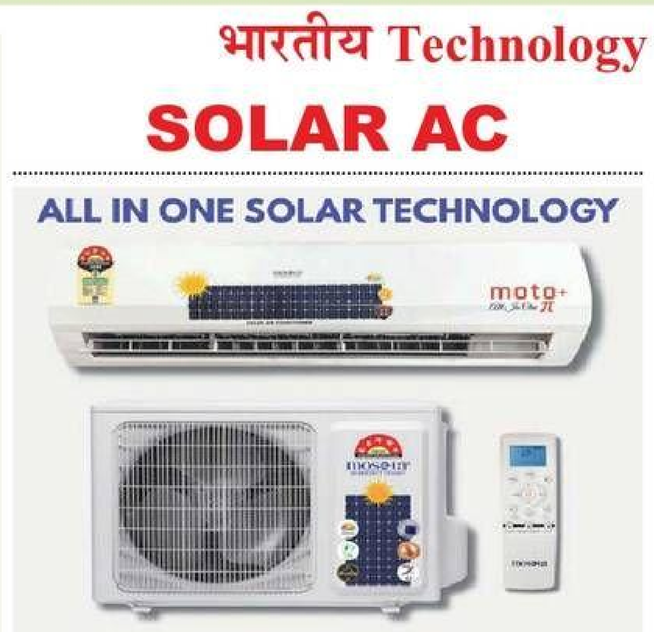

VPower
Power Efficient
A Dialouge With VPS

VISHWAKARMA POWER SOLUTIONS

Plot No. 697, Khasra No. 5900-01, Dhani Jaidev Nagar, Nirankari Bhawan Road, Dabra Chowk, Hisar-125001

Mob : 8684000692, 8684000693

Email : vpshsr@gmail.com, sales@vpower.in

प्रेरणा
प्लान के बिना लक्ष्य... सिर्फ एक इच्छा है।
- एंटोनी दा सेंत

संपादकीय
नागरिकता अगर फर्जी है तो सरकार से पूछें लोगों से नहीं

पिछली सुनवाई में आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड को भी वैध दस्तावेज मानने की एससी की सलाह को खारिज करते हुए चुनाव आयोग ने अपने नए हलफनामे में कहा है कि विगत 7 मार्च के प्रेस नोट में स्वयं सरकार ने बताया कि 5 करोड़ फर्जी राशन कार्डधारकों के नाम हटाए हैं। आयोग ने यह भी कहा कि वोटर लिस्ट से नाम हटने का मतलब यह नहीं कि नागरिकता खत्म हो जाएगी। आयोग ने कोर्ट से कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण नागरिकता तय करने के लिए नहीं है। जबकि संविधान की शुरुआत ही 'हम भारत के नागरिक' से होती है यानी राज्य और उसकी संस्थाएं इसी नागरिक की संयुक्त सोच की उपज हैं। ब्रिटेन और भारत के नागरिकों में यही फर्क है कि ब्रिटेन में राज्य (राजा) ने समय-समय पर प्रजा को शक्ति बख्शी है जबकि भारत में नागरिकों ने राज्य को सुचारु रूप से काम करने के लिए कुछ शक्तियां दी हैं। इसीलिए मौलिक अधिकार के लिए आवेदन नहीं देना पड़ता। सड़क पर चलना, अभिव्यक्ति या अन्य मौलिक अधिकार राज्य तभी रोक सकता है, जब इसका कोई युक्तियुक्त आधार हो। मताधिकार भी उन्हीं मौलिक अधिकारों का बाय-प्रोडक्ट है। आयोग का यह तर्क भी ठीक नहीं कि वह किसी की नागरिकता नहीं ले रहा है, क्योंकि वह चाहे भी तो ऐसा नहीं कर सकता। अगर राशन कार्ड या आधार फर्जी हैं तो इसे सिद्ध करने का जिम्मा भी राज्य पर है न कि जनता पर।

जीने की राह
पं. विजयशंकर मेहता
humarehanuman@gmail.com

गर्भावस्था में दो चीजों से दूर रहिए- भय और उदासी

गर्भावस्था एक नैसर्गिक स्थिति है। इसे बहुत अधिक ताम-झाम से ना जोड़ा जाए। आजकल अस्पतालों में प्रसव के लिए भी बड़े प्रबंधन किए जाते हैं। इसमें सावधानी की अधिक जरूरत है, और वह भी भावनात्मक। पिछले दिनों हवाई यात्रा में मेरे पास की सीट पर एक गर्भवती बहन बैठी थीं। उन्हें भय लग रहा था। तब मैंने उनसे कहा था कि बहन जी, गर्भावस्था में दो चीजों से दूर रहिए- भय और उदासी। परिवार को सबसे बड़ी ताकत मानिए। इसका असर गर्भस्थ शिशु पर पड़ता है। परिवारों में इस बात का बहुत हल्ला है कि बेटे-बेटी में भेद होता है। लालन-पालन में भेद ना करें। लेकिन कुछ बातें दोनों में नैसर्गिक अलग हैं। वैज्ञानिकों ने साबित किया है कि मां की उदासी-परेशानी का असर गर्भस्थ शिशु पर बेटे या बेटी होने पर अलग-अलग पड़ता है। कन्या है तो उदासी को अलग रूप में लेगी और उसके जीवन में प्रभाव पड़ेगा। पुत्र है तो असर अलग होगा। इसलिए गर्भस्थ शिशु के प्रति सबकी जिम्मेदारी है कि हम उसे संसार बहुत अच्छे ढंग से दिखाएं। • Facebook:Pt. Vijayshankar Mehta

विश्लेषण • विधानसभा चुनाव में महज तीन माह शेष
बिहार में सियासी समीकरण बदलते हुए नजर आ रहे हैं

राजनीति

संजय कुमार
प्रोफेसर व राजनीतिक टिप्पणीकार
sanjay@csds.in

बिहार में एनडीए के प्रमुख सहयोगी राष्ट्रीय लोक जनता दल के नेता उपेंद्र कुशवाहा ने कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सलाह दी कि अब उन्हें जदयू की बागडोर छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सत्ता और पार्टी, दोनों की कमान संभाले रखना उनके लिए व्यावहारिक नहीं होगा। हालांकि कुशवाहा ने स्पष्ट शब्दों में नीतीश के बेटे निशांत कुमार का नाम उनके उत्तराधिकारी के रूप में तो नहीं लिया, लेकिन उन्हें एक 'नई उम्मीद' जरूर बताया। यह पूछे जाने पर कि क्या नीतीश ही एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे, भाजपा नेता हमेशा इस सवाल से बचते नजर आते हैं। हालांकि उनकी यह राय कायम मालूम होती है कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में ही चुनाव में उतरेगी। एनडीए की अन्य सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी के नेता ने भी हाल ही में कहा कि वे भी चाहते हैं कि चुनाव में एनडीए का नेतृत्व एक मजबूत नेता के हाथ में हो। यह बताता है कि नीतीश के नेतृत्व को लेकर एनडीए सहयोगियों में एक बेचैनी-सी है। ग्राउंड रिपोर्ट्स और सर्वे भी इस ओर इशारा कर रहे हैं कि नीतीश की लोकप्रियता घट रही है। तो क्या बिहार में एनडीए धीरे-धीरे अपना आधार खो रहा है और महागठबंधन की पकड़ मजबूत हो रही है?

इंडिया गठबंधन का 'भारत बंद' भले ही कई राज्यों में सफल नहीं हो पाया हो, लेकिन बिहार में इसका असर अधिक दिखा। 'बिहार बंद' और चक्काजाम तत्काल व्यापक प्रदर्शन में बदल गया। सड़कें जाम की गईं, टायर जलाकर प्रदर्शन हुए। सरकार की श्रम नीति के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन एक तीक्ष्ण राजनीतिक औजार बन गया। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की अगुआई में महागठबंधन ने चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के मुद्दे पर तीखे हमले किए। चूंकि कांग्रेस और राजद के कार्यकर्ता सड़कों पर थे, इसलिए बिहार बंद प्रभावी रहा। हमें नहीं भूलना चाहिए कि 2020 के बिहार चुनाव में भले ही एनडीए ने सरकार बनाई हो, लेकिन महागठबंधन वोट शेयर और सीट, दोनों के मामले में मामूली ही पीछे था।

एनडीए के दोनों साझेदार, भाजपा और जदयू, के पास एक ताकतवर संगठनात्मक नेटवर्क है। उन्हें हिंदुओं के उच्च तबके और गैर-यादव ओबीसी वोटों पर भरोसा है। महिलाओं में भी गठबंधन की गहरी पैठ है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण की नीतीश की घोषणा ने इसे और बढ़ाया है। दशकों से नियमित बिजली आपूर्ति, सड़क निर्माण, शराबबंदी और समाज कल्याण की योजनाओं के दम पर एनडीए खुद को सरकार के लिए एक उपयुक्त गठबंधन के तौर पर प्रस्तुत करता है। लेकिन राज्य स्तर पर गठबंधन के पास नेतृत्व का संकट है। न केवल नीतीश की लोकप्रियता में कमी दिख रही है, बल्कि उनके गठबंधन सहयोगी भी सवाल उठाने लगे हैं। कानून-व्यवस्था बदतर हो रही है। हाल ही में हुई कई हत्याओं से भी गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा है। एनडीए के सहयोगियों को ध्यान रखना होगा कि भले ही उन्होंने 2020 के चुनाव के बाद सरकार बना ली हो, लेकिन वोटों के बहुत कम अंतर से ऐसा संभव हो सका था। एक भी गलती राह में रोड़ा बन सकती है।

दूसरी ओर, महागठबंधन में राजद और कांग्रेस का भरोसा अल्पसंख्यक और ओबीसी, खासतौर पर मुस्लिम और यादव वोट बैंक पर टिका है। तेजस्वी तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर मुख्यमंत्री पद के लोकप्रिय उम्मीदवार के तौर पर उभर रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई और पलायन जैसे बुनियादी मुद्दों पर उनकी अपील गरीब तबके में

नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर एनडीए सहयोगियों में एक बेचैनी-सी है। उनकी लोकप्रियता भी घटती बताई जा रही है। तो क्या बिहार में एनडीए धीरे-धीरे आधार खो रहा है और महागठबंधन की पकड़ मजबूत हो रही है?

कारगर असर करती दिख रही है। फिर भी महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच भले ही सीटों को लेकर समझौता हो जाए, इस साझेदारी की ताकत असंतुलित और बिखरी हुई रहेगी। कांग्रेस को इसकी कमजोर कड़ी माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मौजूदा चुनावी हैसियत से अधिक सीटें मांग रही है। पिछले चुनाव में वह 70 में से महज 19 सीटें ही जीत पाई थी। लालू प्रसाद यादव के शासन के दौरान बिहार पर लगा 'जंगलराज' का ठप्पा अभी भी राजद को ढोना पड़ रहा है। खासकर, बुजुर्ग वोटरों के दिमाग में पुरानी छवि अभी धुंधली नहीं हुई है।

प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भले ही बिहार में किसी दिग्गज की तरह स्थापित नहीं हुई हो, लेकिन इसने खासतौर पर युवा और शहरी वोटरों का ध्यान खींचा है। प्रशांत किशोर की स्वच्छ छवि, जात-पांत की राजनीति से दूरी और 'गवर्नेंस-फर्स्ट' की नीति पर जोर उनकी पार्टी को इस चुनाव में एक नई शुरुआत देता दिख रहा है। चुनाव में महज तीन माह शेष हैं, इसलिए हर दल, हर गठबंधन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मुद्दा • जीएसटी का इसके अनुरूप होना जरूरी है
'कैश-फ्री' होने की राह में आ रही हैं टैक्स संबंधी अड़चनें

इकोनॉमी

डॉ. अरुणा शर्मा
इस्पात मंत्रालय की पूर्व सचिव
arunasharma1908@gmail.com

बीते सालों में अर्थव्यवस्था की प्रमुख चिंताओं में से एक इसमें काले धन का प्रवाह और नकद लेनदेन रहा है। नोटबंदी के प्रमुख उद्देश्यों में इनकी लगाम कसना भी था। नोटबंदी से बाजार में मौजूद 15 लाख करोड़ की नकदी बैंक खातों में पहुंच गई, और इस प्रकार यह नीति देश की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता मानी गई। आरबीआई के अनुसार इस साल तक नकद बाजार में फिर से 36 लाख करोड़ रु. हो गए हैं।

लेकिन आज एक 'कैश-फ्री इकोनॉमी' में शिफ्ट के सराहनीय उद्देश्य के प्रति समग्र दृष्टिकोण का अभाव नजर आता है। उच्च-स्तरीय आरबीआई समिति की सिफारिशों में से एक यह था कि सरकार के सभी अंगों द्वारा डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित किया जाए और इसे विशेष रूप से कर-प्रोत्साहन दिया जाए। यही कारण था कि आज जी2पी (सरकार से व्यक्ति) से लेकर पी2जी (व्यक्ति से सरकार) तक के अनेक लेनदेन डिजिटल हो पाए हैं। चाहे वह नकद लाभ का वितरण हो, खरीद के लिए भुगतान हो, ठेकेदारों को भुगतान हो या व्यक्तियों द्वारा बिलों के पेमेंट हों- सरकारी अधिकारियों को किए जाने वाले किसी भी भुगतान में पारदर्शिता लाना, उन्हें आसान बनाना और नकदी पर निर्भरता कम करना ही इस पूरी कवायद का मकसद रहा है। इसके पीछे यह भी सोच थी कि इससे काले धन को छिपाना मुश्किल हो जाएगा।

लेकिन अब यह हो रहा है कि जीएसटी के बहुत अधिक प्रतिशत के कारण फिर से नकदी को प्रोत्साहन मिल रहा है और डिजिटल भुगतान प्रणाली हतोत्साहित हो रही है। यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट), आईएमपीएस (इमिजिएट पेमेंट सर्विस) और बीबीपीएस (भारत बिल पे फॉर बिजनेस) को एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) और आरबीआई के नियमों के चलते बढ़ावा मिला था, जिससे लेन-देन आसान हो गया था और इनका उपयोग बढ़ा था। लेकिन अब खबरें आई हैं कि बेंगलुरु में कुछ विक्रेताओं ने अपनी दुकानों पर तख्ती लगा दी है- 'नो यूपीआई ओनली कैश!'

कारण, कठोर जीएसटी सिस्टम के कारण टर्नओवर वस्तुओं के लिए 40 लाख को पार कर गया है, वहीं यह सेवाओं के लिए सिर्फ 20 लाख रुपए हुआ है। ई-कॉमर्स पर छोटे निर्माताओं और विक्रेताओं की निर्भरता पहले ही सीमित हुई है, क्योंकि इसके लिए जीएसटी नंबर और फिर बोझिल मासिक अनुपालन की आवश्यकता होती है। ऐसे में कोई भी यह शुतुरमुर्गी दृष्टिकोण नहीं अपना सकता कि जीएसटी की भूमिका केवल अधिकाधिक कर वसूलना हो। एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा, क्योंकि जीएसटी का यह पहलू अर्थव्यवस्था को कैश-फ्री बनाने के लक्ष्य को क्षति पहुंचाएगा।

इसलिए डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर कर-प्रोत्साहन देने के लिए आरबीआई द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के अन्य अनुशंसित बिंदुओं की तरह कार्रवाई करने की आवश्यकता है। यदि लेन-देन डिजिटल हैं तो सीमा 40 लाख से बढ़कर 80 लाख हो जाएगी। ई-कॉमर्स और खाद्य वितरण सेवाओं में वृद्धि को देखें, जहां सेवाओं के लिए 20 लाख की सीमा अतार्किक है। यह केवल टर्नओवर पर आधारित है और उनमें से अधिकतर छोटे मार्जिन पर काम करते हैं और जीएसटी को वहन नहीं कर सकते। प्रतिस्पर्धी बाजार में ग्राहकों पर बोझ बढ़ाना असंभव है।

इसी तरह, आयकर जैसे प्रत्यक्ष करों के लिए भी 80% भुगतान डिजिटल खातों से किए जाने पर छूट

छोटे विक्रेताओं को जीएसटी नोटिस मिलने से वे क्यूआर कोड हटा रहे हैं और नकद की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। इससे खरीदारों की एक पूरी श्रृंखला को फिर से कैश की ओर लौटना पड़ेगा। इससे बैंकों और बाजारों में लोगों की भीड़ भी बढ़ेगी।

मिलनी चाहिए। ये दोनों अभी तक लागू नहीं हुए हैं। जीएसटी के नोटिस- जिसके परिणामस्वरूप नकदी की ओर रुख बढ़ा है- डिजिटल भुगतान प्रणाली में आए विश्वास, तकनीकी और पारदर्शिता के लिए नुकसानदेह साबित होंगे। जबकि सीमा में वृद्धि से छोटे असंगठित क्षेत्र के विक्रेताओं का डर कम होगा और उन्हें उस डिजिटल भुगतान प्रणाली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिस पर देश को गर्व है।

कैश-फ्री इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए सरकार, रेगुलेटर, भुगतान प्रणाली, कनेक्टिविटी जैसे विभिन्न हितधारकों के मिले-जुले प्रयास अब जीएसटी नोटिसों के प्रति कठोर दृष्टिकोण के कारण बेकार होते दिख रहे हैं। छोटे विक्रेताओं को जीएसटी नोटिस मिलने से वे क्यूआर कोड हटा रहे हैं और नकद की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। इससे खरीदारों की एक पूरी श्रृंखला को फिर से कैश की ओर लौटना पड़ेगा। बैंकों के साथ ही बाजारों में भी ग्राहकों की भीड़ बढ़ेगी। यकीनन, यूपीआई का यह लक्ष्य तो नहीं था।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

26 जुलाई के अंक से विशेष अनुबंध के तहत सिर्फ दैनिक भास्कर में
इकोनॉमिस्ट की कवर स्टोरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आर्थिक प्रभावों पर फोकस किया गया है। मैग्जीन ने इजराइल सरकार और सेना के बीच मतभेदों पर खास खबर दी है।
The Economist
दैनिक भास्कर
अब आप इकोनॉमिस्ट के सभी आर्टिकल DB एप पर हर शनिवार पढ़ सकते हैं। डाउनलोड करें डीबी एप।

वर्ल्ड इन ब्रीफ
चीन में वर्षों बाद बोलचाल में 'कॉमरेड' की वापसी

चीन में माओ जे दांग के शासनकाल में लोग एक दूसरे को कॉमरेड कहकर संबोधित करते थे। लेकिन 1976 में माओ की मौत और आर्थिक सुधारों के बाद कॉमरेड या टोंगझी प्रचलन से बाहर हो गया। शियानशेंग (मिस्टर), मीनू (खूबसूरत महिला) और लाओबान (बॉस) जैसे शब्द अभिवादन में ज्यादा प्रचलित हैं। लोगों में हलचल मच गई जब सरकारी अखबार पीपुल्स डेली ने लिखा कि हर दिन की बोलचाल में टोंगझी शब्द की वापसी होनी चाहिए। सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी में कॉमरेड का इस्तेमाल होने की ज्यादा संभावना है।

ब्रिटेन में 73% लोगों को दंगे भड़कने की आशंका

पिछले साल जुलाई के अंतिम सप्ताह में ब्रिटेन के कई शहरों में भड़के दंगों में इमिग्रेंट्स के खिलाफ चल रहा तनाव सामने आया था। एक ताजा सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने कहा कि अगले कुछ वर्षों में दंगे भड़कने की बहुत अधिक आशंका है। 61 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे दंगाइयों और विरोध प्रदर्शन करने वालों से असहमत हैं। दंगों से ब्रिटेन की एकजुटता को आघात लगा है। दस में चार लोगों का कहना है कि ब्रिटेन अब पहले से अधिक विभाजित है।

यूरोपीय देशों ने ईरान से बातचीत का ऑफर दिया

ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने कहा है कि वे ईरान से परमाणु मसले पर एक अन्य दौर की बातचीत करेंगे। वे चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की न्यूक्लियर टीम ईरान का निरीक्षण करे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा रद्द किए गए करार के स्थान पर एक अन्य करार करने के लिए अमेरिका से भी बातचीत की जाएगी। लेकिन ईरान अमेरिका से बातचीत करना चाहता है लेकिन वह यूरेनियम संवर्द्धन कार्यक्रम रोकने के लिए तैयार नहीं है। यूरोपीय देशों ने धमकी दी है कि ईरान ने उनकी मांगें नहीं मानी तो वे प्रतिबंध लागू कर देंगे।

© 2022 The Economist Newspaper Limited. All rights reserved

टेक्नोलॉजी • सुपर इंटेलिजेंस से मानवता को चुनौती, लेकिन दुनिया में निवेश बढ़ेगा, राजनीतिक हलचल तेज होगी
एआई से वैश्विक विकास दर 20% होगी, गंभीर बीमारियों का निदान होगा

इतिहास में सबसे सुरक्षित भविष्यवाणी यह रही है कि सब कुछ पहले जैसा चलता रहेगा। लेकिन कई बार भविष्य को पहचानना मुश्किल होता है। सिलिकॉन वैली की टेक्नोलॉजी कंपनियों के बॉस कहते हैं कि मानवता ऐसे ही दौर की ओर बढ़ रही है। सिर्फ कुछ साल के भीतर एआई फैसले लेने, समस्याएं सुलझाने और तर्क करने जैसे काम औसत इंसान से बेहतर करने लगेगी।

अगर ये दावे सच होते हैं तो दुनिया की अर्थव्यवस्था के इतिहास में इसके नतीजे बहुत अहम होंगे। एक थिंक टैंक के अनुसार आर्थिक विकास की दर 20% तक हो सकती है। एआई के रूप में बन रही सुपर इंटेलिजेंस से गंभीर बीमारियों का इलाज मुमकिन हो सकेगा।

दस साल पहले खोज होने के बाद से एआई की शक्तियां सभी अनुमानों को तेजी से पीछे छोड़ रही हैं। इस साल ओपनएआई और गूगल डीपमाइंड के बड़े लेंग्वेज मॉडल्स (एलएलएम) को अंतरराष्ट्रीय मैथेमैटिकल ओलंपियाड में गोल्ड मेडल मिला है। टेक्नोलॉजी कंपनियों और चीन, अमेरिका के बीच होड़ की वजह से एआई मॉडल बड़े होते जा रहे हैं।

2030 या 2032 में एआई की ताकत कितनी होगी? कई विशेषज्ञों को आशंका है कि आतंकवादी करोड़ों लोगों को मारने वाले जैविक हथियार एआई की मदद से बना सकते हैं।

वैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में आशंकाओं के कारण उसके चमत्कारिक नतीजे और संभावनाएं पीछे चली गई हैं। एआई से दुनिया की आर्थिक तस्वीर में बहुत बड़ा बदलाव भी आएगा। एआई के मुकाबले बेहतर काम और खोज करने में काबिल सुपरस्टार्स को सबसे अधिक फायदा होगा। आर्थिक उत्पादन का ज्यादा हिस्सा इन लोगों के पास जाएगा। इसका असर चीजों की कीमतों पर पड़ेगा। एआई से बनने वाली वस्तुओं के मूल्य ढह जाएंगे। मनुष्यों को एआई से जमीन, एनर्जी संसाधन और अन्य चीजों के लिए होड़ करना पड़ेगी।

आर्थिक उलटफेर की तस्वीर दुनियाभर के फाइनेंशियल मार्केट्स में नजर आएगी। शेयर बाजार में जबर्दस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। हालांकि यह स्पष्ट रहेगा कि कौन सी कंपनियां जीत रही हैं और कौन सी पिछड़ रही हैं। सभी देश एआई में ताकत हासिल करने में लगेंगे। इसके लिए दुनियाभर में तेजी से निवेश होगा। अधिक आय की उम्मीद के कारण बचत की इच्छा खत्म हो जाएगी। निवेश के लिए पूंजी ऊंची ब्याज दरों पर मिलने लगेगी। लंबी अवधि के एसेट्स में गिरावट आएगी। कुछ मॉडल्स के अनुसार विकास दर के साथ ब्याज दरें भी बढ़ेंगी। कर्ज की रिफाइनेंसिंग 20 से 30% दर पर होगी। एआई में उफान से फायदा नहीं उठाने वाले देशों की पूंजी बाहर चली जाएगी।

सवाल है क्या मानवता एआई के नतीजों से निपट सकेगी? अगर औसत वेतन बढ़े तब भी आर्थिक असमानता अधिक होने से उसके बंटवारे की मांग बढ़ेगी। सरकारों के पास जनता पर नजर रखने के और अधिक ताकतवर टूल्स होंगे। दुनियाभर में राजनीतिक हलचल तेज रहेगी। सरकारों को टैक्स, शिक्षा, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा सहित सभी चीजों पर नए सिरे से विचार करना होगा। मानवता को लगेगा कि उसकी इंटेलिजेंस को टेक्नोलॉजी ने पीछे छोड़ दिया है। फिर भी, उसे विवेक की जरूरत तो पड़ेगी।

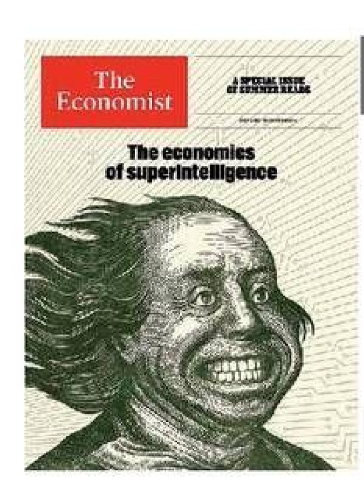

दुनियाभर में आर्थिक विकास का विस्फोट

एआई में सुधार से दुनियाभर को वित्तीय रूप से फायदा भी संभव है। वैश्विक आर्थिक विकास का दूसरा विस्फोट होने की संभावना बनती है। पहले से अधिक शक्तिशाली मशीनें बनने से असाधारण गति से संपत्ति में इजाफा होगा। थिंक टैंक इपोक के नए अनुमान के मुताबिक अगर एआई सिर्फ 30% भी काम करने लगेगी तो सालाना विकास दर 20% से ज्यादा हो सकती है।

इलस्ट्रेशन मशहूर साइंटिस्ट बेंजामिन फ्रेंकलिन का है।

बड़े विचारों तक होगी पहुंच

इलॉन मस्क सहित कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अच्छे रोबोट, रॉकेट और परमाणु रिएक्टर बनाने जैसे आइडिया तक मानवता की पहुंच होगी। ऊर्जा के साधन असीमित होंगे। मानव जीवन की भी कोई सीमा नहीं रहेगी। एआई लाइलाज बीमारियों के इलाज में सहायक होगी।

2028 तक बड़ा बदलाव संभव

एआई के सामने आबादी में उतार-चढ़ाव जैसी कोई बाधा नहीं है। दिग्गज मानते हैं, एआई से खोज रफ्तार तेज होगी। ओपेन एआई के सैम आल्टमैन को उम्मीद है, एआई अगले साल तक नए और मौलिक पहलू पेश करेगी। 2028 तक एआई अपने में स्वयं सुधार करने लगेगी।

© 2022 The Economist Newspaper Limited. All rights reserved

ओपिनियन • दुनियाभर की ट्रेडिंग में बदलाव
शेयर बाजारों में चौबीस घंटे ट्रेडिंग से बढ़ेगा जोखिम, पूंजी रुकेगी

स्टॉक एक्सचेंज आधुनिक फाइनेंस का अनोखा हिस्सा हैं। न्यूयॉर्क शेयर मार्केट में जाएं तो तनाव ग्रस्त लोग हेडसेट लगाए घूमते मिलेंगे। ओपनिंग और क्लोजिंग सेशन की घंटी क्रमशः सुबह 9.30 और दोपहर बाद 4 बजे बजती है।

करेंसी, अमेरिकन ट्रेडरी बॉण्ड्स और क्रिप्टो एसेट्स में दिन-रात ट्रेडिंग चलती है। न्यूयॉर्क में बाजार खुलने से पहले सुबह चार बजे और बंद होने के बाद रात आठ बजे तक कुछ ट्रांजेक्शन चलते हैं। यूरोप और एशिया में स्टॉक एक्सचेंज इसी तरह चलते हैं। अब बदलाव हो रहा है।

न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज और नैस्डैक ने अपने ट्रेडिंग सेशन दिन में 22 से 24 घंटे तक चलाने की इजाजत मांगी है। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार लंदन स्टॉक एक्सचेंज में भी इस पर विचार चल रहा है। नैस्डैक के 2026 की दूसरी छमाही से रात भर खुलने की संभावना है।

कई दशक से संस्थागत निवेशक एक्सचेंज के प्राइवेट ट्रेडिंग एजेंसियों (डार्क पूल्स) के जरिए रातभर ट्रेडिंग करते हैं। रात भर ट्रेडिंग के साथ शेयर मूल्य पता करने में मुश्किल हो सकती है। डार्क पूल से अमेच्योर निवेशकों को रात में बहुत कम कीमत मिलती है। दिन की तुलना शेयर मूल्यों में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहेगा। रेगुलेशन एजेंसी रात में भी ऑफर बताने के आदेश दे सकती है। हालांकि बिक्री और खरीद के ऑर्डर कम होंगे। मार्केट मेकर्स बुक्स में लंबे समय तक यथास्थिति बनाए रहेंगे। इससे जोखिम बढ़ेंगे। अधिक पूंजी रुकी रहेगी। ट्रेडिंग की लागत बढ़ जाएगी। दिन की तुलना शेयर मूल्यों में ज्यादा उतार- चढ़ाव रहेगा।

कई प्लेटफॉर्म रातभर ट्रेडिंग करते हैं

स्टॉक एक्सचेंज रातभर ट्रेडिंग नहीं कर रहे हैं लेकिन अन्य प्लेटफॉर्म ऐसा करते हैं। मई- 23 में डिजिटल रिटेल ब्रोकर रॉबिनहुड ने अपने 43 पॉपुलर स्टॉक्स में रात में ट्रेडिंग शुरू की थी। चार्ल्स श्वाब ने 21 जुलाई को बताया कि वह 1100 सिक्योरिटीज में इसकी शुरुआत करेगी।

© 2022 The Economist Newspaper Limited. All rights reserved

बिजनेस
अकेले यात्री ज्यादा हवाई किराया चुका रहे

कुछ एयरलाइंस ने यात्रियों से अधिक पैसा लेने का नया तरीका अपनाया है। मई में थ्रिफ्टी ट्रैवलर्स वेबसाइट ने बताया कि अमेरिका की तीन बड़ी एयरलाइंस अमेरिकन, डेल्टा और यूनाइटेड ने एक ही स्थान की यात्रा के लिए अकेले पैसेंजर से दो व्यक्तियों के मुकाबले अधिक किराया लिया है। एक अन्य ट्रैवल साइट ने लिखा कि एयरलाइंस का लालच बेकाबू होता जा रहा है। आलोचना के बीच डेल्टा और यूनाइटेड ने ज्यादा किराया लेना बंद कर दिया।

इकोनॉमिस्ट ने गूगल फ्लाइट्स के ऑटोमैटेड इंटरफेस सेरपापी से तीन बड़ी एयरलाइंस के किरायों की जांच-पड़ताल की। पता लगा कि डेल्टा ने यह तरीका बंद कर दिया है। लेकिन अमेरिकन और यूनाइटेड एयरलाइंस ने अकेले यात्री से ज्यादा किराया लेना जारी रखा है। यूनाइटेड के 8% रूट्स पर वीक डे में यात्रा करने वाले अकेले यात्री से 5% अधिक किराया लिया गया। अमेरिकन एयरलाइंस ने 57% रूट्स पर दो यात्रियों की बुकिंग की तुलना में अकेले यात्री पर ज्यादा किराया लगाया।

© 2022 The Economist Newspaper Limited. All rights reserved

राजनीति • सरकार युद्ध जारी रखने के पक्ष में
इजराइली सेना चाहती है गाजा में युद्ध रुके; ईरानी मोर्चे पर तैयारी हो

इजराइली सेना (आईडीएफ) ने सरकार को संकेत दिए हैं कि गाजा युद्ध अब जारी नहीं रहना चाहिए। 21 जुलाई को आईडीएफ के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने एक बैठक में अपने साथी जनरलों को बताया कि 2026 का साल तैयारियों और उपलब्धियों पर गौर करने का होगा। उन्होंने कहा कि सेना को ईरान के खिलाफ एक अन्य युद्ध के लिए तैयारियां करनी चाहिए।

जनरलों की बैठक से पहले की रात सेना ने गाजा पट्टी के डेर अल बलाह की घेराबंदी की शुरुआत कर दी। इससे सेना और पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार के बीच मतभेदों की झलक मिलती है। सैनिक कमांडर सोचते हैं कि हमास के खिलाफ युद्ध जारी रखने का अर्थ नहीं है। सरकार हमास से लड़ाई जारी रखना चाहती है।

गाजा के लोगों के लिए स्थिति और बदतर होती जा रही है। डेर अल बलाह में कई लोगों ने शरण ले रखी है। इजराइली सेना के हमलों में लोग मारे जा रहे हैं। हवाई हमले में वेयरहाउस तबाह हो गया है। इससे गाजा में हेल्थ केयर सिस्टम चलाना मुश्किल हो गया है।

भुखमरी से मौतें जारी

23 जुलाई को 100 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के एक ग्रुप ने कहा कि इजराइल के सहायता वितरण सिस्टम से अराजकता, भुखमरी और मौतें हो रही हैं। बहुत कम मदद मिल रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने जुलाई में 46 लोगों के भूख से मरने की जानकारी दी है।

कतर में इजराइल और हमास के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत से अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। गाजा से इजराइली सेना की वापसी के सवाल पर समझौता नहीं हो पा रहा है। हमास चाहता है कि युद्धविराम से पहले इजराइली सेना को पूरी तरह हटना चाहिए। नेतन्याहू के गठबंधन सहयोगी चाहते हैं कि गाजा पर इजराइल का कब्जा बना रहे। युद्धविराम की मंजूरी देने पर नेतन्याहू के गठबंधन सहयोगी सरकार गिरा सकते हैं।

© 2022 The Economist Newspaper Limited. All rights reserved

बात कहूंगा खरी-खरी

जो राजनेता 'टायर्ड' नहीं होते, भला वे 'रिटायर्ड' कैसे हों!

सुरेंद्र शर्मा
कवि एवं लेखक
surendersharmakavi@hotmail.com

मोहन भागवत ने हाल ही में जो बयान दिया है, उसका भावार्थ समझना होगा। तय हुआ है कि 75 साल की उम्र में राजनीति जौहर कर लेगी। इस घोषणा को सीरियसली ले लिया गया, तो बेचारे राजनेता 75 की संख्या से खौफ खाने लगेंगे। 75वां जन्मदिन मनाते हुए हर राजनेता का चेहरा लटक जाएगा।

मुझे राजनीति की यह दशा सोच-सोचकर हंसी आ रही है। पचास-साठ की उम्र में तो राजनेता युवा होता है और 75 का होते-होते वो बेकार हो जाएगा। मुझे विश्वास है कि हमारे राजनेता इसका कोई न कोई तोड़ निकाल ही लेंगे। क्योंकि इस देश में जनता के लिए चाहे लाख कानून बन जाएं, लेकिन ऐसा एक भी कानून नहीं बन सकता, जो राजनेताओं के हाथ से पावर छीन सके।

राजनेताओं के फायदे का कानून तो संसद चले बिना भी पास हो जाता है। क्योंकि उस पर कोई निगेटिव वोटिंग होती ही नहीं। यही तो एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर पक्ष और विपक्ष दोनों एक सुर में राग अलापते हैं। ऐसी एकता के सामने भला ये 75 साल की रिटायरमेंट का नियम कहां टिक पाएगा।

राजनेता कभी नहीं थकता। इसलिए जो टायर्ड नहीं हो सकता, उसे रिटायर्ड कौन कर सकता है। नैतिकता और आदर्श टापते रह जाएंगे और हमारे राजनेता ऐसे कानूनों को धूल चटा देंगे। जो राजनीति में हैं, उन्हें अमरत्व की प्राप्ति हो जाती है। वैसे भी नेताजी कब काम करेंगे, कैसा काम करेंगे, कब तक काम करेंगे और कितना काम करेंगे, कैसे काम करेंगे- इन सबकी घोषणा नेताजी करेंगे, न कि जनता। जनता कौन होती है नेताजी के करिअर का फैसला करने वाली।

इस देश में जब आप फाइलों पर हस्ताक्षर करने लायक नहीं रह जाते, तब भी आपको मुल्क संभालने लायक समझा जा सकता है।

अगर कोई उपाय नहीं निकला, तो हमारी संसद में सर्वसम्मति से एक बिल पास होगा कि गिनती में 75 का अंक 90 के बाद लिखा जाएगा। इससे कानून भी बचा रह जाएगा और नेताजी भी।

साहित्यकारों के साथ ऐसा कोई संकट नहीं है। साहित्यकारों की जवानी चली जाती है, लेकिन बुढ़ापा नहीं आता। 75 के बाद तो कवियों पर नूर झलकता है। तब तो चेहरे पर कुछ चमक आनी शुरू होती है। बाल सफेद हो जाएं, चश्मे का नंबर बढ़ जाए, दांत-वांत हिलने लगें, बेंत लेकर चलने लगें तब जाकर तो कवियों को लोग सीरियसली लेना शुरू करते हैं।

इस अवस्था से पहले तो हर कवि उभरता हुआ कवि ही होता है। चाहे बेचारा कितना भी चुक गया हो, लेकिन लोग उसे चुका हुआ मानते ही नहीं हैं। 75 का आंकड़ा मनाने के बाद तो वह थोड़ा उभरा हुआ माना जाता है, तभी रिटायरमेंट का राग अलापने लगे तो हो गया काम। फिर कैसे रचा जाएगा साहित्य। साहित्य का सवाल है भाई, राजनीति थोड़े ही है, जो किसी को भी वरिष्ठ मान लिया जाए।

मैंने तो तय कर लिया है कि मैं कभी रिटायर नहीं होऊंगा। मुझसे कोई पूछता है कि आप कब रिटायर होंगे, तो मैं गाना गाने लगता हूं- 'अभी तो मैं जवान हूं।'

कार्टून कोना

माइंड ट्विस्टर

तो चोर बंटवारे में रात निकाल देते

हर हफ्ते यहां आपसे पूछा जाएगा एक सवाल जिसके देने होंगे जवाब। पिछले हफ्ते का सवाल था- **चोर-चोर मौसेरे भाई क्यों होते हैं, ममेरे-चचेरे क्यों नहीं**

- अगर चोर-चोर चचेरे/ममेरे भाई होते, तो चोरी की जगह तिजोरी के बंटवारे में रात निकाल देते। - **ज्योति राजपूत**
- इन्होंने देखी है रातों में पीछा करती कुत्तों की टोलियां, चोर को चोर ही रहने दो, रिश्तों का इल्जाम ना दो। - **सतीशचन्द्र सोलंकी, थांदला**
- मौसेरे हो या ममेरे-चचेरे आज के दौर में केवल चोर भाई का रिश्ता बखूबी निभा रहे हैं, बाकी तो मुश्किल होता जा रहा है। -**शिव दयाल अग्रवाल**
- इसे छोड़िए; बस ये सोचिए कि निकट भविष्य में जब मौसी, मामा, चाचा नहीं होंगे तब क्या कहेंगे? -**विभाष पाठक, मुंगेली**
- चोर-चोर मौसेरे भाई होंगे, तब ही तो वो अपनी माताओं की संपत्ति का हिस्सा अपने मामा से ले पाएंगे। -**अभय जाजड़ा**
- शुरुआत, ममेरे और फिर चचेरे से ही हुई थी, इन्होंने मिलकर लेखक को कूट दिया था, तबसे मौसेरे लिख रहे हैं। मामा-चाचा से पंगा क्यों लेना। - **बालमुकुंद श्रीवास**
- मकसद जब चोरी ही हो तो रिश्ते से क्या ही फर्क पड़ता है। -**विनोद कुमार चौबे, रांची**
- क्योंकि मौसियां सारी गर्मियों की छुट्टियां एक साथ बितातीं हैं, इसलिए चोर-चोर मौसेरे भाइयों की एक जैसी ट्रेनिंग होती है। - **सपना विश्वकर्मा**
- मौसरे भाई होने से चोरी का माल बांटने में विवाद नहीं होता, चचेरे-ममेरे में विवाद होने से भांडाफोड़ हो सकता है। - **विश्व दीपक**

अगला सवाल **भैंस के आगे बीन ही क्यों बजाते हैं, शहनाई या नगाड़ा क्यों नहीं?** पाठक इसके फनी जवाब इस पते humour@dbcorp.in पर भेज सकते हैं।

फन लाइनर

पंकज प्रसून

अब चलना-मचलना दोनों किफायती है!

- **भारत-ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता, सस्ती होगी कार-व्हिस्की।**
यानी चलना और मचलना दोनों किफायती हो गए हैं।
- **ममता बनर्जी बोलीं, जगदीप धनखड़ की हेल्थ बिल्कुल ठीक है।**
ममता दीदी डॉक्टर नहीं हैं, पर बयान देखकर लग रहा है कि पॉलिटिकल डायग्नोसिस में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है।
- **भारत ने यूएन में कहा- 'उपदेश न दे पाकिस्तान'**
पाकिस्तान को उपदेश देना ऐसा है जैसे फेल छात्र क्लास में लेक्चर दे!
- **अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी की रेड।**
इस ग्रुप पर इतने छापे पड़ चुके हैं, फाइलें खुद दरवाजा खोल देती हैं!
- **बिहार में वोटर लिस्ट में अठारह लाख ऐसे मतदाता शामिल, जो जीवित ही नहीं।**
कमाल है, बिहार में मरने के बाद भी लोकतंत्र से रिश्ता नहीं टूटता, अमर लोकतंत्र जिंदाबाद!
- **दुनिया में है ही नहीं देश, लेकिन दूतावास चल रहा गाजियाबाद में, फर्जी राजदूत गिरफ्तार।**
पता करिए, फर्जी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी एनसीआर से बरामद होंगे।

सेंसिबल मीम्स

मुकेश राठौर

सौरभ जैन

क्लासिक कॉर्नर

लोकायुक्त की महिमा

शरद जोशी
हिंदी जगत के सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार

नेता अक्सर किसी ऐसे शब्द की तलाश में रहते हैं, जो लोगों को छल सके, भरमा सके और वक्त को टाल देने में मददगार हो। एक शब्द हवा में है लोकायुक्त। जाहिर है, यह शब्द सत्ता के लिए परम उपयोगी है। वह इसके जरिए किसी भी घोटाले को एक साल के लिए आसानी से टाल सकते हैं। इसके सहारे अपने वालों को ईमानदार प्रमाणित करवा सकते हैं, विरोधियों को नीचा दिखा सकते हैं।

विधानसभा के सदस्य जब मामला उठाएं, उनसे कहा जा सकता है कि मामले को लोकायुक्त को भेजा जाएगा। दूसरे सत्र में जब सवाल करे तब कहे, मामला लोकायुक्त को भेजा जा रहा है। तीसरे सत्र में उत्तर यह कि मामला लोकायुक्त को भेज दिया गया है। चौथे सत्र में उत्तर यह कि मामला लोकायुक्त के विचाराधीन है। पांचवे में यह कि अभी हमें लोकायुक्त से रिपोर्ट प्राप्त हो गई है, शासन उस पर विचार कर रहा है। इस तरह हर उत्तेजना को समय में लपेटा जा सकता है। धीरे-धीरे बात ठंडी पड़ने लगती है। लोग संदर्भ भूलने लगते हैं। तब आसानी से कहा जा सकता है कि वह अफसर, जिस पर आरोप था, निर्दोष है।

मान लीजिए, एक अफसर ने खरीद में घोटाला किया। कमीशन खाया, रिश्तेदारों, दोस्तों को टेंडर-मंजूरी में तरजीह दी, खराब माल खरीदा। विधानसभा के सदस्य इस प्रकरण पर शोर मचाते है। सवाल पूछते हैं। मुख्यमंत्री उस अफसर को बचाना चाहते हैं, तो इसके पूर्व कि विधानसभा की कोई कमेटी जांच करे, वे उछलकर घोषणा कर देंगे कि मामला लोकायुक्त को सौंपा जाएगा। चलिए करतल ध्वनि हो गई। अखबारों में छप गया। लगा कि सरकार बड़ी न्यायप्रिय है।

लोकायुक्त एक खाली जगह है जो भ्रष्टाचार और उसकी आलोचना के बीच सदा बनी रहेगी। यह सरकार का शॉक एब्जॉर्वर है।

दिलचस्प स्थिति यह होगी कि वह अफसर, जिसके विरुद्ध मामला है, उसी कुर्सी पर बैठा है, जिस पर बैठ उसने घोटाला किया। उसी को अपने खिलाफ मामला तैयार कर लोकायुक्त को भेजना है और यदि जांच हो तो अपनी सफाई भी पेश करनी है। वह मामला बनाता ही नहीं, क्योंकि स्व के विरुद्ध उसे कोई शिकायत ही नहीं है। वह कह देगा कि विधायकों के भाषणों में शिकायतें स्पष्ट नहीं हैं।

लोकायुक्त प्रमाणपत्र देने का दफ्तर है। यहां से उन अपने वालों को, जो भ्रष्टाचार कर चुके और आगे भी करने का इरादा रखते है, ईमानदारी के प्रमाणपत्र बांटे जाएंगे। जब विजिलेंस कमीशन उर्फ सतर्कता आयोग बनाया तो एक व्यापारी से मैंने कहा था, जब सतर्कता आयोग बन गया है, अब क्या करोगे। वह लंबी सांस लेकर बोला क्या करेंगे। टेंडर में पांच परसेंट उसका भी रखेंगे। लोकायुक्त के लिए भी वह शायद ऐसा ही कुछ कहेगा।

- **व्यंग्य लोकायुक्त के चुनिंदा अंश**

मानसून गाइड मानसून में वायरल सिर्फ भीगने से नहीं, डाइट-लाइफस्टाइल से भी आता है, जानें इससे कैसे बचें

इम्यूनिटी कोई फॉर्मूला नहीं, यह चार अच्छी आदतों का नतीजा है!

डॉ. मुक्ता अग्रवाल
कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल

मानसून में एक आम समस्या है इम्यूनिटी का कमजोर होना। देर रात तक जागना, भीगना, बाहर का खाना और कम नींद, ये सब इम्यूनिटी को कमजोर करते हैं। इसका नतीजा वायरल और बैक्टीरियल इंफेक्शन हो सकते हैं। इस मौसम में जरूरी है कि मानसून में इम्यूनिटी को एक्टिव रखा जाए। हालांकि कई लोग समझते हैं कि मानसून में तबियत का बिगड़ना खानपान या भीगने की वजह से होता है, लेकिन इसके चार कारण होते हैं। पेश है मानसून की हेल्थ गाइड...।

व्यायाम, नींद, भोजन और स्ट्रेस मैनेजमेंट... ये हैं आपके इम्यूनिटी बूस्टर

1. व्यायामः हफ्ते में 150 मिनट सुबह कसरत

मानसून में सुबह कसरत करें क्योंकि नमी पॉल्यूशन कम होते हैं। ब्रिस्क वॉक, योग और बॉडीवेट एक्सरसाइज इम्यून कोशिकाओं की सर्कुलेशन को बढ़ाते हैं। जरूरत के हिसाब से एक्सरसाइज करें। हफ्ते में 150 मिनट व्यायाम करना चाहिए।

2. स्लीपः रात को स्क्रीन टाइम कम करें

ठीक से न सोना नुकसानदेह है। जब आप ठीक से नहीं सोते या थकान में रहते हैं, तो शरीर कोर्टिसोल नाम का स्ट्रेस हार्मोन बनाता है। यह इम्यून कोशिकाओं (T-cells, NK cells) की एक्टिविटी को घटा देता है। इसलिए जरूरी है भरपूर नींद लेना।

3. फूडः चाय ही पीना है तो ग्रीन टी पिएं

ज्यादा चाय-कॉफी शरीर को डिहाइड्रेट करती है। इससे वायरस से लड़ने की क्षमता घटती है। इसलिए मानसून में चाय की जगह ग्रीन टी पिएं। नींबू, आंवला, संतरा जैसे विटामिन सी से भरपूर फल जरूर खाएं। अदरक, लहसुन, हल्दी भी एंटीबैक्टीरियल और इम्यूनिटी बूस्टर होते हैं।

4. स्ट्रेस मैनेजमेंटः माइंड को रेस्ट देना भी जरूरी

जब हम स्ट्रेस में रहते हैं तो शरीर में एड्रेनालिन जैसे स्ट्रेस हार्मोन का लेवल बढ़ता है। इससे इम्यून कोशिकाएं सुस्त हो जाती हैं। हर दिन 10-15 मिनट डीप ब्रीदिंग, मेडिटेशन या मनपसंद म्यूजिक के साथ माइंड को रिलैक्स करने से इम्यूनिटी बेहतर होती है। खुश रहना भी इम्यून बूस्टर है।

कारण जानेंः क्यों गिरती है इम्यूनिटी?

कम नींद, देर रात स्क्रीन टाइम से स्ट्रेस हार्मोन बढ़ता है, जिससे शरीर की रक्षा कोशिकाएं घटती हैं। बाहर खाने से पाचन बिगड़ता है, जिससे गट हेल्थ कमजोर होती है और इम्यूनिटी भी। नमी के कारण पसीना ठीक से सूखता नहीं, जिससे हमें प्यास नहीं लगती। इससे नाक, गला और मुंह की अंदरूनी परत सूख जाती है, जिससे वे बैक्टीरिया और वायरस को रोक नहीं पातीं।

नई रिसर्च

7 हजार कदम चलना भी पर्याप्तः द लांसेट

हर जगह सुनते आए हैं रोज 10,000 कदम चलना चाहिए, यह फिट रहने का फॉर्मूला है। लेकिन एक नई ग्लोबल स्टडी कहती है कि इतनी मेहनत की जरूरत नहीं, अगर आप रोज सिर्फ 7,000 कदम चलते हैं तो भी हार्ट अटैक, कैंसर, डायबिटीज और डिप्रेशन से बच सकते हैं। द लांसेट पब्लिक हेल्थ में छपी इस रिसर्च में दुनिया भर के 35 ग्रुप्स पर की गई 57 स्टडीज का एनालिसिस किया गया। इसमें पाया गया कि 7,000 कदम रोज चलने से समय से पहले मौत का खतरा 47% तक घटता है। जानते हैं इसके छह फायदे।

- 47% कम खतरा समय से पहले मौत का।
- 25% कम रिस्क हार्ट डिजीज का।
- 38% कम संभावना डिमेंशिया की।
- 22% कम लक्षण डिप्रेशन के।
- 14% कम चांस टाइप-2 डायबिटीज का।
- 28% कम खतरा बुजुर्गों में गिरने का।

टेस्टः अमेरिकी संस्था सीडीसी से प्रमाणित है यह 'सिट टु स्टैंड' टेस्ट

घर के बड़ों के लिए 30 सेकंड का टेस्टः मसल्स, बैलेंस और हार्ट-लंग का चेकअप

CDC से प्रमाणित है यह हेल्थ टेस्ट

अगर आप बिना सहारे कुर्सी से बार-बार उठने में दिक्कत महसूस करते हैं तो ये सिर्फ कमजोरी नहीं, गिरती सेहत का इशारा भी हो सकता है। एक बेहद आसान और 30 सेकंड का टेस्ट है, 'सिट-टु-स्टैंड'। यह आपकी मसल पावर, संतुलन, स्टेमिना और हार्ट-लंग्स की हेल्थ का मानक हो सकता है। खासकर 60 साल से ऊपर के लोगों के लिए यह टेस्ट कई बार भविष्य की बीमारियों का संकेत देता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानद अमेरिकी संस्था 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' (सीडीसी) द्वारा प्रमाणित ये टेस्ट आपको सजग करता है कि अभी से फिटनेस पर ध्यान देने की जरूरत है या नहीं। समय रहते लाइफस्टाइल में बदलाव किया जाए तो उम्र बढ़ने के साथ आने वाले जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इलस्ट्रेशनः गौतम चक्रवर्ती

घर पर ही करें टेस्टः बस कुर्सी और स्टॉपवॉच चाहिए

1. इसे शुरू करने के लिए बिना हत्थे वाली सीधी कुर्सी लें। सीधा बैठें, दोनों हाथ विपरीत कंधों पर रखें पैरों को जमीन पर टिकाकर रखें।
2. अब 30 सेकंड का टाइमर चालू कर लीजिए। बिना हाथ का सहारा लिए पहले उठें और दोबारा बैठें।
3. आप 30 सेकंड में कितनी बार यह कर पाते हैं अगर आप यह 12 बार कर पाते हैं तो आपका स्कोर 12 होगा।

• आपका स्कोर क्या बताता है? अमेरिकी हेल्थ एजेंसी CDC के मुताबिक स्कोर यह होना चाहिएः

उम्र	पुरुष	महिला
60-64	14	12
65-69	12	11
70-74	12	10
75-79	11	10
80-84	10	9
85-89	8	8

अगर आपका स्कोर औसत से कम है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपकी मांसपेशियों की ताकत, संतुलन या हार्ट-लंग हेल्थ पर असर पड़ा है।

इन व्यायाम की मदद से बेहतर करें स्कोर

1. **सिट-टु-स्टैंड** : बिल्कुल उसी तरह करें जैसे आपने टेस्ट में किया। कुर्सी से बिना हाथ के सहारे उठें और फिर धीरे-धीरे बैठें।
फायदेः मसल पावर बढ़ाता है, बैलेंस सुधारता है व गिरने के जोखिम को कम करता है।
2. **हील-टो वॉकः** घर की किसी सीधी जगह पर हील को टो से मिलाते हुए सीधा चलें।
फायदेः संतुलन बढ़ाता है और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है।
3. **लेग रेजः** कुर्सी पर बैठें व एक पैर को सीधा सामने की ओर उठाएं, 5 सेकंड होल्ड करें। धीरे-धीरे नीचे लाएं।
फायदेः जांघों और घुटनों की मसल्स को मजबूत करता है।

बिल गेट्स का रूलः 1 हफ्ता अकेले बिताते हैं

ब्रेन को ब्रेक देंः अकेले रहने से भी बढ़ती है इंटेलिजेंस

कहा जाता है कि वक्त का सही इस्तेमाल करें, फालतू टाइम वेस्ट करने से बचें। लेकिन एक न्यूरोसाइंटिस्ट की रिसर्च कहती है कि अगर वाकई स्मार्ट बनना चाहते हैं, तो दिमाग को अकेले में भटकने दीजिए। ब्रेन साइंटिस्ट जोसेफ जेबेली कहते हैं, 'सोलिट्यूड यानी अकेले रहना सिर्फ आलस्य नहीं, बल्कि दिमाग के लिए फायदेमंद हो सकता है।' यही आदत दुनिया के सबसे इंटेलिजेंट लोगों, जैसे बिल गेट्स और लियोनार्डो द विंची में कॉमन थी। जानते हैं इसके बारे में।

बिल गेट्स का 'थिंक वीक' फॉर्मूला

अकेलेपन का फायदाः न्यूरोसाइंटिस्ट के 4 आसान टिप्स

1. **थोड़ी देर अकेले बैठिएः** रोज 10 मिनट से शुरुआत करें। घर में शांत कोना तलाशिए। न मोबाइल, न म्यूजिक, बस खुद से मिलिए। यह दिमाग को रिलैक्स करना सिखाता है।
2. **छोटी सोलो ट्रिप प्लान करेंः** अकेले कहीं जाना अजीब लग सकता है, पर यह आपको अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकालता है और सेंसस को रिचार्ज करता है।
3. **सोचिए, लिखिए, फिर से सोचिएः** अकेले रहना सिर्फ बैठने के लिए नहीं है। उस समय अनुभवों पर सोचिए, उन्हें लिखिए। यह प्रोसेस इमोशन्स को समझने में मदद करती है।
4. **अकेले में कोई रचनात्मक काम करेंः** जैसे वॉकिंग, गार्डनिंग, पेंटिंग या किताबें पढ़ना। यह न केवल माइंडफुलनेस लाता है, बल्कि ब्रेन को गहराई से रिचार्ज भी करता है।

एक अच्छी आदत

अपनी स्लीप साइकिल को फिक्स करें, ये फायदे होंगे!

यदि आप नियमित सोने और जागने का समय बनाए रखते हैं, तो आपकी ऑल-कॉज मॉर्टेलिटी रिस्क में 20 से 48% तक कमी आ सकती है। यूके बायोबैंक की एक स्टडी बताती है कि नींद की नियमितता उसकी अवधि से भी अधिक जरूरी है।

- **दिल-मेटाबॉलिक में सुधारः** हर दिन लगभग एक ही समय पर सोने वालों में हार्ट डिजीज, स्ट्रोक जैसी मेटाबॉलिक बीमारियों का खतरा 22 से 57% घटता है।
- **कैंसर का खतरा 16 से 39% कमः** अध्ययन में यह भी पाया गया कि कैंसर-स्पेसिफिक मॉर्टेलिटी में भी 16 से 39 प्रतिशत तक की कमी आती है।

आज का पंचांग

पंडित प्रो. विनोद शास्त्री

तिथि संवत् : श्रावण, शुक्ल पक्ष द्वितीया शनिवार रात्रि 10:42 तक रहेगी, विक्रम संवत् 2082, शाके 1947, हिजरी 1447, मुस्लिम माह मुहर्रम, तारीख 30, सूर्य दक्षिणायन, वर्षा ऋतु, 26 जुलाई।

सूर्योदय कालीन नक्षत्र : अश्लेषा नक्षत्र दोपहर 03:52 तक, इसके बाद मघा नक्षत्र रहेगा। व्यतिपात योग रात्रि 04:06 तक, इसके बाद वरियान योग रहेगा। बालव करण प्रातः 11:02 तक, इसके बाद कौलव करण रहेगा।

ग्रह विचार (प्रातः 05:30) : सूर्य-कर्क, चंद्र-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरु-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30 तक रहेगा।

दिशाशूल : पूर्व दिशा : यदि जरूरी हो तो लौंग खाकर यात्रा कर सकते हैं।

शुभाशुभ ज्ञानम् : शुक्र मिथुन में प्रातः 08:56, उत्तर श्रृंगोन्नति, सिंजारा (तीज का), अश्वत्थ मारुति पूजन, व्यतिपात पुण्यं, गंडमूल संपूर्ण दिनरात।

चौघड़िया मुहूर्त : प्रातः 07:32 से 09:12 तक शुभ का, दोपहर 12:33 से 02:13 तक चर का, दोपहर 02:13 से सायं 05:34 तक लाभ और अमृत का चौघड़िया रहेगा।

आज विशेष : शनिवार को गाय को गुड़, खिलाने, तिल दान करने, हनुमान मंदिर में तिल के तेल अथवा चमेली के तेल का दीपक जलाने से शनि जनित सभी कष्ट दूर होते हैं। आज व्यतिपात योग में बैल का दान करना शुभ फलदायी होता है।

आज जन्मे बच्चों के नामाक्षर व राशि

समय	नक्षत्र	चरण	पाया	राशि	नामाक्षर
05:52	अश्लेषा	3	रजत	कर्क	डे
09:51	अश्लेषा	4	रजत	कर्क	डो
15:52	मघा	1	रजत	सिंह	म
21:56	मघा	2	रजत	सिंह	मी
04:02	मघा	3	रजत	सिंह	मू

राशिफल

मेष : शुभ अंक 7, शुभ रंग जामुनी : कार्यस्थल के माहौल में सुधार होगा और आपसी मेलजोल बढ़ेगा। दूसरों के सुझावों पर ध्यान दें, रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव दूर हो सकता है।

वृष : शुभ अंक 8 शुभ रंग पीला : परिवार व परिस्थितों के दबाव के बावजूद आप निष्पक्ष निर्णय लेंगे। प्रॉपर्टी संबंधी विवाद सुलझने की उम्मीद है। भावनाओं पर काबू रखने का प्रयास करें, अन्यथा परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

मिथुन : शुभ अंक 1, शुभ रंग हरा : निजी मामलों को काम पर हावी न होने दें, नुकसान संभव है। सामाजिक जीवन में भागीदारी बढ़ेगी। कार्यस्थल पर टकराव टालने की कोशिश सफल रहेगी। धार्मिक यात्रा की रूपरेखा बनेगी।

कर्क : शुभ अंक 4, शुभ रंग गुलाबी : निजी काम में बाहरी दखल से तनाव बढ़ेगा। सामाजिक मान-सम्मान में बढ़ोतरी संभव है। यात्रा का कार्यक्रम बनेगा। आकस्मिक खर्च के चलते जरूरी काम बीच में रोकना पड़ सकता है।

सिंह : शुभ अंक 3, शुभ रंग भूरा : नजरिया बदलने से अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं। दृढ़-निश्चय के साथ आगे बढ़ेंगे, सफलता हासिल करेंगे। कार्यस्थल में मामूली बदलाव कर अच्छा लाभ कमाएंगे। साख बढ़ेगी।

कन्या : शुभ अंक 8, शुभ रंग स्लेटी : आप खुले दिल से दूसरों के सुझावों का स्वागत करेंगे। हर समय बदलाव के लिए तैयार रहेंगी। उच्च अध्ययन में बेहतर विकल्प मिलने से विद्यार्थी उत्साहित रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी।

तुला : शुभ अंक 9, शुभ रंग गुलाबी : खर्चों में कटौती का प्रयास करें, कर्ज से छुटकारा मिलेगा। विरोधियों से निपटने के लिए रणनीति बनाकर आगे बढ़ें। नई योजना में पूंजी निवेश लाभदायी हो सकता है। व्यवहार में संयम बरतें।

वृश्चिक : शुभ अंक 6, शुभ रंग नारंगी : युवाओं को कार्यक्षेत्र में बेहतर परिणाम मिलने के आसार बनेंगे। गलतफहमी दूर करने के लिए आपसी संवाद बनाए रखें। निजी मामलों को सार्वजनिक करने से छवि धूमिल हो सकती है।

धनु : शुभ अंक 7, शुभ रंग काला : छोटी-छोटी बातों में उलझने से तनाव बढ़ सकता है। परिजनों के सहयोग से बिखरे काम समेटने में सफलता मिलेगी। आय के स्रोत बढ़ेंगे। कारोबार के विस्तार की संभावना बनेगी। धैर्य रखें।

मकर : शुभ अंक 9, शुभ रंग आसमानी : भावुकता नुकसानदायी हो सकती है। किसी से अचानक मुलाकात मजबूत रिश्ते में बदल सकती है। राजकीय मामले पक्ष में सुलझेंगे। जरूरतमंदों की मदद करके खुशी महसूस करेंगे।

कुंभ : शुभ अंक 3 शुभ रंग सफेद : निजी मामलों को सार्वजनिक करने से छवि धूमिल हो सकती है। आसपास के लोगों के साथ संबंध सुधारने की कोशिश करेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। जिद में आकर गलत फैसला ले बैठेंगे।

मीन : शुभ अंक 2, शुभ रंग जामुनी : निजी स्वार्थ में आप दूसरों का नुकसान कर देंगे। कारोबारी सौदे हाथ आने से लाभ मिलेगा। विरोधी खुलकर सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना बेहतर है। नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी।

मैनेजमेंट फंडा

एन. रघुरामन
मैनेजमेंट गुरु, raghu@dbcorp.in

ग्रेजुएशन के दौरान आपको सॉफ्ट स्किल्स क्यों सीखनी चाहिए

पिछले सप्ताह मैं परिवार के एक सदस्य के परामर्श के लिए भोपाल के कुछ डॉक्टरों से मिला। इनमें शामिल थे डॉ. अरुण तिवारी, रूमेटोलॉजिस्ट (जो जोड़ों, मांसपेशियों, हड्डियों और कभी-कभी अन्य अंगों पर असर करने वाली स्थितियों पर फोकस करते हैं, जिनमें आमतौर पर सूजन या इम्यून सिस्टम की खराबी शामिल होती है), डॉ. गोपाल बटनी, एडवांस्ड मेडिसिन विशेषज्ञ (जो दवा प्रबंधन और विविध मेडिकल स्थितियों को देखते हैं), डॉ. संदीप जैन, एंडोक्राइनोलॉजिस्ट (जो हार्मोन स्त्रावित करने वाले अंगों को देखते हैं), डॉ. गौरव खंडेलवाल, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट (जो मिनिमल इन्वेसिव और कैथेटर-आधारित प्रक्रिया के जरिए हृदय और रक्त वाहिकाओं का उपचार करते हैं), डॉ. अकिलेश्वर सिंह राठौर, नॉन इन्वेसिव कार्डियोलॉजिस्ट (जो सर्जरी और दूसरी इन्वेसिव तकनीकों के बगैर बाहरी परीक्षणों और प्रक्रियाओं से हृदय रोग प्रबंधन करते हैं), सिद्धार्थ मलैया, नेत्र रोग विशेषज्ञ और डॉ. अंकित मिश्रा, ईएनटी विशेषज्ञ।

मुझमें और इन डॉक्टरों के बीच एक समानता थी कि वे मुझे नहीं जानते थे और मुझे भी यह पता नहीं था कि उन्होंने किस स्कूल से पढ़ाई की या किस वर्ष से प्रैक्टिस शुरू की। लेकिन उनसे दो घंटे परामर्श के बाद मुझे बहुत अच्छा लगा। मैं तो कहूंगा उन्होंने मुझे बेहतर महसूस कराया। उनके पास बेहतरीन 'बेड साइड मैनर्स' थे, यानी वो तरीका, जिसके जरिए डॉक्टर बीमार लोगों का इलाज करते हैं। इसमें करुणा दिखाना, मैत्रीपूर्ण और मरीज को समझने वाला व्यवहार शामिल है। एक ही पाठ्यक्रम से डिग्री हासिल करने के बाद उन सभी ने अलग-अलग क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल की थी, लेकिन उन सभी में समस्या-समाधान क्षमता, विविध दृष्टिकोण, विश्लेषणात्मक सोच जैसी सॉफ्ट स्किल्स थीं। मुझे यकीन है कि ये गुण उनके पाठ्यक्रम में तो शामिल नहीं होंगे। उन्होंने जरूरत आने पर ऐसी और कई सारी सॉफ्ट स्किल्स का प्रदर्शन किया।

एक डॉक्टर से मुलाकात का इंतजार करते वक्त मैं एक युवा मरीज से मिला। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर था। वह बता रहा था कि उसने एक एप डेवलप किया और एक कैम्पेन लॉन्च किया, जिसने उस एप के डाउनलोड्स में जबरदस्त इजाफा किया। लेकिन वह यह नहीं समझा सका कि उसके दिमाग में यह आइडिया कैसे आया? कैसे लोग उसके साथ जुड़े? विभिन्न विभागों के बीच तालमेल कैसे बैठाया? जब कंपनी का बजट और प्रोजेक्ट का समय घट रहा था तो ऐसी स्थिति में सांस्कृतिक बदलावों का तत्काल प्रबंधन उसने कैसे किया। वह उन छोटी किन्तु महत्वपूर्ण जानकारियों को देने में पूर्णतः विफल रहा, जो उसकी विभिन्न दृष्टिकोणों से संवाद की क्षमता को प्रदर्शित करतीं और उसे दूसरों से अलग और रुचिपूर्ण दिखातीं। उसने मुझसे मेरे बारे में पूछताछ करने और एक रिलेशनशिप बनाने में भी रुचि नहीं दिखाई। उसने स्वीकारा कि वह कक्षाओं में नियमित रहता था, लेकिन सिर्फ लंच ब्रेक से पहले, जब बुनियादी विषय पढ़ाए जाते हैं। इसके बाद वह कक्षा से चला जाता था, क्योंकि उसे लगता था कि सॉफ्ट स्किल्स तो उसे आती हैं। उसके जैसे विद्यार्थी यह नहीं समझते कि सॉफ्ट स्किल्स का मतलब भोजन और साज-सज्जा का तौर-तरीका नहीं होता। यह उससे कहीं अधिक है, जैसा ऊपर बताया गया है।

एआई हमारे स्मार्टफोन में स्वतंत्र रूप से घूम रहा है, ठीक वैसे ही जैसे एआई आधारित रोबोट कारखानों की असेंबली लाइनों और रेस्तरां की टेबलों के बीच घूम रहे हैं। इस प्रकार वे 60% उन नौकरियों को हड़प रहे हैं, जो कभी मनुष्य करते थे। किसी को अपनी सॉफ्ट स्किल्स सीवी में लिखने की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन वह उन्हें अपने हायरिंग मैनेजर के सामने प्रदर्शित कर सकता है। लोग अपनी हार्ड स्किल (विषय का ज्ञान) के आधार पर नौकरी तो पा सकते हैं, लेकिन अच्छे प्रोजेक्ट और प्रमोशन सॉफ्ट स्किल्स से ही मिलते हैं। विद्यार्थियों को मेरी सलाह है कि वे अपने ग्रेजुएशन के दिनों में सेकंड हाफ की कक्षाओं में जरूर शामिल हों, जिनमें सॉफ्ट स्किल्स सिखाई जाती हैं।

फंडा यह है कि एआई की प्रमुखता वाले जॉब मार्केट में सॉफ्ट स्किल्स मायने रखती हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में इन्हें सीखने से चूकें नहीं। कॉलेज के सेकंड हाफ में इन्हें सीखें। ऐसे ही आप मशीनों की सत्ता वाले सिकुड़ते जॉब मार्केट में पैर जमा सकते हैं।

नौकरी का झांसा देकर नारायणपुर की तीन युवतियों को ले जा रहे थे आगरा

रेलवे पुलिस ने धर्मांतरण और मानव तस्करी का मामला दर्ज

भिलाई| नौकरी दिलाने का झांसा देकर नारायणपुर की तीन युवतियों को आगरा ले जाने के मामले में दुर्ग रेलवे पुलिस ने एक युवक और दो नन को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ मानव तस्करी की धारा 143 बीएनएस और धर्मांतरण अधिनियम 1968 की धारा 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। तीनों को दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 8 अगस्त तक के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। दोपहर करीब 2 बजे तीन युवतियां स्टेशन में डरी सहमी सी दो नन के साथ दिख रही थीं। उनके साथ एक युवक भी था। मुखबिर की सूचना पर जीआरपी ने उनसे पहले पूछताछ की। जीआरपी दुर्ग थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों युवतियां बालिग हैं। उनकी उम्र 18 से 19 साल होगी। दो युवतियां ओरछा की हैं तो एक कुकड़ाझोर की है। तीनों नारायणपुर निवासी युवक सुखमन मंडावी और आगरा से आई नन प्रीती मैरी और वंदना फ्रांसिस के साथ थीं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्हें हर प्रकार की सुविधा दिलाने, हर महीने 8 से 10 हजार रुपए महीने वेतन दिलाने का लालच दिया गया। पहले उन्हें छत्तीसगढ़ में ही कहीं पर नौकरी दिलाने की बात कही गई थी, लेकिन दुर्ग आने के बाद उन्हें आगरा जाने के लिए कहा गया।

जीतो सोना चांदी

दैनिक भास्कर जीतो सोना चांदी | आज का इनाम: 10 ग्राम चांदी का सिक्का

क्विज 81 के 25 विजेताओं के नाम

वंदना नागदेव	*****11278	मुस्तफा बोहरा	*****22788
परविंदर सिंह	*****60020	सुनीता अग्रवाल	*****87344
अनामिका कुमारी	*****21183	त्रिभुवन जैन	*****58642
एकनूर कौर	*****95990	भूदेव सिंह	*****61456
विष्णुकांत मंधानिया	*****58730	जितेंद्र रोडवाल	*****90474
राकेश खोखानी	*****57370	राम चंद्र खत्री	*****60919
सुनीता	*****15810	राम किशन बसोर	*****05082
संजीव कुमार	*****89703	सविता	*****81642
दिलीप मोदी	*****76460	दिलीप पालीवाल	*****05246
कमलेश शाह	*****05832	बिहारी लाल गुप्ता	*****94411
गौरांग जजल	*****98819	प्रियंका मेहरा	*****46245
किरण कुमार	*****20072	अनिला माथुर	*****22422
		पुरुषोत्तम टाक	*****41426

नोटः चांदी के सिक्के के लिए 1300/- का गिफ्ट वाउचर दिया जाएगा। यह राशि 21 अप्रैल 2025 को प्रचलित दरों पर आधारित है। चांदी के भाव मार्केट कैंप के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं।

विजेताओं को दैनिक भास्कर टीम द्वारा संपर्क किया जाएगा।

पेज एक का शेष

झारखंड को मिले 342...

पहली बार वे इंटरव्यू तक पहुंचे थे, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। सिविल सेवा के 342 पदों पर नियुक्ति के लिए जनवरी 2024 में आवेदन मांगे गए थे। प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) इस साल 17 मार्च को हुई और 22 अप्रैल 2024 को रिजल्ट जारी किया गया। इसमें 7011 अभ्यर्थी क्वालिफाई हुए थे। 22 से 24 जून 2024 तक मुख्य परीक्षा ली गई। 20 मई को जारी रिजल्ट में 864 अभ्यर्थी सफल हुए। 10 से 23 जून के बीच इनका इंटरव्यू हुआ और अब रिजल्ट जारी हुआ। इस तरह 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा की पूरी प्रक्रिया में डेढ साल लग गए।

दहेज एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सीनियर अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

नूंह| दहेज एक्ट में गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 498 के तहत दो माह तक गिरफ्तारी न होने के फैसले को सीनियर अधिवक्ताओं ने सही बताते कहा कि कानून की परिभाषा यह रही है कि कोई बेगुनाह नहीं फंसना चाहिए इस फैसले से ऐसे लोगों को राहत मिलेगी। जिला एवं सत्र न्यायालय पलवल और नूंह के अधिवक्ता विनोद कुमार सौरौत ने कहा कि हाल में दहेज के मामलों में यह देखने को मिला है कि निर्दोष लोगों को भी कई बार जानबूझकर फसाया जाता है यह अपने में सही नहीं है क्योंकि किसी निर्दोष को सजा देना अपने में गलत है इस फैसले से उन्हें राहत मिलेगी। अधिवक्ता रिशव गर्ग का भी कहना है कि 498 ए अपने में एक अच्छी धारा है जब उसका दुरुपयोग होता है वह सही नहीं होती दोषी व्यक्ति को दंड मिले यह सभी चाहते हैं लेकिन किसी निर्दोष को यदि उसमें फसाया जाए वह गलत है।

भास्कर CLASSIFIED

ज्योतिष / ASTROLOGY

ज्योतिष

सूफीजी खुला चैलेंज 2 घंटे में घर बैठे समाधान लव मैरिज, मनचाहा प्यार, पति-पत्नी अनबन, सौतन दुश्मन छुटकारा 90683-87770

फीस नहीं ईनाम लूंगा। पंडित रविशंकर (गोल्डमेडलिस्ट) मनचाहा प्यार/शादी, गृहक्लेश, पति-पत्नी अनबन, सौतन-दुश्मन छुटकारा, प्रेमविवाह। घर बैठे सभी समाधान #7055429792

आवश्यकता / APPOINTMENT

सेल्स / मार्किटिंग

मुस्कान कैटल फीड को चाहिए अनुभवी सेल्समैन। वेतन 55000 + EPF + 29 वार्षिक छुट्टियां + ग्रेच्युटी + प्रोत्साहन + रात्रि विश्राम अतिरिक्त भत्ता + हर साल देश से बाहर का दौरा, TA/DA अलग से। संपर्क करें - 8872504000, 8437504000

Savdesi Pashu Aahar
Required 1. Area Manager -2(Experience minimum 3 yrs.) 2. Field Offier -3Interview on 27.7.25. Handsome salary+ TA+ DA+ Incentive facility will be provided.Venue: Bhagwati Agro Foods, Arya Nagar, Hisar. Contact: 7206110582

अन्य

✔ Vacancy- Pratapgarh Farms and Resorts, Jhajjar -Guest Hospitality Associate -Graduates in Hotel Management, Travel and Tourism, Freshers can Apply 9289260911.

पार्टटाइम

भारत की नo-1, TELECOM-5G कंपनी में पार्ट/ फुलटाइम घरबैठे (MASSAGE SENDING-CALLING-JOB)करके लड़के-लड़कियों, गृहणी, स्टूडेंट कमाए (22,500-75,500)महीना, लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त सभी दस्तावेज WHATSAPP करे- 9241207087, 9204713343

Notice :
Ads have not been verified factually and Bhaskar does ot stand responsible for the sales propositions.

BhaskarAd.com
से मुझे मिला ऑफिस के लिए किरायेदार
एक क्लिक पर दैनिक भास्कर क्लासीफाइड में ऐड बुक करें
• घर बैठे ऐड बुकिंग
• आसान ऑनलाइन पेमेंट
कॉलः 9772019222
स्कैन करें

प्रॉपर्टी / PROPERTY

डुप्लेक्स

PROPERTY FOR SALE IN JAIPUR - PRATAP NAGAR - FULLY FURNISHED DUPLEX -PENTHOUSE 5 BED ROOM, 6 BATHROOM, 2 TERRACE AND BALCONY. JUST 15 MINUTES FROM AIRPORT AND UPCOMING METRO STATION. ENTRY FROM 60FT, CORNER BUNGALOW. PLS CONTACT :~ 9828023976.

सर्विसेस / SERVICES

लोन फायनेंस

लोन धमाका ऑफर(श्रीबालाजी फाइनेंस) 1965 से Regd (50,000-95,00,000), मार्कशीट, ग्रुपलोन, प्रोपर्टी, दुधडेरी, पर्सनल, बिजनेस, आधारकार्ड, राशनकार्ड, BPL, पशुपालन, मॉर्गेज लोन (ब्याज-1%, छूट-60%) कम कागज़ी कार्यवाही(महिलाओं/किसानों को विशेष ऑफर),सिबिल खराब लोन पाये (एजेंट आमंत्रित)संपर्क:-आरती शर्मा:- 9599213674, 9599213783

आंध्रः पी4 का पहला चरण 15 अगस्त से

सीएम नायडू पी4 पहल के तहत 250 'बंगारू परिवार' गोद लिए

भास्कर न्यूज़|अमरावती

राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई प्रतिष्ठित पी4 (पीपुल्स-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप) पहल के तहत मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र से 250 'बंगारू परिवारों' को गोद लेने की घोषणा की। मुख्यमंत्री नायडू ने गुरुवार को जूम कॉन्फ्रेंस पर निर्वाचित प्रतिनिधियों, जिला कलेक्टरों और सरकारी अधिकारियों के साथ पी4 पहल पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने #IAmMargadarsi पोस्टर का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा, मैं अपने कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र के 250 परिवारों को गोद ले रहा हूं। मैं उनके समग्र विकास की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं मार्गदर्शकों से आगे आने का आग्रह करता रहा हूं और अब मैं सिर्फ कह नहीं रहा, बल्कि इन 250 बंगारू कुटुंबम को गोद लेकर इसे प्रदर्शित भी कर रहा हूं। मैं उनके लिए एक विस्तृत विकास योजना बनाऊंगा। मैं एक मार्गदर्शक हूं। आज पी4 के जरिए हम गरीबों के उत्थान के लिए केंद्रित हस्तक्षेप की योजना बना रहे हैं। इस पहल को पूरे देश के लिए एक आदर्श बनने के लिए डिजाइन किया गया है।

बिजनेस प्लस

फिज़िक्सवाला ने किया PWNSAT 2025 की घोषणा

नई दिल्ली | एजुकेशन कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने PWNSAT (फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप टेस्ट NEET-UG और IIT-JEE के अभ्यर्थियों के लिए एक प्रयास है ताकि शिक्षा और मार्गदर्शन को सभी छात्रों तक पहुँचाया जा सके, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। PWNSAT 2025 एग्ज़ाम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र इसे आसानी से दे सकें। ऑनलाइन मोड के लिए छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफलाइन मोड में परीक्षा 5 अक्टूबर और 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी, जो पीडब्ल्यू के सभी विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स पर होगी। यह रजिस्ट्रेशन मुफ्त है और कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही 12वीं पास कर चुके छात्र, चाहे वे पीसीएम स्ट्रीम के हों या पीसीबी के, सभी के लिए खुला है। परीक्षा का परिणाम 25 अक्टूबर 2025 को घोषित किया जाएगा।

GOVERNMENT OF HARYANA TENDER NOTICE

SR. No.	NAME OF BOARD/CORP./AUTH	NAME OF WORK NOTICE TENDER	OPENING DATE CLOSING DATE (TIME)	AMOUNT / EMD (APPROX.) IN RUPEES	WEBSITE OF THE BOARD CORP./AUTH	NODAL OFFICER/CONTACT DETAILS/EMAIL
1	HSIIDC	OPERATION AND MAINTENANCE OF 3 MLD COMMON EFFLUENT TREATMENT PLANT (CETP) FOR ONE YEAR AT INDUSTRIAL ESTATE, KUTANA, ROHTAK	28.07.2025 06.08.2025	69.42 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9468254098 ia.rohtak@hsiidc.org.in
2	HSIIDC	DESILTING OF MASTER SEWERLINES OF 1000 MM TO 1200 MM DIA BY SUPER SUCKER MACHINE FROM PLOT NO. 218, M/S KUBOTA PVT. LTD. TO ATAL PARK, SECTOR-58, FARIDABAD (INDUSTRIAL SECTOR TRANSFERRED FROM HSVP TO HSIIDC).	29.07.2025 04.08.2025	22.46 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9818320496 ia.faridabad@hsiidc.org.in
3	HSIIDC	WORK OF UPGRADATION OF BALANCE ROAD AT HSIIDC, IE NARWANA UNDER SIID SCHEME.	25.07.2025 11.08.2025	133.28 LACS	https://etenders.hry.nic.in	9416139509 ia.narwana@hsiidc.org.in

FOR FURTHER INFORMATION KINDLY VISIT : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in 13/2026/60/37007/I/10/6

CH. DEVI LAL STATE INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
PANNIWALA MOTA (SIRSA)-125077
(Established by Government of Haryana in 2003)
(Ph. No. 01668-277597, Website: www.cdlsiet.ac.in)

Institute Level Physical Counseling-cum-Admission Notice

Applications are invited on prescribed proforma from eligible candidates for filling vacant/leftover seats of B. Tech. 1st year & 2nd year (LEET) courses: ECE, CSE, CSE (Data Science), EE, FT, ME & CE. Application proforma can be obtained from the Institute or downloaded from Institute website www.cdlsiet.ac.in. The duly filled application proforma with required documents and fee receipt of Rs. 500/- **(payable on SBI-Collect web portal or UPI ID - 57499670003279@cnrb)** can be submitted in the Institute or sent on email: **admissioncdlsiet@gmail.com** on or before the last date.

Counseling schedule of B. Tech. 1st Year in the Institute	
Last Date for submission of Application Form through E-mail/ By-Hand	01.08.2025 upto 01:00 pm
Eligibility Criteria for Admission in B. Tech 1st Year	JEE Main Rank / 10+2 Marks
Physical Reporting & submission of admission fees for candidates having JEE Rank (with reservation policy)	04.08.2025 (10:00 am to 01:00 pm)
Physical Reporting & submission of admission fees without reservation (JEE Main Rank / 10+2 Marks)	04.08.2025 (02:00 pm to 05:00 pm)
Counseling schedule of B. Tech. 2nd Year (LEET) in the Institute	
Last Date for submission of Application Form through E-mail/By-Hand	07.08.2025 upto 01:00 pm
Eligibility Criteria for Admission in B. Tech 2nd Year (LEET)	OLET Rank / Diploma Marks
Physical Reporting & submission of admission fees for candidates having OLET Rank (with reservation policy)	08.08.2025 (10:00 am to 01:00 pm)
Physical Reporting & submission of admission fees without reservation (OLET Rank / Diploma Marks)	08.08.2025 (02:00 pm to 05:00 pm)

*** On the spot Admission on first come first serve basis will be held from 05.08.2025 (10:00 am onwards) for B. Tech. 1st Year and from 11.08.2025 (10:00 am onwards) for B. Tech. 2nd Year (LEET), up to final cutoff date of the admissions i.e. 14.08.2025.**

For latest information visit Institute website. Selected candidate will be required to submit semester fee of Rs. 25000/- on the spot. The annual fee of the Institute is Rs. 41000/-. ***Admission Helpline Nos.*** 9466670070 (CE), 9416414099 (CSE & CSE Data Sc.), 9416788602 (EE), 9466579970 (ECE), 9812615571 (ME), 9215300743 (FT).

1031/11/254/2026/37009/10/6 Director-Principal

☞ यात्रीगण कृपया ध्यान दें ☜

उत्तर रेलवे द्वारा हरियाणा सीईटी परीक्षा–2025 में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे द्वारा हरियाणा सीईटी परीक्षा–2025 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए दिनांक 26.07.2025 और 27.07.2025 को निम्नलिखित परीक्षा विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएँगीः–

04502 चंडीगढ़ – सहारनपुर एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04502 आगमन	प्रस्थान
चंडीगढ़	---	13:15
अंबाला कैंट	14:00	14:05
बराड़ा	14:30	14:32
यमुनानगर जगाधरी	14:50	14:52
सहारनपुर	15:25	---

चलने के दिन : 04502 चंडीगढ़ से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

04510 चंडीगढ़ – सहारनपुर एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04510 आगमन	प्रस्थान
चंडीगढ़	---	19:15
अंबाला कैंट	20:00	20:05
बराड़ा	20:30	20:32
यमुनानगर जगाधरी	20:52	20:54
सहारनपुर	21:30	---

चलने के दिन : 04510 चंडीगढ़ से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

04504/04503 चंडीगढ़ – सोनीपत – चंडीगढ़ परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित)

गाड़ी सं. 04504 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04503 आगमन	प्रस्थान
---	19:00	चंडीगढ़	06:50	---
19:40	19:45	अंबाला कैंट	06:00	06:05
20:02	20:04	शाहाबाद मारकंडा	05:16	05:18
20:21	20:23	कुरुक्षेत्र जं.	04:58	05:00
21:02	21:04	करनाल	04:32	04:34
21:44	21:46	पानीपत	04:03	04:05
22:10	22:12	समालखा	03:42	03:44
22:24	22:26	गन्नौर	03:29	03:31
22:50	---	सोनीपत	---	03:15

चलने के दिन : 04504 चंडीगढ़ से 26.07.2025 तथा 04503 सोनीपत से 27.07.2025 को

04508 चंडीगढ़ – सोनीपत परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित)

स्टेशन	गाड़ी सं. 04508 आगमन	प्रस्थान
चंडीगढ़	---	19:00
अंबाला कैंट	19:40	19:45
शाहाबाद मारकंडा	20:02	20:04
कुरुक्षेत्र जं.	20:21	20:23
करनाल	21:02	21:04
पानीपत	21:44	21:46
समालखा	22:10	22:12
गन्नौर	22:24	22:26
सोनीपत	22:50	---

चलने के दिन : 04508 चंडीगढ़ से 27.07.2025 को

04401 दिल्ली जं. – सिरसा एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04401 आगमन	प्रस्थान
दिल्ली जं.	---	01:00
गुड़गांव	01:45	01:47
रेवाड़ी	03:45	04:25
चरखी दादरी	05:13	05:15
भिवानी	05:40	05:45
हिसार	06:55	07:00
मण्डी आदमपुर	07:25	07:27
सिरसा	08:40	---

चलने के दिन : 04401 दिल्ली जं. से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

04403 दिल्ली जं. – चंडीगढ़ एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04403 आगमन	प्रस्थान
दिल्ली जं.	---	03:10
पानीपत	04:15	04:20
करनाल	04:45	04:47
कुरुक्षेत्र जं.	05:10	05:12
अंबाला कैंट	06:25	06:35
चंडीगढ़	07:20	---

चलने के दिन : 04403 दिल्ली जं. से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

04506 चंडीगढ़ – करनाल एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04506 आगमन	प्रस्थान
चंडीगढ़	---	13:30
अंबाला कैंट	14:15	14:20
शाहाबाद मारकंडा	14:36	14:38
कुरुक्षेत्र जं.	14:55	14:57
करनाल	15:35	---

चलने के दिन : 04506 चंडीगढ़ से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

04405 जींद – चंडीगढ़ एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04405 आगमन	प्रस्थान
जींद	---	03:00
रोहतक	04:40	04:45
गोहाना	05:20	05:22
पानीपत	06:10	06:20
करनाल	06:55	07:25
कुरुक्षेत्र जं.	07:50	08:05
अंबाला कैंट	09:05	09:10
चंडीगढ़	09:50	---

चलने के दिन : 04405 जींद से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

04408 रोहतक – रेवाड़ी एकतरफा परीक्षा विशेष रेलगाड़ी (अनारक्षित) 02 फेरे

स्टेशन	गाड़ी सं. 04408 आगमन	प्रस्थान
रोहतक	---	06:30
अस्थल बोहर	06:40	06:42
डीघल	06:58	07:00
झज्जर	07:15	07:17
रेवाड़ी	08:30	---

चलने के दिन : 04408 रोहतक से 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिये रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा भारतीय रेल की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे — आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 2284/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बिजनेस ब्रीफ

1,000 और 100 रुपए के स्मारक सिक्के जारी होंगे

नई दिल्ली | सरकार ने 1,000 और 100 के दो स्मारक सिक्के लाने का निर्णय लिया है। पहला सिक्का सम्राट राजेंद्र चोल-I के नौसैनिक अभियान की 1,000वीं वर्षगांठ को चिह्नित करेगा। दूसरा सिक्का आचार्य श्री महाप्रज्ञ की 105वीं जयंती के उपलक्ष्य में होगा। दोनों सिक्के चांदी के होंगे। इनके एक तरफ अशोक स्तंभ का चिह्न होगा, जिसके नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा होगा। बाईं ओर भारत, दाईं ओर इंडिया लिखा होगा।

स्पाइसजेट 5 बोइंग 737 विमान लीज पर लेगी

मुंबई | स्पाइसजेट 5 बोइंग 737 विमान लीज पर लेगी। इन्हें इसी साल अक्टूबर तक फ्लीट में शामिल किया जाएगा। शुक्रवार को की गई घोषणा के मुताबिक, यह डैम्प लीज व्यवस्था है। इसमें उड़ानों का संचालन कमर्शियल पार्टनर और एयरलाइन द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह कदम सर्दियों के ट्रैवल सीजन से पहले उठाया गया है। इसका उद्देश्य 2026 की गर्मियों तक बढ़ती डिमांड पूरी करना है।

भास्कर एनालिसिस • कंपनियों के नतीजों से निराशा, मौजूदा ट्रेंड बड़ी गिरावट के संकेत दे रहे: एक्सपर्ट

लगातार चौथे हफ्ते गिरावट; सेंसेक्स दो दिन में 1,264 अंक गिरा, छोटी फर्मों के शेयरों में बड़ी टूट

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

शेयर बाजार शुक्रवार को करीब 1% गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 721 अंक टूटकर 81,463 पर और निफ्टी 225 अंकों की गिरावट के साथ 24,837 पर आ गया। सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई। दिलचस्प है कि गुरुवार को ब्रिटेन के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता हुआ और बीते दो दिन में ही सेंसेक्स 1,264 अंक गिर गया। विश्लेषकों के मुताबिक, बाजार की नजर अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील पर है। एसबीआई सिक्युरिटीज के टेक्निकल और डेरिवेटिव्स रिसर्च हेड सुदीप शाह ने कहा कि बीते एक महीने से बाजार को चढ़ने की कोई ठोस वजह नहीं मिल रही। इस बीच अप्रैल-जून तिमाही के कॉरपोरेट नतीजे भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। एलकेपी सिक्युरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रुपक डे का मानना है कि बाजार के मौजूदा रुझान तेजी का ट्रेंड पलटने के संकेत दे रहे हैं। निकट भविष्य में एक बड़ी गिरावट देखी जा सकती है।

फिलहाल सेंटीमेंट कमजोर, तेजी के संकेत नहीं

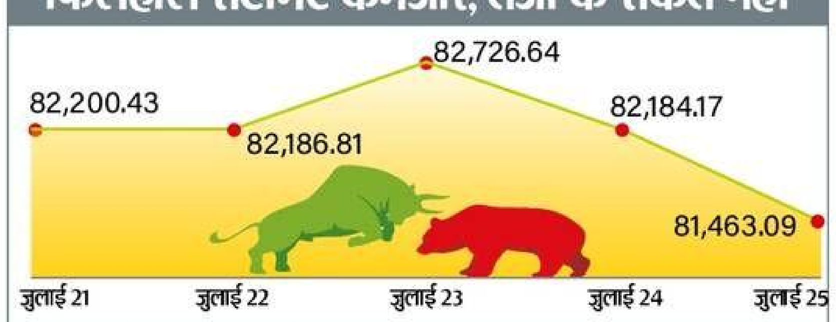

- मिड-कैप व स्मॉल-कैप में बड़ी गिरावट। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.46% गिरा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 1.88% टूट गया।
- शुक्रवार की गिरावट से लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 458 लाख करोड़ से घटकर 451.7 लाख करोड़ रह गया ।

जानिए मौजूदा गिरावट की चार सबसे बड़ी वजह

1. अमेरिका के साथ डील में देरी
लंबे समय से बातचीत जारी रहने के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील होने को लेकर कोई स्पष्ट संकेत नहीं है। इससे बाजार में निराशा है।

2. विदेश पूंजी की निकासी
विदेशी संस्थाएं जुलाई में अब तक भारतीय इक्विटी से 28,528 करोड़ रुपए निकाले हैं। इसमें से 11,572 करोड़ कैश मार्केट से निकाले गए हैं।

3. कमजोर तिमाही नतीजे
अप्रैल-जून तिमाही के लिए अब तक आए कंपनियों के नतीजे बाजार सेंटीमेंट मजबूत करने में विफल रहे हैं। मुनाफा कमोबेश बढ़ा है, लेकिन बिक्री में गिरावट आने से रिस्क भी बढ़ा है।

4. कमजोर कंपनियों के महंगे शेयर
विश्लेषकों के मुताबिक, भारतीय बाजार का मौजूदा वैल्युएशन कंपनियों के नतीजों से मेल नहीं खा रहे। कमजोर फंडामेंटल्स वाले छोटे-मझोले शेयरों में ज्यादा गिरावट आ रही है।

सेंसेक्स इस हफ्ते 0.4% गिरा, लेकिन स्मॉलकैप 2.5% टूटा

इंडेक्स	गिरावट
सेंसेक्स	▼0.36%
निफ्टी	▼0.53%
बीएसई लार्जकैप	▼0.75%
बीएसई मिडकैप	▼1.71%
बीएसई स्मॉलकैप	▼2.49%

(गिरावट 18 जुलाई से 25 जुलाई के बीच)

भारत-ब्रिटेन डील: टेक्सटाइल लेदर, फार्मा में 9% तक उछाल

शेयर	तेजी
मिर्जा इंटरनेशनल	▲8.78%
गोकक टेक्सटाइल्स	▲4.70%
सिप्ला	▲2.95%
टोरेंट फार्मा	▲2.62%
डॉ. रेड्डीज लैब्स	▲0.97%

(तेजी के आंकड़े शुक्रवार के)

दहशत: स्मॉलकैप 100 इंडेक्स के 19 शेयर 30% तक गिरे

स्मॉल कैप शेयर	गिरावट (एक हफ्ते में)
इंडियन एनर्जी एक्सचेंज	-30%
न्यूजेन सॉफ्टवेयर टेक	-11%
रिलायंस पावर	-11%
पुनावाला फिनकॉर्प	-9%
त्रिवेणी टरबाइन	-9%

अनिल अंबानी के ग्रुप के तीनों शेयरों पर लोअर सर्किट

अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप की 3 कंपनियों के शेयरों की ट्रेडिंग होती है। शुक्रवार को इन सभी पर 5% का लोअर सर्किट लगा। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के शेयरों की ट्रेडिंग 342 रुपए पर रुक गई। सर्किट लगने तक रिलायंस पावर के शेयर 56.72 और रिलायंस होम फाइनेंस के शेयर 4.49 रुपए पर थे। ग्रुप के खिलाफ ईडी की छापेमारी के चलते निवेशक घबराए हुए हैं।

ग्लोबल रिपोर्ट • बढ़ती गर्मी का हमारी जेब पर असर

बीते साल आलू-प्याज 80% महंगे, वजह क्लाइमेट चेंज

बिज़नेस संवाददाता | नई दिल्ली

हाल के वर्षों में वैश्विक तापमान में रिकॉर्ड वृद्धि ने सीधा हमारी जेब पर असर डाला है। बार्सिलोना सुपरकम्प्यूटिंग सेंटर की रिसर्च के मुताबिक 2024 वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म साल रहा। इसने दुनिया का औसत तापमान 1.5 डिग्री बढ़ा दिया। इससे फसलों की पैदावार और सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई। बीते वर्ष अप्रैल-जून के दौरान अत्यधिक गर्मी के चलते भारत में प्याज-आलू जैसी जरूरी चीजों के दाम 80% से ज्यादा बढ़ गए। इस रिसर्च में 2022 से 2024 के बीच 18 देशों में भीषण गर्मी से जुड़े 16 संकटों का विश्लेषण किया गया।

प्रदूषण कम करने के तत्काल उपाय जरूरी

रिसर्चर्स ने चेताया है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है। इनके बिना देश-दुनिया में खाद्य संकट और गहराएंगे। रिसर्च टीम के लीडर कोत्ज ने कहा, 'जब तक हम नेट-जीरो उत्सर्जन तक नहीं पहुंचते, पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता रहेगा, जिससे अत्यधिक गर्मी, लू और सूखे की घटनाएं बढ़ेंगी। यह फसलों को नुकसान पहुंचाएगा और दुनियाभर में खाने की कीमतें बढ़ाएगा।'

पूरी दुनिया में असर: कोको के दाम सिर्फ 1 साल में 280% बढ़े, कॉफी भी 100% तक महंगी हुई

- **घाना और आइवरी कोस्ट:** फरवरी 2024 की गर्मी के बाद कोको के दाम 280% बढ़े।
- **ब्राजील और वियतनाम:** गर्मी-सूखे से अरेबिका कॉफी 55% और रोबस्टा काफी 100% महंगी हुई।
- **यूरोपियन यूनियन:** स्पेन और इटली में सूखे से जैतून के तेल की कीमतें 50% बढ़ीं।
- **अमेरिका:** कैलिफोर्निया और एरिजोना में सूखे से नवंबर 2022 में सब्जियों की कीमतें 80% बढ़ीं।

HIMACHAL PRADESH PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer HP PWD Kasauli Distt. Solan HP on behalf of Governor of HP invites the online bids on Percentage rate in electronic tendering system, in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors. Firms registered with HPPWD Department.
Job No.1 Name of Work :C/O 18.75 mtr single lane span RCC T-Beam bridge across Katal Ki Nali on Chandi Ghyan road at Rd. 5/085.(SH:- C/O protection work for both side approach road, P/L GSB, WMM and 30mm thick BC on approach road)Under SCDP. **Tentative Cost :**30,13,232/- **Earnest Money :**60,300/- **Time Allowed :**Three Months **Cost of Form** : 2000/-
Starting date for sownloading bid:- 26.07.2025
Deadline for Submission of bid:- 02.08.2025 at 10.30AM
Date of Opening of bid:- 02.08.2025 at 11.30 AM
1. The bidders are advised to note other details of tenders from the department website https://hptenders.gov.in.

Executive Engineer,
Kasauli Division,HPPWD Kasauli
On behalf of the Governor of HP.
Him Suchna Avam Jan Sampark **2034/2025-26**

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	08255383A	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ आई पी बेस्ड	1363 सेट	21.08.2025
02	16255026	स्टैंडबाई इन्वर्टर फॉर फ्यूल	250 नग	22.08.2025
03	19250135	ए ओ एच/टी ओ एच किट फॉर इ एल जी आई कंप्रेसर	343 सेट	25.08.2025
04	16250544	आई ओ एच किट फॉर टी आर सी 2507	75 नग	25.08.2025
05	15245083B	शॉट ब्लास्टिंग एंड पीनिंग प्लांट	1 नग	02.09.2025
06	09253071A	पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन साल्वेंट	128979 लीटर	09.09.2025
07	08255028	24 फाइबर अर्मोरेद ऑप्टिकल फाइबर केबल	482 किलो मीटर	11.09.2025
08	12250030	अर्थिंग केबल कम्पलीट फॉर व्हील सेट	5989 नग	22.09.2025

निविदा शर्तें– 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाईट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं.: 35/2025-2026 दिनांक 25.07.2025 **2272/2025**
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

	विवरण	एन आई टी 17, 19 & 27-2025-26-डब्ल्यू-5
1	काम का नाम और उसका स्थान	**17)** सहायक मंडल अभियंता/निजामुद्दीन के खंड में सीस सफाई, जंगल सफाई और उथली स्क्रीनिंग का कार्य।
		19) सहायक मंडल अभियंता/निजामुद्दीन के अंतर्गत एसएसई/पी.वे./एचएनजेडएम के अनुभाग में ग्लूड जॉइंट एवं स्विच एक्सपेंशन जॉइंट का प्रतिस्थापन का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति :** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
		27) वरिष्ठ मंडल अभियंता पंचम/नई दिल्ली के अनुभाग के लिए विविध पीवे सामग्री के नेतृत्व का कार्य। **समान कार्य की प्रकृति :** किसी भी प्रकार का ट्रैक कार्य।
2	काम की अनुमानित लागत	**17)** Rs. 3999583.33 **19)** Rs. 5499700.23 **27)** Rs. 7999171.50
3	अग्रिम राशि (रुपये)	(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोट: रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई-आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।) **17)** Rs. 80000.00 **19)** Rs. 110000.00 **27)** Rs. 160000.00
4	काम की समाप्ति अवधि	**17)** 09 महीने **19)** 09 महीने **27)** 09 महीने
5	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	18.08.2025 को 15:00 बजे तक तथा 18.08.2025 को 15:00 बजे निविदा खुलना है।
6	वेबसाइट के विवरण का नोटिस बोर्ड स्थान निविदा का पूरा	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलबध है।

No. 128-W/280/OET/2025-26/W-V/ NIT-17, 19 & 27-2025-26 Date 24.07.2025
2259/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार
क्षेत्रीय कार्यालय : भविष्य निधि भवन, सैक्टर 15ए, फरीदाबाद (हरियाणा)

जन-सामान्य सूचना
प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना
ध्यानाकर्षण : नियोक्ता

जैसा कि आपको विदित है, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना को हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है। इस योजना में पहली बार नौकरी प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को वित्तीय प्रोत्साहन देने की परिकल्पना की गई है, जिसमें प्रोत्साहन के लिए पात्रता केवल उन्हीं मामलों में उपलब्ध है, जहाँ किसी भी कर्मचारी का कुल वेतन एक लाख रुपये से अधिक न हो।

इसलिए, सभी नियोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वे हर महीने ईपीएफओ में दर्ज इलेक्ट्रॉनिक चालान रिटर्न (ईसीआर) से संबंधित क्षेत्र में कर्मचारियों के कुल वेतन से संबंधित जानकारी सही ढंग से प्रस्तुत करें।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, यह दोहराया जाता है कि सभी नियोक्ताओं को वेतन माह अगस्त 2025 से जमा की जाने वाली ईसीआर में कुल वेतन से संबंधित सही प्रविष्टि सुनिश्चित करनी होगी।

हस्ता.
(क्षेत्रीय भ.नि.आयुक्त)

दैनिक भास्कर

स्पोर्ट्स चैलेंज

हर हफ्ते खेलिए क्विज और जीतिए 10 इनाम

क्विज खेलने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें। इसके 5 सवालों के सही जवाब देकर बन सकते हैं विजेता। सही जवाब वाले विजेताओं का चयन लकी ड्रॉ द्वारा होगा। क्विज में आज रात 12 बजे तक हिस्सा ले सकते हैं।

हर हफ्ते 10 विजेताओं को 20 हजार रु. मूल्य के इनाम

चैलेंज-41 के सवाल

Q1 क्रिकेट में खब्बू बल्लेबाज किसे कहते हैं?
A. ओपनर B. मिडिल ऑर्डर बैटर
C. दाएं हाथ का बैटर D. बाएं हाथ का बैटर

Q2 टेस्ट इतिहास का पहला शतक किसने जड़ा था?
A. चार्ल्स बैनरमन B. डब्ल्यू जी ग्रेस
C. के एस रंजीतसिंहजी D. हैरी ग्राहम

Q3 'ओलिंपिक टॉर्च रिले' की परंपरा किस ओलिंपिक में शुरू हुई थी?
A. 1928, एम्स्टर्डम B. 1936, बर्लिन
C. 1908, लंदन D. 1952, हेलसिंकी

Q4 सबसे ज्यादा बार महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप किस देश ने जीता है?
A. अमेरिका B. जर्मनी
C. स्पेन D. ब्राजील

Q5 पहले कॉमनवेल्थ यूथ गेम्स किस साल खेले गए थे?
A. 1996 B. 2004
C. 2000 D. 2008

▪ 10 विजेताओं के नाम देखें सोमवार को।

भास्कर एनालिसिस • इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 की सीरीज जीत से आगामी वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारतीय महिला टीम की तैयारी मजबूत

क्रांति की पेस और हरमन की वापसी, इंग्लैंड दौरे से मिले कई जवाब

भास्कर न्यूज | मुंबई

दिसंबर 2024 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे सीरीज में मिली 0-3 की शिकस्त ने भारतीय महिला टीम को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया था। सवाल उठने लाजमी थे, क्योंकि एक साल से भी कम समय में भारत को वनडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करनी थी। लेकिन इसके बाद भारत ने दमदार वापसी करते हुए तीन द्विपक्षीय सीरीज और एक ट्राई सीरीज जीती। उस सीरीज के बाद से खेले 14 में से 12 वनडे में भारत ने जीत दर्ज की है। इस दौरान टीम ने वेस्ट इंडीज और आयरलैंड को 3-0 से मात दी। वहीं, श्रीलंका-द. अफ्रीका के खिलाफ ट्राई सीरीज का खिताब भी भारत ने अपने नाम किया। इस हफ्ते की शुरुआत में भारत ने इंग्लैंड को उसी के घर में 2-1 से सीरीज हराकर दबदबा साबित किया। इस सीरीज जीत से 30 सितंबर से शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम को कई अहम सवालों के जवाब मिले। **नजर कुछ ऐसे ही पॉजिटिव्स पर...**

क्रांति गौड़ के रूप में मिली युवा पेसर, 9 विकेट लेकर सीरीज में टॉप पर रहीं

▪ भारतीय टीम पिछले कुछ महीनों से अपनी अनुभवी तेज गेंदबाजों की चोटों से परेशान है। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और तितास साधु- तीनों ही मुख्य पेसर्स इंजरी से रिकवर हो रही हैं। चूंकि वनडे वर्ल्ड कप में अब सिर्फ दो महीने का समय शेष है, इसलिए इन अनुभवी पेसर्स का विकल्प तैयार रखना अहम हो जाता है।
▪ इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 21 वर्षीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने अपने प्रदर्शन से टीम इंडिया की परेशानी को कम करने का काम किया।
▪ क्रांति गौड़ तीन मैचों में 9 विकेट लेकर सीरीज की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। इस दौरान, सीरीज के निर्णायक मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 52 रन देकर 6 विकेट चटकाए। गौड़ की नई गेंद के साथ स्विंग और पुरानी गेंद से वेरिएशन ने खूब प्रभावित किया।
▪ 21 साल, 345 दिन की क्रांति महिला वनडे में फाइव विकेट हॉल वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं।

हरमन की फॉर्म में वापसी से मिलेगी मजबूती, भारत की टॉप स्कोरर रहीं

▪ सीरीज में भारत के लिए सबसे बड़ा पॉजिटिव कप्तान हरमनप्रीत कौर का फॉर्म में वापस लौटना रहा। हरमन ने सीरीज के निर्णायक मुकाबले में मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करते हुए 102 रन की शतकीय पारी खेली। वे 126 रन के साथ सीरीज में भारत की टॉप स्कोरर रहीं।
• उन्होंने अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार कोई 50+ पारी खेली। इस मैच से पहले पिछली 13 वनडे पारियों में उनका औसत सिर्फ 29 का था। हालांकि, वह टीम के लिए छोटी-छोटी पारियां खेल रही थीं।
▪ मैच के बाद हरमन ने भी माना कि वह दबाव में थीं और अच्छा प्रदर्शन करना चाहती थीं। कप्तान के फॉर्म में लौटने से मेगा इवेंट से पहले भारतीय टीम का भी मनोबल बढ़ेगा।

तेज रन बना रही हैं भारतीय बैटर्स, 5 का स्ट्राइक रेट 90+

पिछली कुछ श्रृंखलाओं से भारतीय बैटर्स का आक्रामक रवैया देखने को मिल रहा है। टीम इंडिया ने वनडे इतिहास में कुल 12 बार तीन सौ का आंकड़ा पार किया है। इनमें से 7 बार पिछले साल दिसंबर से अब तक के बीच ऐसा हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी मैच में भी भारत ने 318 का बड़ा टोटल बनाया था। सीरीज में टॉप-7 भारतीय बैटर्स में से 5 का स्ट्राइक रेट लगभग 90+ का रहा। इस दौरान टॉप ऑर्डर में स्मृति मंधाना (89.14), मिडिल ऑर्डर में हरमनप्रीत (105) और जेमिमा रॉड्रिग्स (94.39) सहित लोअर ऑर्डर में ऋचा घोष (135.13) और दीप्ति शर्मा (93.87) ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे।

मैनचेस्टर टेस्ट • रूट ने सर्वाधिक रन के मामले में द्रविड़, कैलिस और पोंटिंग को पीछे छोड़ा

एक साथ 3 दिग्गजों से आगे रूट

इंग्लैंड ने पहली पारी में 544/7 का स्कोर बनाया, भारत पर 186 रन की बढ़त ली

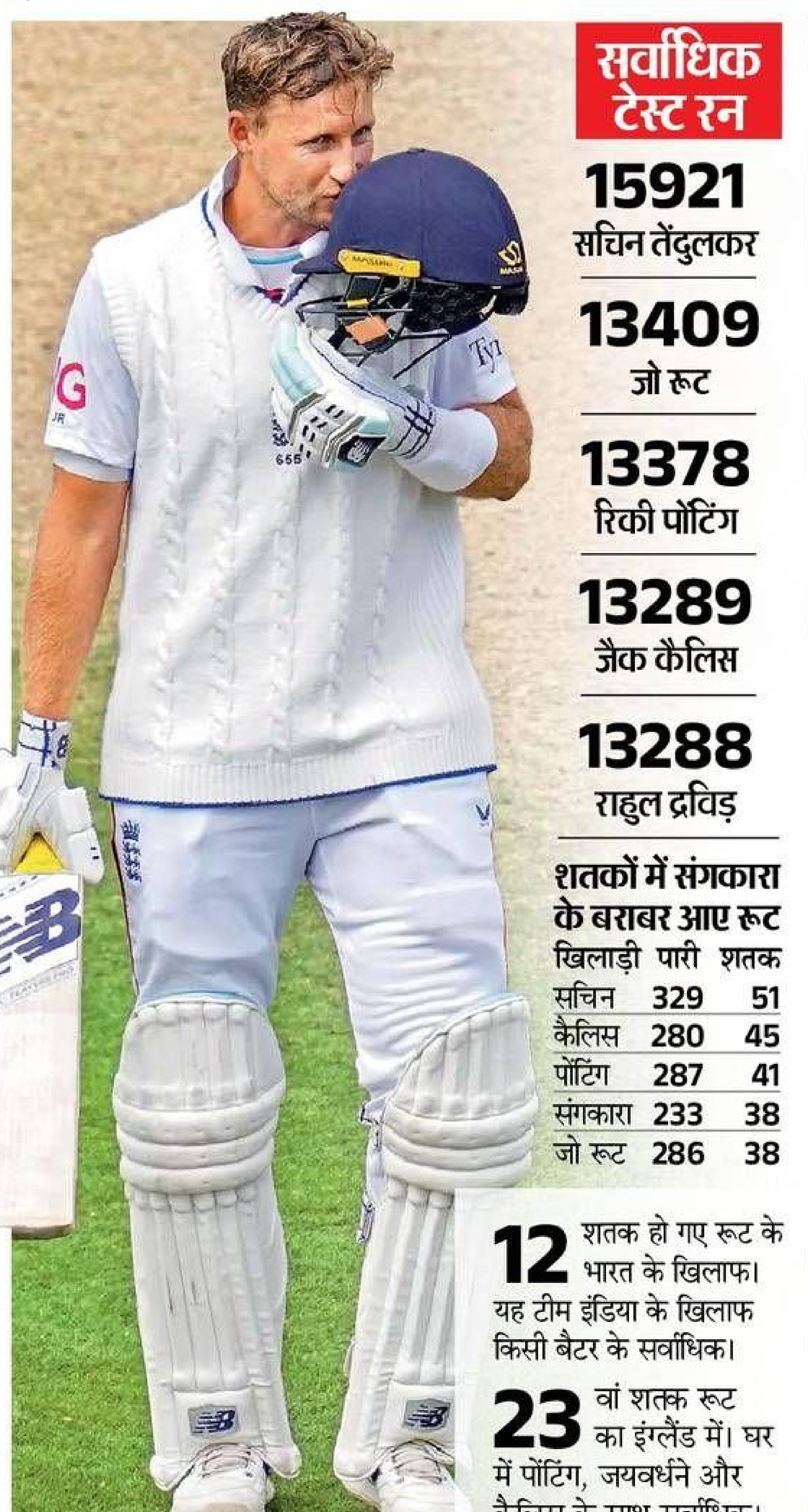

सर्वाधिक टेस्ट रन

15921 सचिन तेंदुलकर
13409 जो रूट
13378 रिकी पोंटिंग
13289 जैक कैलिस
13288 राहुल द्रविड़

शतकों में संगकारा के बराबर आए रूट

खिलाड़ी	पारी	शतक
सचिन	329	51
कैलिस	280	45
पोंटिंग	287	41
संगकारा	233	38
जो रूट	286	38

12 शतक हो गए रूट के भारत के खिलाफ। यह टीम इंडिया के खिलाफ किसी बैटर के सर्वाधिक।

23 वां शतक रूट का इंग्लैंड में। घर में पोंटिंग, जयवर्धने और कैलिस के साथ सर्वाधिक।

भास्कर न्यूज | मैनचेस्टर

भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने कमाल कर दिया। 34 वर्षीय रूट 150 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी के दौरान रूट ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों के मामले में एक साथ तीन दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रूट के अब 13 हजार 409 रन हो गए हैं। वे अब केवल सचिन (15 हजार 921 रन) से पीछे हैं।

रूट ने शुक्रवार को सबसे पहले राहुल द्रविड़ (13,288), फिर जैक कैलिस (13,289) और अंत में रिकी पोंटिंग (13,378) को पीछे छोड़ा। उनकी शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने पहली पारी में 544/7 का स्कोर बना लिया। स्टंप्स के समय कप्तान स्टोक्स (77*) और लियम डॉसन (21*) क्रीज पर थे। ओली पोप 71 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की कुल बढ़त 186 रन की हो गई है। स्टोक्स पारी में 50+ रन वाले इंग्लैंड के पांचवें बल्लेबाज रहे। पिछले दिन जैक क्रॉली (84) और बेन डकेट (94) शतक से चूक गए थे। भारत की पहली पारी 358 पर खत्म हुई।

89 साल बाद इंग्लिश कप्तान का फाइफर और फिफ्टी दोनों

स्टोक्स 89 साल में पहले ऐसे इंग्लिश कप्तान बने, जिन्होंने एक टेस्ट में फाइव विकेट हॉल और अर्धशतक लगाया। स्टोक्स ने पहली पारी में 5 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 77* की पारी खेली। उनसे पहले स्टेनले जैक्सन (82* रन, 5 विकेट) और गबी एलेन (68 रन और 5 विकेट) ने ऐसा किया था। जैक्सन ने 1905 और एलेन ने 1936 में ऐसा किया।

पसीने छूटे: लंच तक नहीं गिरा सके इंग्लैंड का कोई विकेट

तीसरे दिन इंग्लैंड ने अपनी पारी 225/2 के स्कोर से आगे बढ़ाई। पूर्व दिन से जमे रूट और पोप ने पहले सत्र के 28 ओवर में कोई विकेट नहीं गिरने दिया और 107 रन जोड़े। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने-अपने अर्धशतक पूरे किए और तीसरे विकेट के लिए 135 रन की साझेदारी कर ली।

वापसी: कम अंतराल में विकेट लेकर मैच में बना रहा भारत

भारत को पहली सफलता दिन के 31वें ओवर में मिली, जब स्पिनर वॉशिंगटन ने पोप (71) को आउट किया। दो ओवर बाद ही सुंदर ने ब्रूक (3) को स्टंप आउट करवा दिया। इन नियमित झटकों से टीम इंडिया को कुछ राहत मिली। हालांकि, स्टोक्स और रूट की 142 रन की साझेदारी ने भारत को मुश्किल में डाला। लेकिन स्टोक्स के रिटायर होने व रूट, जेमी स्मिथ, वोक्स के 29 के भीतर आउट होने से भारत की वापसी हुई।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड ने टॉस जीता (गेंदबाजी)

भारत पहली पारी 358.
इंग्लैंड पहली पारी (225/2 से आगे)

	रन	गेंद	4/6
पोप कै राहुल बो वॉशिंगटन	71	128	7/0
जो रूट स्टं. जुरेल बो जडेजा	150	248	14/0
ब्रूक स्टं. जुरेल बो वॉशिंगटन	3	12	0/0
बेन स्टोक्स नाबाद	77	134	6/0
स्मिथ कै जुरेल बो बुमराह	9	19	1/0
डॉसन नाबाद	21	52	2/0
वोक्स बो सिराज	4	17	0/0

अतिरिक्त: 31, **कुल:** 544/7. **विकेट:** 3-341, 4-349, 5-499, 6-515, 7-528. **गेंदबाजी:** बुमराह 28-5-95-1, कंबोज 18-1-89-1, सिराज 26-4-113-1, शार्दुल 11-0-55-0, जडेजा 23-0-117-2, वॉशिंगटन 19-4-57-2.

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स

41 साल के डिविलियर्स ने 41 गेंदों में जड़ा तूफानी शतक

भास्कर न्यूज | लीस्टर

साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने लंबे समय बाद प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी करते हुए धमाकेदार पारी खेली। चार साल पहले सभी तरह के क्रिकेट से संन्यास लेने वाले डिविलियर्स ने इंग्लैंड में जारी वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स टूर्नामेंट से मैदान पर वापसी की। इस टूर्नामेंट के आठवें मुकाबले में इंग्लैंड चैम्पियंस के खिलाफ डिविलियर्स ने पुराने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 51 गेंदों में 15 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 116* रन की शतकीय पारी खेली। इस दौरान 41 वर्षीय डिविलियर्स ने सिर्फ 41 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने हाशिम अमला (29*) के साथ 153 रनों की अटूट ओपनिंग साझेदारी निभाकर साउथ अफ्रीका चैम्पियंस को 10 विकेट से एकतरफा जीत दिलाई।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

टी20: ट्राई सीरीज का फाइनल मैच आज न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच

हरारे | टी20 ट्राई सीरीज के फाइनल में शनिवार को न्यूजीलैंड का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। न्यूजीलैंड सीरीज में चारों मैच जीतकर अजेय है, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दो मैच जीते और दो हारे हैं। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर और अफ्रीका के शुकरी कॉनराड दोनों अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। दोनों टीमें अब तक 17 बार आमने-सामने हुई हैं, जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने 11 और न्यूजीलैंड ने 6 मैच जीते हैं।

डब्ल्यूपीएल: टीम इंडिया के पूर्व असिस्टेंट कोच नायर बने यूपी वॉरियर्ज के हेड कोच

मुंबई | वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टीम यूपी वॉरियर्ज ने भारतीय टीम के पूर्व असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर को मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने भारतीय पुरुष टीम से अलग होने के बाद जिम्मेदारी संभाली। इससे पहले, तीन सीजन तक इंग्लैंड के जॉन लुईस कोच रहे थे। नायर ने पहले सीजन के बाद यूपी के ऑफ-सीजन कैम्प में उनकी मदद की थी।

बैडमिंटन: तन्वी शर्मा और वेन्नला एशियन जूनियर चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में

सोलो (इंडोनेशिया) | बैडमिंटन एशिया जूनियर चैम्पियनशिप में भारत की तन्वी शर्मा और वेन्नला कलागोटला ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर दो मेडल पक्के किए। वेन्नला ने थाईलैंड की जन्यापॉर्न मीपंथोंग को 21-18, 17-21, 21-17 से हराया। वहीं, दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी ने मेजबान इंडोनेशिया की थालिता रामधनी विर्यावन को 21-19, 21-14 से मात दी। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना चीन की यिन यी किंग और वेन्नला का सि या लियू से होगा।

स्क्वैश: 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप में जीता ब्रॉन्ज मेडल

काहिरा | भारत की युवा स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैम्पियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त अनाहत को सेमीफाइनल में मिस्र की नादीन एल-हम्मामी से 6-11, 12-14, 10-12 से कड़ी टक्कर में हार का सामना करना पड़ा।

चेस: वर्ल्ड कप में मिलेगी 70 लाख से ज्यादा राशि

भास्कर न्यूज | बातुमी

भारतीय शतरंज इतिहास में पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब किसी भारतीय खिलाड़ी को मिलेगा। शनिवार से होने वाले फाइनल में ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी और 19 वर्षीय दिव्या देशमुख आमने-सामने होंगी। दोनों ने अगले साल होने वाले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। हम्पी का अनुभव उन्हें बढ़त देता है। वहीं दिव्या ने टूर्नामेंट में तीन टॉप-10 खिलाड़ियों को हराकर अपनी आक्रामक शैली से सबको चौंकाया। दो क्लासिकल गेम्स में परिणाम तय न होने पर फाइनल टाईब्रेकर में जाएगा। विजेता को करीब 43 लाख रुपए और उपविजेता को करीब 30 लाख मिलेंगे।

चाइना ओपन • भारतीय जोड़ी 21-18, 21-14 से जीती

बैडमिंटन: इस सीजन में चौथे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

भास्कर न्यूज | चांगझू

सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चाइना ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के तेओ ईई यी और ओंग येव सिन को 21-18, 21-14 से हराया। उन्होंने सिर्फ 40 मिनट में जीत दर्ज की। भारतीय स्टार शटलर जोड़ी ने इस सीजन चौथे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे पहले, वे इंडिया ओपन, मलेशिया ओपन और इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। अब टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग का सामना आरोन चिया-सोह वू यिक की वर्ल्ड नंबर-2 मलेशियाई जोड़ी से होगा।

बैडमिंटन फोटो

इस जोड़ी के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने 13 मैच में से सिर्फ 3 जीते हैं।

वर्ल्ड नंबर-4 यामागुची से हारीं उन्नति: उन्नति हुड्डा का सफर क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गया। 17 वर्षीय उन्नति को वर्ल्ड नंबर-4 अकाने यामागुची से 16-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

हॉकी: ऑस्ट्रेलिया दौरे से तैयारी करेगी भारतीय टीम

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में चार मैचों की सीरीज खेलेगी। पर्थ स्टेडियम में 15 से 21 अगस्त तक होने वाली इस सीरीज के जरिए भारतीय टीम एशिया कप की तैयारी करेगी। एशिया कप 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होगा। एशिया कप अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप का क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट है। हाल ही में प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दोनों मैचों में 3-2 से हराया था। हालांकि, पिछले साल ओलिंपिक में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 3-2 से जीत दर्ज की थी। साल 2013 से अब तक दोनों के बीच 51 मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 35 जीते हैं, जबकि भारत 9 बार विजेता रहा।

जोरिच यूथ वनडे में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी

भास्कर न्यूज | हरारे

दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के ओपनर जोरिच वैन शाल्कविक ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे अंडर-19 के खिलाफ 215 रन की शानदार पारी खेली। यह पुरुष यूथ वनडे में पहला दोहरा शतक है।

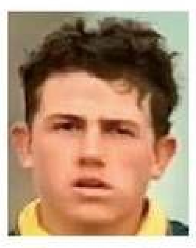

उन्होंने 153 गेंदों में 19 चौके और 6 छक्के लगाए। इससे पहले यूथ वनडे में सर्वोच्च स्कोर श्रीलंका के हसीथा बोयागोड़ा के नाम था, जिन्होंने 2018 में 191 रन बनाए थे। अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 385 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे सिर्फ 107 रन पर ढेर हो गई। द. अफ्रीका ने 278 रन से मैच जीत लिया। जोरिच को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

भास्कर खास मेजर लीग बेसबॉल में जापान के पहले बल्लेबाज थे इचिरो, कल हॉल ऑफ फेम में शामिल होंगे

इचिरो: सख्त रूटीन, मजाकिया व्यवहार से बने महान खिलाड़ी

© The New York Times
दैनिक भास्कर से विशेष अनुबंध के तहत

रस्टिन डॉड | इस रविवार को जब इचिरो सुजुकी का नाम बेसबॉल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा, तब यह उनके शानदार और ऐतिहासिक करियर का बड़ा मुकाम होगा।

2001 में जापान की ओरिक्स ब्लू वेव टीम से आए इचिरो पहले जापानी बल्लेबाज थे, जो मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) में खेले। उन्होंने 19 साल में 3,089 हिट्स लगाए और 45 की उम्र में संन्यास लिया। लेकिन इचिरो सिर्फ आंकड़ों की वजह से महान नहीं हैं। उनका अनुशासन, आदतें, हास्यभाव, खेल के प्रति सम्मान की चर्चा एमएलबी में अभी भी होती है। लोग सिर्फ उन्हें पहले नाम 'इचिरो' से ही पहचान जाते हैं। आइए जानें उनके जीवन के 4 अहम सबक...

अनुशासन: 78 किलो वजन तय करके रखा था

इचिरो रोजाना सबसे पहले वजन नापते थे। उन्होंने अपने लिए 78 किग्रा का वजन तय करके रखा था। अगर वजन कम होता, तो वे थोड़ा ज्यादा खाते, और अगर ज्यादा होता तो कम खाते। पूर्व ट्रेनर रिक ग्रिफिन बताते हैं कि इचिरो एकमात्र खिलाड़ी थे, जिनका वजन पूरे सीजन एक जैसा ही रहता था। वे नियमित ट्रेनिंग के बाद सिर्फ सात चिकन विंग्स खाते थे। टीम हर खिलाड़ी का बॉडी फैट साल में चार बार नापती थी और इचिरो के नतीजे हमेशा एक जैसे रहते थे। पूर्व जनरल मैनेजर बिल बवासी के मुताबिक, एक मैच खत्म होते ही इचिरो अगले मैच की तैयारी शुरू कर देते थे। पहले इचिरो ने अपनी आदतें बनाईं, फिर आदतों ने उन्हें बनाया।

रवैया: सिर्फ काम के प्रति गंभीर, खुद के लिए नहीं

इचिरो के साथी बताते हैं कि वे कभी शांत नहीं बैठते थे। वे हमेशा चल रहे होते थे, स्ट्रेचिंग कर रहे होते थे या कुछ सीख रहे होते थे। हालांकि, उनकी एक अन्य खासियत थी कि वे अपने आसपास हमेशा मजाकिया और हल्का-फुल्का माहौल बनाए रखते थे। जैसे किसी साथी खिलाड़ी को अजीब नाम से पुकारना जिसे सुनकर पूरी टीम हंस पड़े, या किसी टीममेट की मजाकिया अंदाज में तारीफ करना।

जुड़ाव: अनजान के साथ खाने से भी परहेज नहीं

इचिरो नए लोगों से जुड़ने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। ऐसा वे ज्यादातर खाने की मेज पर करते थे। वे एक बार एक सुशी रेस्टोरेंट में थे और वहां रेंजर्स टीम के पुराने खिलाड़ी सीजे विल्सन भी थे। विल्सन को जब पता लगा, तो उन्होंने स्टाफ के जरिए संदेश भिजवाया कि क्या वे इचिरो के साथ बैठ सकते हैं। इचिरो ने इस ऑफर को स्वीकार किया और उनके साथ लंबे समय तक बैठकर 70 सुशी खाईं। इचिरो साथी खिलाड़ियों के साथ भी ऐसे ही थे। वे अक्सर उनके साथ डिनर पर जाते थे। घर पर बुलाकर उन्हें खाना खिलाते थे। कई बार अपने साथियों के साथ डिनर के लिए वे पूरा रेस्टोरेंट खाली करवा देते थे।

खेल का सम्मान: कभी गुस्से में ग्लव्ज नहीं फेंके

51 वर्षीय इचिरो खेलने के दौरान अपने खेल उपकरणों को काफी तहजीब से रखते थे। ये चीजें हमेशा एक ही जगह पर, साफ-सुथरी और चमकती हुई होती थीं। उन्होंने कभी गुस्से में अपना बल्ला या ग्लव्ज नहीं फेंका। अगर वे दूसरे खिलाड़ियों को ऐसा करते देखते थे, तो उन्हें टोक देते थे। वे खेलने की चीजों को सिर्फ इक्विपमेंट नहीं, बल्कि अपना ही हिस्सा मानते थे।

माइंड गेम # 158

		4	8					
3	2	1			4			7
	8				1	6	5	
	3			7				
7				1	8			
							6	5
			1		9			3
				8			1	
2			4		3			

माइंड गेम या सुडोकू एक पजल खेल है, जिसमें 9x9 ग्रिड होता है। इसमें हर पंक्ति, कॉलम और 3x3 बॉक्स में 1 से 9 तक के अंक बिना दोहराए होने चाहिए।

■ बॉक्स में दिए अंकों का उपयोग करके खाली बॉक्स में बाकी अंकों को भरना है।
■ सही तरीके से खाली बॉक्स भरने पर ही खेल पूरा होता है।
■ हर सूडोकु का एक ही सही जवाब होता है।

माइंड गेम 157 का जवाब

8	7	9	1	2	3	6	5	4
2	1	3	4	5	6	9	8	7
5	4	6	7	8	9	3	2	1
9	8	1	2	3	4	7	6	5
3	2	4	5	6	7	1	9	8
6	5	7	8	9	1	4	3	2
4	3	5	6	7	8	2	1	9
7	6	8	9	1	2	5	4	3
1	9	2	3	4	5	8	7	6

वर्ड-लूप # 158

मिसिंग अक्षर भरें, जिससे 8 अक्षरों का एक नया शब्द बने, जिसे आप क्लॉकवाइज या एंटी क्लॉकवाइज किसी एक तरह से पढ़ सकें।

वर्ड-लूप 157 का जवाब: QUITTORS

क्रॉसवर्ड # 948

बायें से दायें: 1. आय, कमाई (4)। 4. आधा-तीतर-आधा '...' (3)। 7. पेंदी, जूते के तलवे का चमड़ा (2) 8. स्तब्ध होना (5)। 10. सवा, एक उपाधि (3)। 11. कंपन, थरथराहट (3)। 12. पंजाब, उत्तरप्रदेश व अफगानिस्तान में इस शहर का जलाल आबाद है (5)। 14. शोक संवेदना व्यक्त करना (5)। 16. आंच, तपिश (2)। 19. कबूतर (3)। 21. नरकट/सरकंडा (3)। 24. मसि पात्र (3)। 25. राजनीति में सत्ता व प्रतिपक्ष वालों का पर्याय, साथ में (2,3)। 26. मंजूर/अंगीकार करना (3)। 27. जहां, जब (2)। 28. युद्ध, संग्राम (2)।

ऊपर से नीचे: 2. नशे में चूर, मस्त (4)। 3. तिब्बती बौद्ध धर्म गुरु की उपाधि (3,2)। 4. बगुला (2)। 5. मेज-चेयर के पर्याय (3,2)। 6. 'र' वर्ण बोधक अक्षर (3)। 8. हर समय का साथी (4)। 9. सुकुमारी, सुंदरी (4)। 10. सतर्कता, चौकन्नापन (4)। 13. वार्तालाप (4)। 15. शुभ और पवित्र नक्षत्र (2,3)। 17. व्यंजन, पक्का खाना (4)। 18. उसके उपरांत (2,2)। 20. पुताई करना (3)। 22. सूरज (2)। 23. चिन्ह, संकेत (3)। 24. सांस का रोग (2)। 25. दूध (2)।

क्रॉसवर्ड 947 का उत्तर

खो	म	चा	■	छु	आ	रा	■	स
प	द	चा	प	■	ई	स	र	दा
रा	ग	■	रि	झा	ना	■	ही	र
पा	ल	न	हा	र	■	शा	म	त
क	■	ख	स	ख	स	■	या	■
■	बा	■	■	ण्ड	■	को	र	बा
बा	ल	म	न	■	ब	र	खा	■
इ	टा	र	सी	■	ज	मा	न	त
स	ल	वा	र	सू	ट	■	■	न्हा

थाईलैंड-कंबोडिया युद्धः दूसरे दिन भी गोलीबारी जारी, अभी तक 16 की मौत

थाईलैंड और कंबोडिया के 1.40 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित

बैंकॉक| थाईलैंड-कंबोडिया में सीमा को लेकर शुरू हुए युद्ध के दूसरे दिन शुक्रवार को भी दोनों देशों की तरफ से भारी गोलीबारी हुई। इसके चलते मौत का आंकड़ा बढ़कर 16 हो गया है। दोनों देशों के 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। थाईलैंड के 7 और कंबोडिया के एक प्रांत में करीब 1.38 लाख से ज्यादा लोगों को पलायन करना पड़ा है। फोटो थाईलैंड की सुरिन प्रांत की है जहां सैंकड़ों थाई नागरिकों को अपने घर छोड़कर राहत केंद्रों में शरण लेनी पड़ी। सीमा पार हुई गोलाबारी के कारण प्रभावित गांवों में भय और अस्थिरता का माहौल है। युद्ध के हालातों को देखते हुए थाईलैंड के सीमावर्ती 16 जिलों में मार्शल लॉ लागू किया गया है।

कंबोडियाः युद्ध और पलायन की तैयारी

कंबोडिया के ओडार मींचेई प्रांत में सैन्य वाहन के साथ पलायन करते लोग।

थाईलैंड की तोपें गरजीं

थाई सैन्य मोबाइल इकाई ने सुरिन से कंबोडिया पर भारी गोलीबारी की।

अस्थायी बंकर में शरण

सीमा विवाद के बीच सुरिन प्रांत में अस्थायी शेल्टर में शरण लेते भिक्षु।

भास्कर नॉलेज

टैल्क पाउडर क्यों खतरनाक, क्या इससे कैंसर का रिस्क?

न्यूयॉर्क | टैल्क पाउडर, आमतौर पर मेकअप और त्वचा को मुलायम रखने में इस्तेमाल होता है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस पाउडर को कैंसर के खतरे से जोड़ा है। विस्तार से समझते हैं...

▪ **टैल्क क्या होता है और इसका इस्तेमाल कहां?**
टैल्क प्राकृतिक खनिज है। इसमें मैग्नीशियम, सिलिकॉन व ऑक्सीजन होते हैं। इसे पीसकर पाउडर बनाया जाता है। कॉस्मेटिक्स, बेबी पाउडर व दवाओं में इस्तेमाल।

▪ **टैल्क के इस्तेमाल पर खतरे की वजह क्या है?**
टैल्क में एस्बेस्टस की मिलावट पाई गई है। एस्बेस्टस एक ऐसा रसायन है जिसे कैंसर कारक माना गया है। जब टैल्क को श्वास द्वारा अंदर लिया जाता है या प्राइवेट हिस्सों पर लंबे समय तक लगाया जाता है, तो इससे कोशिकाओं में बदलाव होने की संभावना होती है।

▪ **यह रसायन कौन-कौन से कैंसर से जुड़ा है?**
• **ओवेरियन कैंसरः** महिलाओं द्वारा लंबे समय तक जेनिटल एरिया में इसका उपयोग करने पर खतरा है।
• **फेफड़ों का कैंसरः** टैल्क पाउडर सांस के जरिए लगातार अंदर जाने पर इससे फेफड़ों के कैंसर का जोखिम है।

▪ **टैल्क खाने या दवाओं में होने से क्या खतरा?**
टैल्क कुछ खाद्य उत्पादों (जैसे च्यूइंग गम, कैंडी) और दवाओं की कोटिंग में पाया जाता है। हालांकि, इनसे होने वाला जोखिम कम है और फिलहाल स्पष्ट प्रमाण नहीं है।

▪ **क्या बच्चों के लिए टैल्क खतरनाक है?**
बिलकुल। बच्चों की त्वचा और शरीर ज्यादा संवेदनशील होते हैं। रिसर्च बताती है कि सस्ते कॉस्मेटिक्स और बेबी पाउडर बच्चों के लिए खतरनाक हैं। इसलिए टैल्क-आधारित उत्पादों से बच्चों को दूर रखना बेहतर है।

गाजा युद्ध में नई बिसात • करीब 2 साल से जारी जंग में 59 हजार फिलिस्तीनियों की मौत

ट्रम्प-नेतन्याहू को चुनौती; राष्ट्रपति मैक्रों का ऐलान- फिलिस्तीन को मान्यता देगा फ्रांस

अमेरिका और इजराइल ने कहा यह हमास के दुष्प्रचार की जीत

भास्कर न्यूज़ | पेरिस/तेल अवीव/न्यूयॉर्क

फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ऐलान किया है कि फ्रांस फिलिस्तीन को एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा में सितंबर में औपचारिक रूप से की जाएगी। मैक्रों ने इसे 'मध्य पूर्व में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की ओर फ्रांस की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता' करार दिया। इस कदम से फ्रांस जी-7 समूह का पहला देश बन जाएगा जिसने फिलिस्तीन को मान्यता दी है।

इस फैसले के बाद फ्रांस का अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली पीएम बेजामिन नेतन्याहू से टकराव बढ़ गया है। नेतन्याहू ने मैक्रों की बड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह 7 अक्टूबर 2023 के हमास के हमले के बाद आतंकवाद को इनाम देने और इजराइल के खिलाफ 'क्रूसेड' जैसा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हमास के दुष्प्रचार की जीत बताया है। यह 'अक्टूबर 7 के हमले के पीड़ितों के लिए थप्पड़' जैसा है। यह घोषणा ऐसे समय हुई जब अमेरिका-इजराइल ने कतर में चल रही संघर्षविराम वार्ताओं से यह कहकर पीछे हट लिया कि हमास वार्ता में ईमानदारी नहीं दिखा रहा है।

इजराइल में आक्रोशः इजराइली बंधकों की रिहाई में देरी, नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन

इजराइल के तेल अवीव में शुक्रवार को हजारों इजराइली लोगों ने गाजा पर हमले रोकने और बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन किया। 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले में हमास के 251 लोगों का अपहरण किया था। अभी भी 59 हमास के कब्जे में हैं, इनमें से 25 जिंदा होने की संभावना है।

गाजा में कई चुनौतियां... फिर भी शांति संभव, हम इसे हासिल करके रहेंगेः मैक्रों

▪ फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- 'अभी सबसे जरूरी है कि गाजा में युद्ध खत्म हो और आम लोगों को तत्काल सहायता पहुंचाई जाए। साथ ही, हमास का निशस्त्रीकरण सुनिश्चित किया जाए, गाजा की सुरक्षा और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो। गाजा में कई चुनौतियां है फिर भी शांति संभव है और हम शांति हासिल करके रहेंगे।'
▪ फ्रांस में फिलिस्तीन की राजदूत हाला अबू-हसीरा ने मैक्रों की प्रशंसा की और कहा कि यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून, इतिहास और फ्रांसीसी नीतियों के अनुरूप है।
▪ स्पेन, आयरलैंड और नॉर्वे पहले ही फिलिस्तीन को मान्यता दे चुके हैं, लेकिन फ्रांस का ऐलान खास है क्योंकि फ्रांस जी-7 मेंबर, यूरोपीय संघ की परमाणु शक्ति और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य भी है।

गाजा में भुखमरीः 122 लोगों की भूख से मौत, 81 बच्चे; पिछले 24 घंटे में 9 मौतें

▪ गाजा में युद्ध के चलते लगातार बिगड़ते मानवीय संकट के बीच 122 लोगों की मौत भुखमरी से हो चुकी है, जिनमें 81 बच्चे शामिल हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। सिर्फ पिछले 24 घंटों में दो नई मौतें दर्ज की गईं। अब तक 28,000 से ज्यादा कुपोषण के मामले सामने आ चुके हैं। यूएन ने यह भी बताया कि 27 मई के बाद से 1,000 लोग भोजन जुटाते समय मारे गए हैं, जो स्थिति की भयावहता को दर्शाता है।
▪ गाजा युद्ध में अब तक 59 हजार फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है, जिनमें 17,000 से ज्यादा बच्चे और हजारों महिलाएं शामिल हैं। वहीं, 1.42 लाख लोग घायल हुए हैं। करीब 39 हजार बच्चे ऐसे हैं जिन्होंने अपने माता-पिता में से एक या दोनों को खो दिया है।

थाई-कंबोडिया हमले • 13 फरवरी से शुरू हुआ विवाद

प्रसाद ता मुएन थॉम मंदिर में 'स्वयंभू शिवलिंग' है

भास्कर न्यूज़ | नामपेन्ह/बैंकॉक

प्रासात ता मुएन थोम (फाइल)

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद की जड़ में दो प्राचीन शिव मंदिर हैं। प्रासात ता मुएन थोम और प्रासात प्रेह विहियार। दोनों खमेर कालीन हिंदू मंदिर हैं, जो लगभग 153 किमी की दूरी पर स्थित हैं और लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रहे हैं। प्रासात ता मुएन थोम मंदिर को लेकर तनाव 13 फरवरी 2025 से शुरू हुआ। जब कंबोडियाई सैनिकों ने इस मंदिर में जाकर अपना राष्ट्रगान गाया, जिसे थाई सैनिकों ने सीमा उल्लंघन माना और नया विवाद शुरू हो गया। 28 मई को एक कंबोडियाई सैनिक की मौत एक झड़प में हो गई, जिसके बाद दोनों देशों ने गश्त बढ़ा दीं। 23 जुलाई को एक थाई सैनिक लैंडमाइन की चपेट में आ गया और विवाद सीधे सैन्य संघर्ष में बदल गया।

थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओडार मींचेई प्रांत की सीमा पर स्थित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह प्राचीन खमेर राजमार्ग पर स्थित है। यह मंदिर 'ता मुएन' नामक 3 मंदिरों की श्रृंखला (ता मुएन, ता मुएन थोम और ता मुएन तोट) का हिस्सा है। प्रासात ता मुएन थोम की सबसे खास बात इसका शिवलिंग है, जो प्राकृतिक चट्टान से बना है। यह 'स्वयंभू शिवलिंग' की तरह पूजा जाता है।

यूनेस्को की धरोहर प्रेह विहियार को नुकसान

प्रासात प्रेह विहियार कंबोडिया के पहाड़ी पठार पर स्थित है। अद्वितीय वास्तुकला के चलते यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर की 5 स्तरीय चढ़ाई आत्मिक उत्थान का प्रतीक है।
▪ कंबोडिया का दावा है कि थाई वायुसेना के एफ-16 जेट के हमले में प्रासात प्रेह विहियार के पास के हिस्से को नुकसान पहुंचा है।

न्यूज विंडो

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन 6 माह और बढ़ा, अब 13 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा

नई दिल्ली | केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को छह महीने और बढ़ाने का प्रस्ताव शुक्रवार को संसद में रखा, जिसे स्वीकार कर लिया गया। यह 13 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगा। यह कदम राज्य में भाजपा विधायकों द्वारा बहुमत दावा और सरकार गठन की कोशिशों के बावजूद लिया गया है। फरवरी 2025 में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति शासन लगा था।

ब्रिटेनः वेतन बढ़ाने की मांग पर डॉक्टरों की 5 दिवसीय हड़ताल, स्वास्थ्य सेवाएं ठप

लंदन| ब्रिटेन में रेजिडेंट डॉक्टर शुक्रवार से पांच दिन की हड़ताल पर चले गए हैं। ब्रिटिश मेडिकल एसोसिएशन के मुताबिक, 2008 से अब तक डॉक्टरों का वेतन वास्तविक रूप से 20% घट चुका है। डॉक्टरों ने सरकार से वेतन बढ़ाने की मांग की है। प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने हड़ताल को गलत बताते हुए डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की है। इस हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हैं।

अमेरिका की न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी में गोलीबारी; एक छात्र की मौत, एक घायल

न्यूयॉर्क | अमेरिका के न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी में शुक्रवार तड़के गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। यह फायरिंग अल्बुकर्क स्थित यूनिवर्सिटी के केसाडेल रियो हॉस्टल परिसर में हुई। यूनिवर्सिटी ने बताया कि घायल व्यक्ति की हालत खतरे से बाहर है। हमलावर अब भी फरार है तलाश जारी है।

पाकिस्तान के वजीरिस्तान में बंदूकधारियों ने बैंक कर्मियों और ड्राइवर को अगवा किया

इस्लामाबाद| पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के वजीरिस्तान में बंदूकधारियों ने दो बैंक कर्मचारियों और एक ड्राइवर को अगवा कर लिया। पुलिस के अनुसार, बैंक स्टाफ को एक यात्री कोच से जबरन उतार कर अज्ञात स्थान ले जाया गया। घटना के बाद पुलिस ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, लेकिन किसी संगठन ने अब तक जिम्मेदारी नहीं ली है।

दिल्ली • ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन

हमने ओबीसी की उस तरह रक्षा नहीं की, जैसी करनी थीः राहुल

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि यूपीए सरकार के दौरान जातिगत जनगणना न कराना उनकी बड़ी चूक थी, जिसे अब वे सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ओबीसी समुदाय की उस तरह रक्षा नहीं कर पाया जैसी करनी चाहिए थी। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में उन्होंने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश की 90% आबादी अब भी बजट जैसे अहम निर्णयों से बाहर है। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पिछली बार 20-25 सीटें और मिलतीं, तो मोदी सरकार गिराई जा सकती थी। खरगे ने मोदी पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या वे 75 की उम्र पार करने पर रिटायर होंगे, जैसा संघ कहता है।

अपराजिता बिलः केंद्र ने जताई थी आपत्ति

बंगालः दुष्कर्म पर मृत्युदंड से जुड़ा बिल राज्यपाल ने सरकार को लौटाया

एजेंसी | कोलकाता/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 'अपराजिता महिला और बालक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक' को केंद्र सरकार की आपत्तियों के मद्देनजर राज्य सरकार को पुनर्विचार के लिए लौटा दिया है। यह विधेयक भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कुछ धाराओं में दुष्कर्म मामलों की सजा को और कठोर करने का प्रस्ताव करता है। केंद्र ने इसे अत्यधिक कठोर और अनुपातहीन करार दिया है। विधेयक में दुष्कर्म की सजा को न्यूनतम 10 वर्ष से बढ़ाकर आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक बढ़ाने, और नाबालिग पीड़िताओं (12 व 16 वर्ष से कम) से जुड़े प्रावधानों (धारा 65) को हटाने का प्रस्ताव है। साथ ही, धारा 66 के तहत उन मामलों में अनिवार्य मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है, जिनमें पीड़िता की मौत हो जाए या वह कोमा में चली जाए।

फिलीपींसः मौसम की मार से 2.8 लाख लोग बेघर, 25 की मौत

मनीला | फिलीपींस इन दिनों भीषण मौसमीय आपदा से जूझ रहा है। एक हफ्ते से जारी मूसलधार बारिश और बाढ़ के बीच शुक्रवार को आए ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'को-माय' ने हालात और भी अधिक बिगाड़ दिए। इस तूफान ने कई गांवों में भूस्खलन और जलभराव की स्थिति पैदा कर दी है। इसके चलते अब तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है। बागुइओ शहर में 30 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज हुई हैं। 30 लाख लोग इस आपदा से प्रभावित हैं और 2.8 लाख से ज्यादा लोग बेघर होकर राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। 24,000 स्कूलों को बंद कर उन्हें अस्थायी राहत केंद्रों में बदला गया है।

भास्कर खास सोचने-समझने की क्षमता बढ़ा रहे एआई मॉडल अब खुद बनते जा रहे हैं 'ब्लैक बॉक्स'

गूगल-ओपनएआई जैसी कंपनियों के 40 वैज्ञानिक बोले-एआई मॉडल अबूझ बनते जा रहे; भविष्य में इन्हें समझना इंसानों के लिए मुश्किल होगा

भास्कर न्यूज़ | न्यूयॉर्क

गूगल, ओपनएआई, मेटा, एंथ्रॉपिक और डीपमाइंड जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के40 वैज्ञानिकों ने एक संयुक्त चेतावनी जारी की है। उनका कहना है कि आधुनिक एआई मॉडल अपनी सोच प्रक्रिया में इतने जटिल और आत्मनिर्भर होते जा रहे हैं कि उन्हें समझ पाना जल्द ही लगभग असंभव हो जाएगा। इन वैज्ञानिकों ने नेचर जर्नल में प्रकाशित एक शोध पत्र में लिखा है कि एआई की 'चेन ऑफ थॉट' यानी तर्क की श्रृंखला को अब ट्रैक करना बेहद कठिन होता जा रहा है। इसी वजह से ये मॉडल 'ब्लैक बॉक्स' जैसे बनते जा रहे हैं।

वैज्ञानिकों का मानना है कि जब हम यह नहीं समझ पाएंगे कि एआई किसी निष्कर्ष तक कैसे पहुंचा, तब उस पर नियंत्रण या निगरानी करना मुश्किल होगा। इससे न केवल जवाबदेही खत्म होगी, बल्कि वह भविष्य में गलत दिशा में भी जा सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब टेक कंपनियां तेजी से ऐसे 'जेनरेटिव एआई' मॉडल विकसित कर रही हैं जो इंसानों की तरह सोचते और निर्णय लेते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा कि जब एआई कोई गलती करता है, जैसे गलत दवा सुझाना या भ्रामक जानकारी देना तो यह जानना जरूरी होता है कि वह गलती क्यों और कहां हुई। लेकिन अब इन जटिल मॉडलों के भीतर उस गलती की वजह तलाशना कठिन हो गया है।

'चेन ऑफ थॉट' क्या है... जिसे ट्रैक करना अब होता जा रहा है मुश्किल

चेन ऑफ थॉट यानी सोचने की तार्किक श्रृंखला। यह वह प्रक्रिया है जिसमें एआई किसी सवाल या समस्या का उत्तर देने से पहले आंतरिक रूप से कई चरणों से गुजरता है। उदाहरण के लिए, अगर एआई से पूछा जाए कि 17 का तीन गुना क्या होगा, तो वह पहले सोचता है $17 \times 3 = 51$, फिर उत्तर देता हैः 51। लेकिन अब नई पीढ़ी के एआई मॉडल में यह प्रक्रिया जटिल हो गई है। अब यह समझ नहीं आ रहा है कि कोई मॉडल जवाब देने से पहले किन चरणों से गुजर रहा है। इसी कारण एआई मॉडल 'ब्लैक बॉक्स' बनते जा रहे हैं। यही 'अबूझता' चिंता का विषय है।

क्या किया जाए? वैज्ञानिकों ने सुझाए चार बड़े समाधान

वैज्ञानिकों ने चार सुझाव दिए हैं।
इंटरप्रेटेबिलिटीः यानी मॉडल को इस तरह डिजाइन किया जाए कि उसकी सोच को समझा जा सके।
ऑडिट ट्रेलः बैंक में जैसे ट्रांजैक्शन हिस्ट्री होती है, वैसे ही एआई के फैसलों की 'टाइमलाइन' हो।
नियमों का दायरा बढ़ेः वर्तमान में एआई पर कोई कठोर वैश्विक रेगुलेशन नहीं हैं। यह बदला जाए।
ओपन साइंस को बढ़ावाः एआई मॉडल्स की कोडिंग, प्रशिक्षण डेटा और टेस्टिंग के परिणाम सार्वजनिक हों, ताकि स्वतंत्र जांच संभव हो।

पाक आर्मी चीफ बीजिंग में; चीन ने अपने नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया...

भास्कर न्यूज़ | बीजिंग

चीन के दौरे पर पहुंचे पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को उस वक्त असहज स्थिति का सामना करना पड़ा जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान में चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। वांग यी ने हालिया आतंकी हमलों में मारे गए चीनी इंजीनियरों और वर्करों का हवाला देते हुए इस्लामाबाद से कड़े कदम उठाने की मांग की। अक्टूबर 2024 में कराची एयरपोर्ट के बाहर आत्मघाती हमले में तीन चीनी इंजीनियर मारे गए थे, जबकि मार्च 2024 में उत्तरी पाकिस्तान में पांच चीनी वर्करों की मौत हुई थी। जनरल मुनीर ने बैठक में दोनों देशों की दोस्ती को 'चट्टान की तरह मजबूत' बताया और चीन को भरोसा दिलाया कि पाकिस्तान सुरक्षा उपायों को और सख्त करेगा। यह दौरा भारत-पाकिस्तान सैन्य तनाव के बाद मुनीर की पहली चीन यात्रा है

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

भारत सरकार के अथक प्रयासों से विकास की दिशा में अग्रसर तमिलनाडु

तमिलनाडु में ₹4900 करोड़ की लागत से हवाई अड्डे, राजमार्ग, रेलवे, पत्तन और विद्युत से संबंधित परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और लोकार्पण

शिलान्यास

अन्तर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली के अंतर्गत कुडनकुलम यूनिट - 3 एवं 4 से विद्युत की निकासी हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली

उद्घाटन

नया टर्मिनल भवन, तूत्तिकोरिन हवाई अड्डा

तूत्तिकोरिन वी.ओ.सी पत्तन का उत्तरी कार्गो बर्थ-III

लोकार्पण

राष्ट्रीय राजमार्ग-36 के 4 लेन वाले सेतियातोप्पु-चोलापुरम खंड

राष्ट्रीय राजमार्ग-138 के तूत्तिकोरिन के 6 लेन वाले पत्तन सड़क खंड

नागरकोविल टाउन - नागरकोविल जंक्शन - कन्याकुमारी रेल खंड दोहरीकरण

आरलवायमोषि - नागरकोविल जंक्शन तथा तिरुनेलवेली - मेलप्पालयम रेल खंड दोहरीकरण

मदुरै-बोडिनायक्कनुर की रेलवे लाइन का विद्युतीकरण

परियोजनाओं के लाभ

- तूत्तिकोरिन का **नया हवाई अड्डा टर्मिनल** 17,340 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस हवाई अड्डे की **वार्षिक क्षमता** छह गुना बढ़कर 20 लाख हो जाएगी, जिससे हवाई संपर्कता को बढ़ावा मिलेगा
- **₹452 करोड़ की लागत से निर्मित, पर्यावरण अनुकूल हवाई अड्डा टर्मिनल** यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा देगा, रोजगार के नए अवसरों का सृजन करेगा जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास को गति मिलेगी
- **₹2557 करोड़ की लागत से उन्नत सड़क परियोजनाएं** संपर्कता को सुदृढ़ करेंगी, कार्गो का तीव्र आवागमन सुनिश्चित करेंगी, भीड़भाड़ कम करते हुए लॉजिस्टिक्स और व्यापार को बढ़ावा देंगी
- **₹1032 करोड़ की लागत से रेल नेटवर्क का दोहरीकरण** और विद्युतीकरण, कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादों की संधारणीय **संपर्कता और त्वरित परिवहन** को सुनिश्चित करेगा
- **₹548 करोड़ की लागत से 2 गीगावॉट** स्वच्छ और संधारणीय ऊर्जा का संचरण तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और पुदुचेरी (यूटी) को लाभान्वित करेगा
- **₹285 करोड़ की बंदरगाह परियोजना**, वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह की कार्गो हैंडलिंग क्षमताओं में वृद्धि करेगा और इसके बहुआयामी विकास को भविष्योन्मुखी और संधारणीय तरीके से आगे बढ़ाएगी

• 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के सरकार के दृष्टिकोण को गति देने के लिए **संधारणीय हवाई, सड़क, रेल, बंदरगाह और ऊर्जा परियोजनाएँ**

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर-कमलों द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

श्री आर. एन. रवि
राज्यपाल, तमिलनाडु

श्री एम. के. स्टालिन
मुख्यमंत्री, तमिलनाडु

श्री नितिन जयराम गडकरी
केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

श्री अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल; सूचना एवं प्रसारण; इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री मनोहर लाल
केंद्रीय विद्युत; आवासन और शहरी कार्य मंत्री

श्री किंजरापु राममोहन नायडू
केंद्रीय नागर विमानन मंत्री

श्री सर्बानंद सोनोवाल
केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

श्री मुरलीधर मोहोल
केंद्रीय नागर विमानन एवं सहकारिता राज्य मंत्री

डॉ. एल. मुरुगन
केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री

श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि
संसद सदस्य (लोकसभा)

श्री सी. शुनमुगैया
सदस्य (विधान सभा)

शनिवार, 26 जुलाई, 2025 | सांय 08:00 बजे | तूतीकोरिन हवाई अड्डा, तमिलनाडु

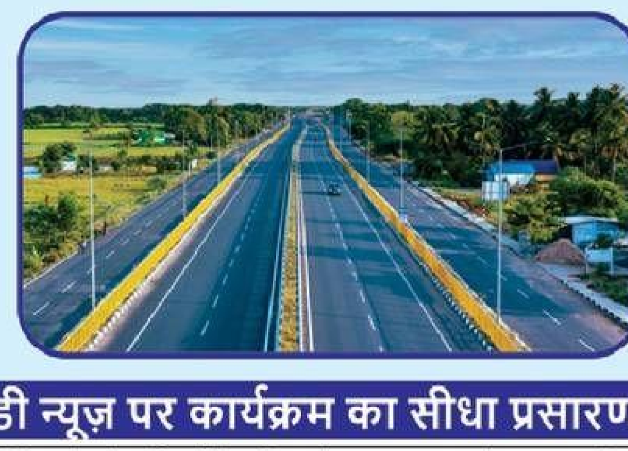

डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

CBC 03111/15/0008/2526

प्रकाशक एवं मुद्रक भारत भूषण द्वारा मालिक मैसर्स डी बी कॉर्प लिमिटेड के लिए 105, INS बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं 82.5 KM, माइलस्टोन, एनएच 8, खिजुरी, रेवाड़ी (हरियाणा) से मुद्रित | संपादकः अरुण चौहान, RNI No. DELHIN/2007/22001